आज हमारे युवा धैर्य, आत्मविश्वास और.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

23 जुलाई को रिलीज होगी... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 108 | गाजियाबाद / मंगलवार 21 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

लौट रहा मानसून,अबकी जमकर बरसेंगे बदरा

इस हफ्ते होगी झमाझम,देश का दो-तिहाई हिस्सा बादलों से ढका

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्षा की उम्मीद लगाए लोगों के लिए राहत की खबर है। इस हफ्ते मानसून जोरदार वापसी करने जा रहा है। बंगाल की खाड़ी में बनने वाला कम दबाव का नया सिस्टम मानसून ट्रफ को वापस अपनी जगह पर ले आएगा, जिससे आगामी कुछ दिनों में हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी से बहुत भारी वर्षा होगी।

दिल्ली में भी मंगलवार से गुरुवार के बीच आंधी-तूफान और भारी वर्षा की संभावना है, जिससे दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक आ जाएगा। इसरो के इनसेट-3डीआर की तस्वीरों से भी पता चलता है कि 19 जुलाई को देश का लगभग दो-तिहाई हिस्सा बादलों से ढका हुआ था।

भारत का लगभग 60-70 प्रतिशत हिस्सा बादलों से ढका- सेटेलाइट तस्वीरों में देश के ऊपर मानसून के बादलों की एक विशाल चादर दिखाई दे रही है, जो जम्मू-कश्मीर से लेकर गंगा के मैदानी इलाकों और पूर्वोत्तर तक फैली हुई है।

19 जुलाई को ली गई इन तस्वीरों के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत का लगभग 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा बादलों से ढका हुआ है। सबसे घने बादल पंजाब से उत्तर प्रदेश और बिहार होते हुए बंगाल और पूर्वोत्तर के ऊपर तक हैं।

- **जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में खतरा-** जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में बहुत अधिक वर्षा होने से अचानक बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। मध्य भारत में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में बड़े पैमाने पर वर्षा की संभावना है। पूर्वी भारत में भी सक्रिय मानसून का असर बना रहेगा। बंगाल और सिक्किम में बहुत अधिक वर्षा का अनुमान है, जबकि बिहार, ओडिशा और झारखंड में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी वर्षा होने की संभावना है।
- **पश्चिमी भारत में कैसा रहेगा हाल-** पश्चिमी भारत में कोंकण और गोवा में बड़े पैमाने पर वर्षा होने की उम्मीद है, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में छिटपुट वर्षा हो सकती है। दक्षिण भारत में कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर वर्षा होने की संभावना है, साथ ही कई इलाकों में आंधी-तूफान और तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में अडानी की बिजली पर फिर टकराव

- बड़ा दावा,मोहम्मद यूनुस की राह पर तारिक रहमान

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अडानी पावर प्लांट से मिलने वाली बिजली की कीमत लगभग 14.86 टका (लगभग 10.15) प्रति यूनिट है। वहीं भारत के अन्य तीन आपूर्तिकर्ताओं इंडिया और सेम्बकॉर्प की औसत कीमत महज 9.33 टका प्रति यूनिट है। इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि अडानी की बिजली अन्य दूसरे आपूर्तिकर्ताओं के मुकाबले 59 फीसदी तक ज्यादा महंगी पड़ती है। इन आरोपों के बाद सवाल ये उठ रहे हैं कि वाकई

ऐसा है जो दावा किया गया है या फिर तारिक रहमान की सरकार राजनीतिक फायदे के लिए भारतीय बिजली कंपनी पर निरर्थक आरोप लगा रही है। अपना अखबार इसकी पुष्टि नहीं करता है। बांग्लादेशी अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट के विश्लेषण में कहा गया है कि अडानी से खरीदे जाने वाली बिजली की लागत भारत की अन्य तीन बिजली सप्लाई करने वाली कंपनियों के संयुक्त औसत दर की तुलना में लगभग 59 फीसदी ज्यादा थी। द बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश चार भारतीय सप्लायर्स से अलग-अलग समझौतों के तहत बिजली खरीदता है। ये कंपनियां हैं अडानी पावर, विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड, सेम्बकॉर्प एनर्जी इंडिया लिमिटेड और पावर ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में अडानी से खरीदी गई बिजली औसतन 14.86 टका महंगी थी।

सरकारी कामों के लिए बंगाली भाषा होगी अनिवार्य

- सितंबर से तैयारी,सीएम शुभेंदु अधिकारी ने की घोषणा

कोलकाता (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को विधानसभा में घोषणा की कि एक सितंबर से पश्चिम बंगाल में सरकार के सभी स्तरों पर बंगाली भाषा अनिवार्य होगी। सीएम अधिकारी ने विधानसभा को बताया कि राज्य सरकार के सभी तरह के कम्युनिकेशन के लिए बंगाली मुख्य भाषा होगी। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार के साथ होने वाला सरकारी कामकाज बंगाली और हिंदी,

दोनों भाषाओं में किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से उन्हें भेजा गया एक पत्र सार्वजनिक किया। इसमें केंद्र ने बंगाली भाषआ के महत्व पर जोर दिया था। पत्र में शाह ने सलाह दी कि बंगाली को ज्यादा प्रमुखता दी जानी चाहिए और प्रशासनिक और आधिकारिक ढांचे में इसकी सक्रिय तैनाती की सिफारिश की गई है। शाह ने केंद्र और राज्य सरकारों के बीच अंतरराज्यीय प्रशासनिक चैनलों के लिए हिंदी के उपयोग को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, यह फैसला राज्य की प्रणाली में बंगाली भाषा को मजबूत करेंगे।

चढ़ावा चोरी-पेपर लीक पर संसद में कोहराम

- खड़गे बोले-जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज से बच्चों की आवाज दबा रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही नहीं चल पाई। लोकसभा और राज्यसभा को छह बार स्थगित करना पड़ा। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक, राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर चर्चा की मांग कर रहे थे। कुछ सांसद पोस्टर-बैनर लेकर सदन के अंदर आए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की। खड़गे ने कहा- जंतर-मंतर पर बच्चे इकट्ठा हुए, उनकी आवाज को दबाया जा रहा। सरकार ने उन पर लाठीचार्ज किया। उधर हंगामे के बीच लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पेश किया। दिन में सबसे पहले मोदी ने संसद के हंस द्वार पर मीडिया को 15 मिनट संबोधित किया। पीएम ने कहा- मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-ऐक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। संसद में तर्क के साथ चर्चा हो।

- **मोदी बोले-सत्र प्रोडक्टिव रहे, यही उम्मीद-** मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-ऐक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। इससे देश का कल्याण होता है। इसलिए हम यही प्रार्थना करते हैं कि मानसून और मानसून सत्र प्रोडक्टिव रहे। संसद में सार्थक चर्चा होना, मिलजुलकर देश को आगे ले जाने की चर्चा होना आज के वक्त की मांग है। तर्क-तथ्य के साथ सदन की चर्चा को मजबूत किया जाए, हर आवाज को सम्मान मिले।
- **संकट के बीच भारत मजबूत रहा-** लगातार कहीं न कहीं विपरीत स्थितियां बनती रही हैं। पश्चिम एशिया का युद्ध संकट का कारण रहा। पेट्रोल, डीजल, फर्टिलाइजर्स का संकट आया, लेकिन भारत 7.7 फीसदी की विकास दर बढ़ने वाला देश रहा। लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन विधेयक पेश, 2026 पेश किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या बढ़ाकर 38 होगी।

बच्चों की मोबाइल लत पर जल्द लगेगी लगाम

केंद्र सरकार ला सकती है स्मार्टफोन्स में 'माइनर मोड'

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों में बढ़ती मोबाइल लत और ऑनलाइन खतरों को रोकने के लिए केंद्र सरकार बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। सरकार भारत में बिकने वाले स्मार्टफोन में डिवाइस स्तर पर ही पाबंदियां लगाने पर विचार कर रही है। इसके तहत सभी नए फोन में एक अलग माइनर मोड देना अनिवार्य किया जा सकता है। प्रस्तावित व्यवस्था के मुताबिक माता-पिता इस मोड के जरिए कई तरह के नियंत्रण कर सकेंगे।

इसमें एप डाउनलोड पर रोक लगाना, रोजाना स्क्रीन टाइम तय करना और देर रात फोन या सोशल मीडिया के इस्तेमाल को बंद करा शामिल होगा। इसके ही साथ ही हानिकारक सामग्री को फिल्टर करने और बच्चे की उम्र के अनुसार एप तक पहुंच देने का विकल्प भी दिया जा सकता है। सरकार का मकसद है कि बच्चों की सेहत ठीक रहे।

वैष्णो देवी यात्रा पर 'मौसम' का लगा ब्रेक

- भूस्खलन से यात्रा मार्ग प्रभावित,कटरा में फंसे हजारों श्रद्धालु
- किसी ने लौटने का किया फैसला तो कोई कर रहा है इंतजार

- **पारंपरिक यात्रा मार्ग भी कई जगह हुआ भूस्खलन-** रविवार देर रात हुई तेज बारिश के कारण बैटरी कार मार्ग, भैरव घाटी मार्ग तथा पारंपरिक यात्रा मार्ग के कुछ हिस्सों में आंशिक भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। प्रभावित मार्गों को साफ करने और सुरक्षित बनाने के लिए आपदा प्रबंधन दल, श्राइन बोर्ड प्रशासन तथा सफाई कर्मचारी लगातार जुटे हुए हैं। यात्रा बंद होने के कारण दर्शनी ड्योढ़ी, बाणगंगा, चरणपादुका, अर्धकुंवारी, भवन और भैरव घाटी क्षेत्र में सामान्य दिनों की तुलना में पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा।

कटरा (एजेंसी)। मौसम विभाग की चेतावनी और लगातार खराब मौसम को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने सोमवार को भी यात्रा स्थगित रखने का निर्णय लिया था। यात्रा बंद रहने के कारण आधार शिविर कटरा में करीब 15 से 20 हजार श्रद्धालु यात्रा शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जबकि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपने घरों की ओर लौटना शुरू कर दिया है। यात्रा स्थगित होने के चलते शनिवार से कटरा में रुके कई श्रद्धालु कटरा रेलवे स्टेशन और बस अड्डे से अपने गंतव्य की ओर रवाना होते देखे गए। कुछ श्रद्धालु यात्रा बहाल होने की उम्मीद में ठहरे हुए हैं।

पुलिस हेडक्वार्टर में मृत मिले त्रिपुरा के डीजीपी

एक साल पहले संभाला था पद,मच गया हड़कंप

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ का शव अगरतला पुलिस हेडक्वार्टर में मिलने से हड़कंप मच गया। उनके शव को अगरतला के जीबी अस्पताल ले जाया गया। मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उनकी मौत के मामले में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। सूत्रों के मुताबिक, अनुराग धनकर अपने कार्यालय कक्ष में फंदे से लटके हुए मिले। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें तत्काल अगरतला के गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने आगे की औपचारिक प्रक्रिया शुरू की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और कार्यालय परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर जांच शुरू कर दी गई।

संसद तक पहुंचे प्रदर्शनकारी पुलिस ने भांजी लाठी

- पुलिस ने अभिजीत दीपके को जंतर-मंतर से उठाया
- पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी,लाठीचार्ज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उन्होंने सभी सांसदों से छात्रों के समर्थन में खड़े होने की अपील की है। इससे पहले, सीजेपी के समर्थक सोमवार को संसद भवन के करीब पहुंच गए।

प्रदर्शनकारियों ने संसद में घुसने की कोशिश की। इसके बाद संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट को बंद कर दिया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। इसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई। जब बाहर ये हंगामा चल रहा था उस वक्त पीएम समेत सभी सांसद संसद में मौजूद थे। सुबह प्रदर्शनकारी राजीव चौक और मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन में भी घुस गए थे। कुछ लोग बैरिकेडिंग तोड़कर पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने तक भी पहुंचे थे। कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल के सरकार के साथ बातचीत के लिए जाने के बाद अपने मार्च को अस्थायी रूप से रोक दिया है। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने घोषणा की कि बातचीत जारी रहने तक मार्च स्थगित रहेगा।

- **डिंपल यादव समेत कई अन्य सपा सांसद हिरासत में-** समाजवादी पार्टी की लोकसभा सांसद डिंपल यादव ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में संसद से जंतर-मंतर तक मार्च निकाला। इस मार्च में डिंपल यादव समेत कई सपा सांसद शामिल हुए। इस दौरान डिंपल यादव ने केंद्र सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाया और कहा कि देश में युवाओं, किसानों और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर सरकार संवाद करने को तैयार नहीं है। मार्च के दौरान डिंपल यादव ने कहा,हम चाहते हैं कि छात्रों की आवाज सुनी जाए, क्योंकि अब हालात असहनीय हो चुके हैं। देशभर में किसान, पर्यावरण और युवा सभी परेशान हैं लेकिन सरकार किसी की सुनने और उनकी समस्याओं का समाधान करने को तैयार नहीं है।

अमेरिका-ईरान तनाव से ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर पार

- एक हफ्ते में 16 फीसदी बढ़ा, भारत में महंगाई का खतरा
- रुपया-विदेशी निवेश पर दबाव,एनर्जी शॉक का जोखिम बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखी जा रही है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल आज 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत में महंगाई और एनर्जी शॉक के जोखिम को बढ़ा दिया है। इससे भारतीय रुपए और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के फ्लो पर असर पड़ने की संभावना है। दूसरी ओर, कच्चे तेल के महंगे होने से भारत की ऑइल मार्केटिंग कंपनियों के रिटेल फ्यूल मार्जिन पर भारी दबाव पड़ा है, जिससे डीजल पर कंपनियों को प्रति लीटर 20.4 रुपए का घाटा हो रहा।

भारत पर एनर्जी शॉक और रुपए का खतरा

जीओजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वीके विजयकुमार ने कहा कि मार्केट के सामने अभी नियर-टर्म में कई चुनौतियां हैं। सबसे बड़ा दबाव अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण ब्रेंट क्रूड का 90 डॉलर के पार जाना है। अगर यह ट्रेंड जारी रहता है, तो भारत में एनर्जी शॉक का खतरा फिर उभरेगा। इसका सीधा नकारात्मक असर रुपए की चाल और फ्लो पर पड़ सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी अपनी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई की चिंताएं फिर से बढ़ेंगी।

- **अमेरिका में फिर बढ़ सकती हैं ब्याज दरें-** बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, क्लीवलैंड फेड अध्यक्ष के बयान के बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर 2026 की मीटिंग में ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना बढ़ गई है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्राइम रिसर्च हेड देवर्ष वकील ने बताया कि अमेरिकी बाजारों में इस हफ्ते भारी अस्थिरता देखने को मिली है। देवर्ष वकील के मुताबिक, अमेरिका-ईरान संघर्ष में नए हमलों, टेक सेक्टर में रोटेशन और महंगाई के आंकड़ों ने प्रमुख इंडेक्स को नीचे खींच दिया, जिससे मिड-समर की बढ़त का सिलसिला टूट गया।

वर्धा में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, 5 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर सोमवार अलसुबह कार और ट्रक की टक्कर में 05 लोगों की जान चली गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि ट्रक चालक की मौत इलाज के दौरान हुई। ट्रक का क्लीनर गंभीर रुप से घायल है जिसका इलाज अस्पताल में जारी है। हादसे की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया, कि दुर्घटना सोमवार तड़के करीब तीन बजे विरुल गांव के समीप हुई। पुलिस के मुताबिक एथनॉल ले जा रहा एक कंटेनर ट्रक एक्सप्रेसवे पर पलट गया था, जिसके चलते मुंबई- नागपुर मार्ग पर यातायात ठप हो गया। इसके कुछ देर बाद ही उसी स्थान पर एक ट्रक ने एक कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मरने वाले लोगों में से चार वर्धा ज़िले के एक ही परिवार के सदस्य थे, जो कार में सवार थे। हादसे के बाद हाईवे सेफ्टी पेट्रोल (एचएसपी), वर्धा पुलिस, फायर ब्रिगेड और महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम की टीमें घटना स्थल पर पहुंचीं और बचाव व राहत कार्य के साथ ही यातायात बहाली का कार्य शुरू किया। अधिकारियों का कहना था कि इथेनॉल कंटेनर होने के चलते अत्याधिक सावधानी बरती जा रही है। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद ट्रक चालक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। वहीं ट्रक का क्लीनर गंभीर रूप से घायल है और उसका अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने सभी मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मृतकों की पहचान तथा उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की जांच भी की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और टक्कर की तीव्रता को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। समृद्धि एक्सप्रेसवे पर यह हाल के समय में हुई गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में से एक है। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और निर्धारित गति सीमा के भीतर वाहन चलाने की अपील की है, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

सेल्फी खिंचवा रहे 6 युवकों को हाईवा ने रौंदा, 4 की मौत दो गंभीर रूप से घायल

नरसिंहपुर (एजेंसी)। नरसिंहपुर जिले में रविवार शाम जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे-45 पर दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। दो गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, छह दोस्त तिनशीला वॉटरफॉल से पिकनिक मनाकर लौट रहे थे। इंदिरा नगर के पास हाईवे किनारे सेल्फी ले रहे थे। तभी तेज रफ्तार हाईवा ने उन्हें कुचल दिया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। मृतकों में राजेंद्र पटेल, वीरेंद्र लोधी (20), रामपाल लोधी (21) और जयपाल लोधी (30) शामिल हैं। घायल आकाश लोधी (24) और नीरज लोधी (25) का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार हाईवा चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सड़क पर घायल पड़ी थी युवती, केंद्रीय मंत्री ने अपनी गाड़ी से पहुंचवाया अस्पताल

जालंधर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने पंजाब दौरे में इंसानियत की मिसाल पेश की। अमृतसर दौरे के बाद जब वह जालंधर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल डेरा सचखंड बल्लां में माथा टेकने पहुंचे, तभी रास्ते में सड़क हादसे में घायल युवती को देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवा दिया। जानकारी के मुताबिक चिराग पासवान ने घायल युवती की मदद करते हुए उसे तुरंत अपनी गाड़ी से अस्पताल भिजवाया, जहां उसका इलाज शुरु हो गया। उनके इस मानवीय कदम की हर तरफ तारीफ हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान डेरा सचखंड बल्लां में संत निरंजन दास का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपने दिवंगत पिता रामविलास पासवान के सपने को पूरा करने की बात भी दोहराई। उन्होंने संकेत दिए कि उनकी पार्टी पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत करेगी और आगामी चुनाव लड़ने की तैयारी करेगी।

अभिषेक बनर्जी का आरोप, तोड़फोड़ नहीं, बल्कि वर्दी में चोरी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने भाजपा के इशारे पर उनके अमतला स्थित कार्यालय से चोरी की है। यह बयान उनके कार्यालय भवन के हिस्से को जिला प्रशासन द्वारा बुलडोजर से गिरने के एक दिन बाद आया, जिस पर बिना मंजूरी के बने होने का आरोप था। हालांकि, घटना के तुरंत बाद कोलकाता हाईकोर्ट ने तोड़फोड़ पर रोक लगाकर अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर दावा किया कि पुलिसकर्मी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिल उनके दफ्तर से लैपटॉप, प्रिंटर, कागजात, मेज, कुर्सियां और अन्य फर्नीचर से भरे बक्से ले जा रहे थे। उन्होंने इस घटनाक्रम को तोड़फोड़ नहीं, बल्कि वर्दी में चोरी करार दिया, जो हाईकोर्ट में मामला लंबित होने के बावजूद कानून का कोई सम्मान किए बिना की गई। टीएमसी सांसद ने पलटवार कर कहा कि अमतला का यह पार्टी कार्यालय खरीदी गई जमीन पर सभी आवश्यक मंजूरियों के साथ कानूनी तरीके से बनाया गया था। उन्होंने भाजपा का बुलडोजर मॉडल बताया, जो चुनाव से पहले उनकी अन्नपूर्णा भंडार योजना की जगह ले रहा है। अभिषेक ने कहा कि पार्टी इस मामले को कलकत्ता हाईकोर्ट ले जाएगी और जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश के ओएसडी को वीडियो भेजने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

लखनऊ के जवाहर भवन में लगी भीषण आग, कई गाड़ियां पहुंची

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के वीआईपी इलाके में स्थित जवाहर भवन में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। आसमान में धुएं का गुब्बार छा गया। बताया जा रहा है कि आग चौथी मंजिल पर स्थित खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यालय और कैंटीन में लगी है। सरकारी इमारत के ऊपरी हिस्से में आग लगने के बाद परिसर में हड़कंप मच गया। आग लगते ही कर्मचारी व लोग सुरक्षित बाहर निकल आए। आग बुझाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

भारत ने जारी की एडवाइजरी कहा- तत्काल वापस आएं स्वदेश

ईरान और अमेरिका के बीच भयंकर युध्द की आशंका

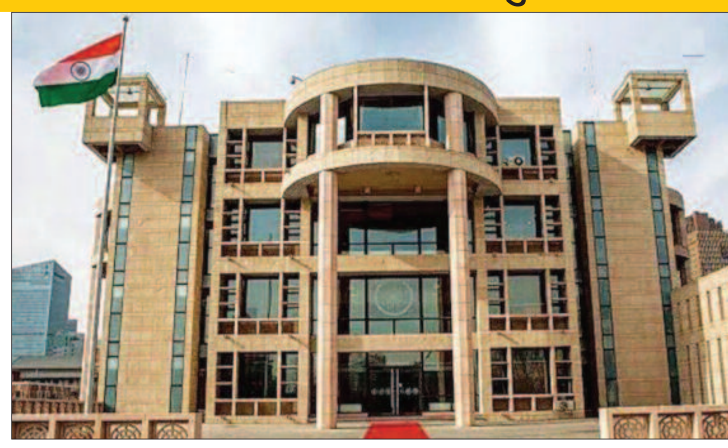

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच एक बार फिर भड़की युद्ध की आग ने पूरे पश्चिम एशिया में सुरक्षा हालात को गंभीर बना दिया है। अमेरिका पिछले सप्ताह से लगातार ईरान पर हमलावर है, और जवाब में ईरान खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है, जिससे तनाव अपने चरम पर पहुँच गया है। इस बिगड़ती स्थिति को देखते हुए, भारत सरकार ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारत ने अपने नागरिकों के लिए एक सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए उन्हें ईरान की यात्रा न करने की सलाह दी है। इसके साथ ही, फिलहाल ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों से भी जल्द से जल्द वहां से बाहर निकलने की अपील की गई है, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास द्वारा जारी इस ट्रैवल एडवाइजरी में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में पूरे ईरान में अस्थिरता और हिंसा की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ऐसे माहौल में किसी भी उद्देश्य से यात्रा करना अत्यंत खतरनाक हो सकता है। भारतीय दूतावास ने किसी भी उद्देश्य से ईरान जाने की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों को साफ तौर पर हिदायत दी है कि जब तक सुरक्षा माहौल में उल्लेखनीय सुधार नहीं हो जाता, वे अपनी यात्रा स्थगित कर दें। वहीं, जो भारतीय नागरिक पहले से ही ईरान में मौजूद हैं, उनके लिए दूतावास ने विशेष अपील जारी करते हुए कहा है कि वे उपलब्ध कमर्शियल फ्लाइट्स का इस्तेमाल कर वहां से सुरक्षित बाहर निकलने की कोशिश करें।

इसके अलावा, दूतावास ने ऐसे भारतीय नागरिकों के लिए भी विस्तृत एडवाइजरी जारी की है जो अब भी ईरान में ही रुकने की योजना बना रहे हैं, या जिनके लिए मौजूदा परिस्थितियों में ईरान से निकलना संभव नहीं है। दूतावास ने ऐसे नागरिकों को अत्यधिक सतर्कता बरतने, पल-पल की खबरों पर बारीकी से नजर रखने और युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों, खासकर ईरान के दक्षिणी तट से पूरी तरह दूर रहने को कहा है। सभी नागरिकों से यह भी अपील की गई है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी किए जा रहे सभी सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। भारतीय दूतावास ने अपनी एडवाइजरी में यह भी सलाह दी है कि सभी भारतीयों को भारतीय दूतावास के साथ अपना पंजीकरण कराना चाहिए। साथ ही, आगे के अपडेट्स और महत्वपूर्ण जानकारी के लिए दूतावास की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नियमित रूप से देखने की सलाह दी गई है, जिससे वे किसी भी आपात स्थिति में दूतावास से संपर्क में रह सकें।

मुंबई में कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में सोमवार को कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर आ गईं। सूचना मिलते ही रेलवे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, हेल्पलाइन नंबर 112 पर बृजेश कुमार नाम के एक व्यक्ति ने फोन कर दावा किया कि उसने तीन लोगों को कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की योजना पर बातचीत करते हुए सुना है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए ठाणे पुलिस ने तत्काल मुंबई सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सतर्क किया। अलर्ट जारी होने के बाद जीआरपी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और बम निरोधक दस्ते की संयुक्त टीमों ने दोनों रेलवे स्टेशनों पर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज और अन्य संवेदनशील स्थानों की गहन जांच की गई। सुरक्षा व्यवस्था भी अस्थायी रूप से बढ़ा दी गई ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मुंबई जीआरपी ने मीडिया को बताया कि विस्तृत तलाशी के बावजूद किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिससे फिलहाल यात्रियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद रेलवे स्टेशनों पर परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। पुलिस अब धमकी संबंधी कॉल करने वाले व्यक्ति का पता लगाने और उससे पूछताछ करने की प्रक्रिया में जुटी है। अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि सूचना वास्तविक थी या किसी ने अफवाह फैलाने के उद्देश्य से कॉल किया था। पुलिस ने कहा कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हाल के समय में सार्वजनिक स्थलों और रेलवे परिसरों को निशाना बनाकर मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां ऐसे प्रत्येक इनपुट को गंभीरता से ले रही हैं। यात्रियों से भी किसी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस या रेलवे सुरक्षा बल को देने की अपील की गई है।

विजय सरकार का फैसला, सभी सरकारी ऑफिसों में लगेंगे भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड

-बोर्ड पर स्पष्ट लिखा होगा- रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक नया अभियान शुरू किया है। इसके तहत राज्य के सभी सरकारी विभागों, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ऐसे भ्रष्टाचार विरोधी सूचना बोर्ड प्रमुख स्थानों पर लगाने का निर्देश दिया है, जिन पर स्पष्ट रूप से लिखा होगा कि रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है। यह निर्देश मुख्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित आदेश के जरिए जारी किया गया।

आदेश के मुताबिक प्रत्येक सरकारी कार्यालय में तमिल और अंग्रेजी भाषा में द्विभाषी सूचना बोर्ड ऐसे स्थानों पर लगाए जाएंगे, जहां आम जनता उन्हें आसानी से देख सके। विजय सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे यही भ्रष्टाचार विरोधी संदेश अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर भी प्रकाशित करें। इसके साथ ही वेबसाइट पर सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के पोर्टल का सीधा लिंक भी उपलब्ध कराया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी आदेश में कहा गया है कि 2006 से इस संबंध में कई बार निर्देश जारी किए जाने के बावजूद अनेक कार्यालयों ने इनका पूरी तरह पालन नहीं किया गया। कई जगहों पर भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड लगाए ही नहीं गए, जबकि कुछ कार्यालयों में इन्हें ऐसी जगह लगाया है जहां आने वाले लोगों की नजर नहीं पड़ती थी। सरकार का कहना है कि नया आदेश राज्य के सभी सरकारी प्रतिष्ठानों में इस व्यवस्था को एक समान तरीके से लागू करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। इन सूचना बोर्डों पर रिश्वत देना और रिश्वत लेना अपराध है संदेश के अलावा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय का पता, टेलीफोन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, फैक्स नंबर और आधिकारिक ईमेल आईडी भी प्रदर्शित की जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इन जानकारियों तक लोगों की आसान पहुंच होने से वे भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की शिकायत बिना किसी कठिनाई के दर्ज करा सकेंगे। सभी विभागों को अपने प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले वैधानिक बोर्डों, निगमों, स्थानीय निकायों, सरकारी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को भी इसी प्रकार के निर्देश जारी करने को कहा है। अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इन आदेशों को बिना किसी देरी के लागू करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा सरकार ने विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के सभी कार्यालयों में आदेशों के पालन की पुष्टि करने के बाद मानव संसाधन प्रबंधन विभाग को अनुपालन रिपोर्ट पेश करें। यह नई पहल राज्य सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की समर्पित व्हाट्सएप हेल्पलाइन 9498180936 शुरू किए जाने के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है।

देहरादून महायोजना-2041: सुद्धोवाला जनसुनवाई में गूंजे विकास और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे

आरव शर्मा
देहरादून (शिखर समाचार)। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा देहरादून महायोजना-2041 को अंतिम रूप देने के लिए चलाया जा रहा जनसंवाद अभियान अपने निर्णायक चरण में पहुंच गया है। इसी कड़ी में सोमवार को अभियान के 11वें दिन राजकीय बालिका पॉलिटेक्निक कॉलेज, सुद्धोवाला में सेक्टर-11 की जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में स्थानीय नागरिकों, भू-स्वामियों, सामाजिक संस्थाओं, व्यापारिक संगठनों और विभिन्न हितधारकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा राजधानी के भविष्य को लेकर अपने सुझाव व आपत्तियां दर्ज कराईं।

एमडीडीए अधिकारियों ने जनता की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि प्रत्येक सुझाव का तकनीकी एवं विधिक परीक्षण कर उसे महायोजना के अंतिम प्रारूप में शामिल किया जाएगा।

यातायात, आवास और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष जोर

सुद्धोवाला में आयोजित जनसुनवाई के दौरान तेजी से बढ़ते शहरीकरण की चुनौतियों को प्रमुखता से उठाया गया। प्रतिभागियों ने कहा कि बढ़ती आबादी को देखते हुए सड़क नेटवर्क के विस्तार, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने और ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए ठोस प्रावधान किए जाने चाहिए। इसके अलावा, पार्किंग संकट, आंतरिक संपर्क मार्गों की स्थिति और नए आवासीय क्षेत्रों में जलापूर्ति, सीवरेज, ड्रेनेज व अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर भी विस्तार से चर्चा हुई। लोगों का सुझाव था कि महायोजना अगले दो दशकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की जाए।

पर्यावरण संरक्षण को मिले प्राथमिकता

बैठक में पर्यावरणीय मुद्दे भी प्रमुखता से उभरे। नागरिकों ने हरित क्षेत्रों, प्राकृतिक जल स्रोतों और खुले सार्वजनिक स्थलों के संरक्षण के लिए प्रभावी प्रावधान करने की मांग की। कई प्रतिभागियों ने वर्षा जल संचयन, भूजल संरक्षण और जलभराव की समस्या के समाधान को महायोजना का अभिन्न हिस्सा बनाने की बात कही, ताकि देहरादून का प्राकृतिक और पर्यावरणीय संतुलन सुरक्षित रह सके।

अधिकारियों के बयान

बंशीधर तिवारी (उपाध्यक्ष, एमडीडीए): देहरादून महायोजना-2041 केवल एक तकनीकी दस्तावेज नहीं, बल्कि राजधानी के भविष्य की विकास दृष्टि है। नागरिकों से प्राप्त सुझाव योजना को जमीनी जरूरतों के अनुरूप बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जितनी अधिक जनभागीदारी होगी, महायोजना उतनी ही प्रभावी और दूरदर्शी बनेगी।

मोहन सिंह बर्निया (सचिव, एमडीडीए): जनसुनवाई के दौरान प्राप्त सभी सुझावों और आपत्तियों का व्यवस्थित अभिलेखीकरण किया जा रहा है। विशेषज्ञों की टीम प्रत्येक बिंदु का तकनीकी और विधिक परीक्षण करेगी, ताकि अंतिम महायोजना विकास, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सुविधाओं के बीच बेहतर संतुलन स्थापित कर सके।

कल सेक्टर-12 में होगी अगली जनसुनवाई

एमडीडीए ने बताया कि जनसंवाद अभियान आगे भी जारी रहेगा। महायोजना-2041 के अंतर्गत सेक्टर-12 की अगली जनसुनवाई 21 जुलाई को प्रातः 11 बजे वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट, चंद्रबनी रोड पर आयोजित की जाएगी, जहां संबंधित क्षेत्र के नागरिक अपने सुझाव और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर लाठीचार्ज क्यों? शशि थरूर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुए पुलिस के लाठीचार्ज को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यदि प्रदर्शन शांतिपूर्ण था तो लाठीचार्ज की आवश्यकता क्या थी। उन्होंने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हुए हंगामे पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में संसद जनता की आवाज उठाने का मंच है और विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

शशि थरूर ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन पर बल प्रयोग उचित नहीं ठहराया जा सकता। उनके अनुसार, लाठीचार्ज अहिंसा नहीं बल्कि हिंसा का रूप है और ऐसे कदम के पीछे का तर्क समझ से परे है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार है और सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए। संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होने के सवाल पर थरूर ने कहा कि संसद देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा का सर्वोच्च मंच है। इस बार विपक्ष शिक्षा व्यवस्था, नीट पेपर लीक, छात्रों की समस्याओं और अन्य जनहित के विषयों पर चर्चा चाहता था। उनका कहना था कि इन मुद्दों पर बहस की अनुमति नहीं मिलने के कारण सदन में गतिरोध की स्थिति बनी।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि सरकार के पास बहुमत है और वह अंततः अपने विधेयक पारित करा सकती है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर मिलना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि संसद केवल सरकार द्वारा विधेयक पेश कर उन्हें पारित कराने का मंच नहीं हो सकती, बल्कि यह वह स्थान होना चाहिए जहां विभिन्न विचारों को सुना जाए, उन पर खुली चर्चा हो और फिर निर्णय लिया जाए।

शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद के सुचारु संचालन के लिए विपक्ष से सहयोग मांगा था। उन्होंने कहा कि सहयोग दोनों तरफ से होना चाहिए। यदि सरकार विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की अनुमति देगी, तो विपक्ष भी सदन के सुचारु संचालन में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि संसद का उद्देश्य संवाद, बहस और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यदि जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की ही अनुमति नहीं होगी, तो संसद की मूल भूमिका प्रभावित होगी। थरूर ने उम्मीद जताई कि सरकार और विपक्ष के बीच संवाद के जरिए गतिरोध समाप्त होगा और संसद में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो सकेगी।

भाजपा से दोबारा चुनाव लड़ने की गलती नहीं करुंगी : किरण बेदी

-कानपुर में किरण बेदी का बड़ा बया

कानपुर (एजेंसी)। भारत की पहली महिला आईपीएस और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी रविवार को कानपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान दिया कि वह भाजपा से चुनाव लड़ने की गलती दोबारा नहीं कर सकतीं। कानपुर रोटेरियन के एक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद बेदी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कई समसामयिक मुद्दों पर अपनी राय रखी। हालांकि, जब उनसे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और सोनम वांगचुक के मौजूदा आंदोलन को लेकर सवाल पूछे गए, तो उन्होंने टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। बेदी ने कहा कि वह इन लोगों को फॉलो ही नहीं करतीं, और इसलिए इनको लेकर नो कमेंट।

किरण बेदी ने कानपुर की हवाई सेवा की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें लखनऊ तक फ्लाइट से आने के बाद जर्जर सड़कों से कार से कानपुर आना पड़ता था, लेकिन इस बार दिल्ली से कानपुर तक का सफर काफी अच्छा रहा, क्योंकि अब सीधी फ्लाइट उपलब्ध है। साइबर क्राइम जैसे बढ़ते अपराधों पर उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही इनसे बचा जा सकता है। उनका मानना है कि चोर का काम चोरी करना है, लेकिन सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। अपनी उम्र के इस पड़ाव पर भी देश के विकास में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए किरण बेदी ने बताया कि उन्होंने अपने 77वें जन्मदिन पर भारत स्किल एक्सचेंज नाम का एक स्टार्टअप शुरू किया है। उनका उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास की आवश्यकता को पूरा करना है, जिसके लिए उन्होंने यह बीड़ा उठाया है।इससे पहले, किरण बेदी ने दिल्ली जिमखाना क्लब को खाली करने के केंद्र की भाजपा सरकार के फैसले पर भी नाराजगी जताई थी। उन्होंने उस आदेश के बारे में सुनकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ, जैसे उन्हें कोई अपने ही घर से बेदखल कर रहा हो। एक इंटरव्यू में उन्होंने क्लब से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार बेदखली के आदेश के बारे में सुना तो उन्हें लगा जैसे उन्होंने अपना घर खो दिया हो। यह वह जगह थी जहां वह 14 साल की उम्र से टेनिस टूर्नामेंट खेलने अमृतसर से दिल्ली आया करती थीं। इन्हीं दौरों की वजह से उन्हें दिल्ली से प्यार हो गया और उन्होंने यहीं काम करने और रहने का सपना देखा था।

आज हमारे युवा धैर्य, आत्मविश्वास और परिश्रम से सफलता हासिल कर रहे: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया जिसमें लिखा कि आज हमारे युवा साथी धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रहे हैं। यही विकसित हो रहे भारत की सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमन्विच्छति चाप्रमत्तः। दुःखं च काले सहते महात्मा धुरन्धरस्तस्य जिताः सपत्नाः॥ भी साझा किया है, जिसका हिंदी में अर्थ है कि जो मनुष्य संकट के समय कभी विचलित नहीं होता, बल्कि धैर्य, कुशलता और सावधानी के साथ उससे बाहर निकलने का प्रयास करता है और समय आने पर दुखों को भी सहजता से सहन करता है, वह अंतत-कभी पराजित नहीं होता, बल्कि विपरीत परिस्थितियों पर भी विजय हासिल करता है।

इससे पहले पीएम मोदी ने 17 जुलाई को सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था- आज भारत को पहली हाइड्रोजन ट्रेन मिलने का सपना साकार होने जा रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास की दिशा में एक बड़ा दिन है। मैं इससे जुड़े सभी लोगों को बहुत बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्रभूतं कार्यमल्पं वा यन्नरः कर्तुमिच्छति। सर्वारम्भेण तत् कार्यं सिंहादेकं प्रचक्षते।। भी साझा किया था। जिसका हिंदी अर्थ है कि चाहे कार्य बहुत बड़ा हो या छोटा- जिसे मनुष्य करना चाहता है, उस पूर्ण समर्थन या नए उत्साह के साथ करना चाहिए, यही एक गुण सिंह से सीखने योग्य है।

पीएम मोदी की ओर से 16 जुलाई को जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर सुभाषित साझा किया गया था। उन्होंने लिखा था- महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा के पावन अवसर पर मेरी कामना है कि उनका आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। उनकी दिव्य कृपा से सभी देशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार हो। पीएम ने संस्कृत श्लोक, देवदेव जगन्नाथ सुरासुरनमस्कृत। पुण्यश्लोकाव्ययानन्त परमात्मन्नमोऽस्तु ते॥ शेयर किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि देवताओं के भी देव और संपूर्ण जगत के स्वामी भगवान जगन्नाथ की देवताओं से लेकर समस्त प्राणी श्रद्धापूर्वक उपासना करते हैं। उनका यश पवित्र एवं कल्याणकारी है। वे अविनाशी अनंत तथा समस्त प्राणियों के हृदय में विराजमान परमात्मा हैं। ऐसे भगवान जगन्नाथ को बार-बार नमस्कार है।

शहर में सौंदर्यीकरण की नई लहर: हापुड़ चुंगी से ठाकुरद्वारा तक बदलेगी शहर की तस्वीर, नगर आयुक्त ने किया निरिक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में गाजियाबाद नगर निगम लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। विकास कार्यों के साथ-साथ अब शहर के प्रमुख मार्गों के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में हापुड़ चुंगी से कलेक्ट्रेट मार्ग होते हुए ठाकुरद्वारा तक लगभग 3.5 किलोमीटर लंबे मुख्य मार्ग को आधुनिक स्वरूप देने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देशों के तहत निर्माण, उद्यान एवं प्रकाश विभाग संयुक्त रूप से इस मार्ग को सुंदर, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में जुटे हुए हैं। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने सोमवार को चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और निर्धारित समय में गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने पर जोर दिया। नगर निगम इन मार्ग के मध्य स्थित सेंट्रल वर्ज का पुनर्निर्माण कराया गया है। पहले की अपेक्षा इसकी ऊंचाई बढ़ाकर 90 सेंटीमीटर कर दी गई है, जबकि चौड़ाई एक मीटर रखी

गई है। उद्यान विभाग द्वारा लगभग साढ़े तीन किलोमीटर लंबे इस सेंट्रल वर्ज को नए स्वरूप में विकसित किया जा रहा है। वर्तमान में इसमें मिट्टी भरने का कार्य जारी है और आगामी दिनों में यहां बड़े स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा। निगम का मानना है कि हरित पट्टी विकसित होने से न केवल मार्ग की सुंदरता बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण और वायु गुणवत्ता सुधारने में भी मदद मिलेगी। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम शहर के प्रमुख मार्गों को आधुनिक और आकर्षक स्वरूप देने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। हापुड़ चुंगी से लेकर कलेक्ट्रेट और ठाकुरद्वारा तक बनाए गए नए सेंट्रल वर्ज पर विभिन्न प्रकार के सजावटी और छायादार पौधे लगाए जाएंगे। इससे मार्ग की सुंदरता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और राहगीरों को भी एक सुखद अनुभव प्राप्त होगा। इस परियोजना का सबसे आकर्षक हिस्सा प्रकाश विभाग द्वारा लगाए गए 90 डिजाइनर पोल हैं। लगभग छह मीटर ऊंचाई वाले इन आधुनिक पोलों को विशेष रूप से मार्ग की सुंदरता को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यह पोल न केवल बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे, बल्कि शहर की आधुनिक पहचान को भी मजबूत करेंगे। शाम और रात के समय इन पोलों की रोशनी पूरे मार्ग को आकर्षक स्वरूप प्रदान करेगी। इन पोलों में सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। प्रत्येक पोल पर विशेष डिजाइनिंग कवर लगाया गया है, जिससे विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और करंट लगने जैसी दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम रहे।

स्थापना दिवस पर बैंक ऑफ बड़ौदा ने उत्कृष्ट सेवाओं के प्रति दोहराई प्रतिबद्धता

मुरादनगर (शिखर समाचार)। बैंक ऑफ बड़ौदा की स्थानीय शाखा में सोमवार को बैंक का 119वां स्थापना दिवस उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केक काटकर किया गया। इस अवसर पर बैंक की गौरवशाली विकास यात्रा, ग्राहक हितों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता तथा आधुनिक बैंकिंग सेवाओं के विस्तार पर विस्तार से चर्चा की गई। समारोह में बैंक अधिकारियों, ग्राहकों एवं नगर के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर बैंक की उपलब्धियों की सराहना की। शाखा प्रबंधक सपना बालोतिया ने उपस्थित लोगों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा की स्थापना 20 जुलाई 1908 को महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय ने की थी। उन्होंने कहा कि स्थापना के बाद से बैंक ने निरंतर प्रगति करते हुए देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। आज बैंक देश के साथ-

साथ विदेशों में भी अपनी विश्वसनीय सेवाओं और मजबूत बैंकिंग व्यवस्था के कारण प्रतिष्ठित पहचान रखता है।

उन्होंने कहा कि बैंक ग्राहकों को सुरक्षित, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण तथा आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। डिजिटल बैंकिंग, वित्तीय समावेशन और ग्राहक सुविधा को प्राथमिकता देते हुए बैंक समय-समय पर नई सेवाएं और तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी बैंक नवाचार, उत्कृष्ट सेवा और ग्राहकों के विश्वास के बल पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा समाज और अर्थव्यवस्था के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

इस अवसर पर रामकिशन बंधु, दयानन्द त्यागी, विनोद यादव, उज्ज्वल गोयल, निशांत गर्ग, यश गर्ग, प्रवेश गर्ग, शिवम गर्ग, प्रगति सिंह, राजेंद्र शर्मा, रविन्द्र कुमार, अभिषेक कुमार, नरेश कुमार सहित बैंक के अनेक ग्राहक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करने तथा बैंक की निरंतर प्रगति और उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के संकल्प को दोहराने के साथ हुआ।

प्राकृतिक खेती ही कृषि और मानव स्वास्थ्य का भविष्य : आचार्य देवव्रत

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। नगर के पंजाबी बारात घर में जाट समाज महासभा, मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में जाट प्रतिष्ठा एवं प्रतिभा अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर प्राकृतिक खेती विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में उन्होंने किसानों से रासायनिक खेती के दुष्परिणामों पर गंभीरता से विचार करने और प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया। आचार्य देवव्रत ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के निरंतर बढ़ते उपयोग से कृषि भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है तथा मिट्टी की प्राकृतिक शक्ति लगातार क्षीण हो रही है। यदि समय रहते खेती की पारंपरिक और प्राकृतिक पद्धतियों की ओर वापसी नहीं की गई तो भविष्य में कृषि उत्पादन और किसानों की आजीविका दोनों गंभीर संकट का

सामना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल भूमि, जल और पर्यावरण की रक्षा करती है, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवन भी प्रदान करती है। कार्यक्रम के दौरान बुढ़ाना विकासखंड जाट महासभा के महामंत्री प्रवीण राणा ने आचार्य देवव्रत का गायत्री मंत्र अंकित अंगवस्त्र ओढ़ाकर तथा महर्षि दयानंद सरस्वती का चित्र भेंट कर सम्मान किया। प्रवीण राणा ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने, वेदों के आदर्शों को अपनाने, पर्यावरण संरक्षण तथा आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ भविष्य के लिए प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। समारोह में समाज की विभिन्न प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर जाट महासभा अध्यक्ष देवेंद्र अहलावत, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, पूर्व विधायक उमेश मलिक, जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल, सर्वखाप मंत्री सुभाष बालियान, कुंवर विजयराज सिंह, चमन सिंह तथा बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग, किसान और युवा उपस्थित रहे।

दिल्ली से चोरी की मोटरसाइकिल के साथ 1 अभियुक्त को लिंक रोड पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लिंक रोड पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दिल्ली क्षेत्र से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल ग्लैमर डिस्क भी बरामद की है। यह गिरफ्तारी पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान की। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि चेकिंग के दौरान पैसिफिक मॉल के पास एक संदिग्ध युवक को रोककर पूछताछ की गई। जांच में उसकी पहचान नीतीश उर्फ

नितीश कुमार पुत्र सियाराम के रूप में हुई। वह वर्तमान में खोड़ा कॉलोनी, गाजियाबाद में किराये पर रह रहा था, जबकि उसका मूल निवास बिहार के नालंदा जनपद के मुकवा गांव में है। आरोपी की उम्र लगभग 27 वर्ष है। उसके कब्जे से बरामद मोटरसाइकिल के संबंध में पूछताछ करने पर पता चला कि यह वाहन दिल्ली के महरौली क्षेत्र से चोरी किया गया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों में मोटरसाइकिल चोरी करने का काम करता है। चोरी के बाद वह वाहनों को बेचकर अपने खर्च पूरे करता था। बरामद ग्लैमर मोटरसाइकिल भी उसने महरौली दिल्ली से चोरी की थी और वह उसे किसी व्यक्ति को बेचने के लिए ले जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

सांसद प्रतिनिधि की बेटी की शादी में कन्यादान का बैग चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार, 1.80 लाख रुपये बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। मेरठ-हापुड़ सांसद अरुण गोविल के प्रतिनिधि अशोक बबली की पुत्री के विवाह समारोह से कन्यादान की रकम से भरा ट्रॉली बैग चोरी करने वाले शातिर आरोपी को हापुड़ देहात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.80 लाख रुपये नकद, एक चाकू तथा वीआईपी लोगों के नाम वाले 14 खाली लिफाफे बरामद किए हैं। हापुड़ देहात थाना प्रभारी पारस मलिक ने बताया कि 11 जुलाई को अशोक बबली की पुत्री का विवाह समारोह आयोजित किया गया था। समारोह में क्षेत्र के विधायक, व्यापारी, जनप्रतिनिधि और शहर की अनेक गणमान्य हस्तियां शामिल हुई थीं। इसी दौरान एक शातिर चोर खिड़की तोड़कर कमरे में घुसा और कन्यादान की नकदी से भरा

ट्रॉली बैग लेकर फरार हो गया। घटना के बाद पीड़ित पक्ष की तहरीर पर हापुड़ देहात थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। रविवार रात उपनिरीक्षक रविंद्र कुमार पुलिस टीम के साथ भीमनगर क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिलने पर एलएन रोड-लोधीपुर मार्ग पर घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे संजू निवासी भीमनगर को दबोच लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि चोरी किए गए बैग में काफी नकदी थी, जिसमें से वह 5.10 लाख रुपये खर्च कर चुका है। उसके पास से 1.80 लाख रुपये नकद, चोरी किया गया बैग और वीआईपी लोगों के नाम वाले 14 खाली लिफाफे बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामले में अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

नाबालिग से जुड़े प्रकरण में आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना बढ़ापुर पुलिस ने नाबालिग किशोरी से जुड़े गंभीर आपराधिक प्रकरण में त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच विधिक प्रावधानों के अनुरूप की जा रही है तथा पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी नगीना राजेश सोलंकी ने बताया कि 15 जुलाई को क्षेत्र के एक गांव निवासी परिजनों ने थाना

बढ़ापुर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव भगवानपुर निवासी जौनी ने उनकी नाबालिग पुत्री के साथ गंभीर अपराध किया। आरोप है कि घटना का विरोध करने पर आरोपी ने परिजनों को जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बढ़ापुर पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए अभियान चलाया। सोमवार को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी जौनी को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बच्चों से जुड़े अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि महिलाओं और बच्चों से संबंधित किसी भी अपराध की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

राहुल सिंह के परिजनों से मिला विश्व हिंदू रक्षा परिषद का प्रतिनिधिमंडल, सीबीआई जांच और आर्थिक सहायता की मांग

लखनऊ (शिखर समाचार)। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के पदाधिकारियों ने सोमवार को संगठन के राष्ट्रीय सलाहकार एवं युवा वैज्ञानिक स्वर्गीय राहुल सिंह के आवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। प्रतिनिधिमंडल ने राहुल सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई। परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि राहुल सिंह बचपन से ही मेधावी और प्रतिभाशाली थे। कम आयु में ही उन्होंने परिवार की जिम्मेदारियां संभाल ली थीं और परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी असामयिक और संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु से परिवार के साथ-साथ समाज में भी शोक और चिंता का माहौल है।

परिषद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित अपनी मांगों में राहुल सिंह की मृत्यु की केंद्रीय अन्वेषण

ब्यूरो (सीबीआई) से निष्पक्ष जांच कराने, परिवार के एक सदस्य, विशेष रूप से उनके भाई, को सरकारी नौकरी देने तथा शोकाकुल परिवार को समुचित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। पदाधिकारियों का कहना था कि परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए सरकार को मानवीय आधार पर आवश्यक सहायता प्रदान करनी चाहिए, ताकि परिजनों को कठिन परिस्थितियों में सहारा मिल सके।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि स्वर्गीय राहुल सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब उनकी मृत्यु के कारणों का निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पता लगाया जाएगा तथा यदि किसी की भूमिका सामने आती है तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और न्याय मिलने तक अपनी आवाज उठाता रहेगा।

इस अवसर पर मनीष राय, हिमांशु धवल, दीपक राय, पंडित सुभाष शर्मा, आलोक कुमार त्रिपाठी, प्रकाश आर्य, ओम शंकर गुप्ता, पंकज अग्रवाल, दीपक यादव, देव महाराज, सुंदरम राय सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वेव सिटी पुलिस ने दो वाहन चोरों को दबोचा, चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। वेव सिटी थाना पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। बरामद वाहनों में विभिन्न स्थानों से चोरी की गई स्प्लेंडर और अपाचे बाइक शामिल हैं। सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि थाना वेव सिटी की पुलिस टीम क्षेत्र में नियमित चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस को दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को हिरासत में लिया और उनकी तलाशी ली। पूछताछ तथा जांच के दौरान उनके कब्जे से चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुईं। इनमें एक स्प्लेंडर बाइक, एक अपाचे बाइक तथा दो अन्य स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिलें शामिल हैं। बरामद वाहनों के चेसिस नंबरों की जांच करने पर पता चला कि ये वाहन अलग-अलग क्षेत्रों से चोरी किए गए थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजय उर्फ कालू और प्रशांत उर्फ

लक्की के रूप में हुई है। इनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में इनके खिलाफ एक मामला दर्ज होने की जानकारी सामने आई है, जबकि अन्य संभावित आपराधिक गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।पूछताछ मे अभियुक्तों ने बताया कि वह नशे के आदी है और अपनी जरूरतों तथा खर्चों को पूरा करने के लिए वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। वह पहले विभिन्न क्षेत्रों में रेकी करते थे और मौका मिलने पर मोटरसाइकिल चोरी कर लेते थे। चोरी के वाहनों को बेचकर प्राप्त धनराशि का उपयोग वे अपने निजी खर्चों और नशे की लत को पूरा करने में करते थे। बरामद चारों मोटरसाइकिलें उन्होंने अलग-अलग स्थानों से चोरी की थीं।

जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का संकल्प, नगर पालिका में गोष्ठी आयोजित

बिजनौर (शिखर समाचार)। गिरते भूगर्भ जल स्तर और बढ़ते जल संकट को देखते हुए नगर पालिका परिषद बिजनौर के सभागार में सोमवार को जल संरक्षण विषय पर विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया। पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में जल संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए नगरवासियों को जल बचाने के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि यदि अभी से जल संरक्षण के प्रभावी उपाय नहीं अपनाए गए तो आने वाले समय में पेयजल और सिंचाई दोनों क्षेत्रों में गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को जल की एक एक बूंद का महत्व समझते हुए उसके संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभानी होगी।

गोष्ठी का संचालन लेखा परीक्षक वीरेंद्र सिंह ने किया।

बैठक में जल संरक्षण को व्यवहारिक रूप देने के लिए नगर के सभी वार्डों में वार्डवार जागरूकता अभियान चलाने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने तथा पानी की अनावश्यक बबार्दी रोकने पर विशेष बल दिया गया। इसके साथ ही नगर में भूजल पुनर्भरण के लिए जल पुनर्भरण गलियारे विकसित करने तथा जल शोधन संयंत्र स्थापित करने जैसी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। पालिका प्रशासन ने इन योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से अमल में लाने का भरोसा दिलाया। वक्ताओं ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने सभी सभासदों, अधिकारियों और कर्मचारियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाते हुए अपने दैनिक जीवन में पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जलकल विभाग के अवर अभियंता गौरव शर्मा, कर अधीक्षक नरेंद्र पाल यादव, सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी, निर्माण लिपिक सोनिका गर्ग, सभासद अभिषेक राणा, नीरज शर्मा, मनी चौधरी, मनोरमा शर्मा, अमित ठाकुर, सुजीत कुमार, शमशाद अहमद, शहजाद अहमद, जुबेर अहमद सहित अनेक जनप्रतिनिधि और कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर पालिका परिषद ने इसके साथ ही नगर के विभिन्न विद्यालयों में भी विद्यार्थियों और शिक्षकों को जल संरक्षण की शपथ दिलाकर जागरूकता अभियान प्रारंभ किया।

गौरजा माता का ऐतिहासिक मेला शांतिपूर्वक संपन्न, श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद के गंज क्षेत्र स्थित ग्राम सिकंदरपुर में आयोजित ऐतिहासिक गौरजा माता का मेला श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। मेले में जिले के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंचे। पूरे दिन मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। भक्तों ने माता के जयकारों के बीच विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मेले में श्रद्धालुओं की गहरी आस्था और धार्मिक उत्साह स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

रविवार रात्रि से ही श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचना शुरू हो गया था और उन्होंने माता को प्रसाद अर्पित कर पूजा-अर्चना की। सोमवार तड़के से मंदिर के बाहर दर्शन के लिए लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालु धैर्यपूर्वक अपनी बारी का इंतजार करते हुए

माता के दरबार में पहुंचे और श्रद्धापूर्वक मत्था टेककर मन्नतें मांगीं। मंदिर परिसर पूरे दिन धार्मिक भजनों, जयकारों और श्रद्धालुओं की आवाजाही से गुलजार रहा। मेले में महिलाओं, पुरुषों, बुजुर्गों और बच्चों की बड़ी संख्या ने भाग लिया।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर पुलिस एवं प्रशासन ने इस वर्ष विशेष इंतजाम किए थे। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भारी वाहनों को मेला स्थल से कई किलोमीटर पहले ही रोक दिया गया, जबकि दोपहिया वाहनों के प्रवेश पर भी लगभग एक किलोमीटर पहले प्रतिबंध लगाया गया। इससे पैदल आने वाले श्रद्धालुओं को सुगमता से आवागमन करने में सुविधा मिली और मेले में अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। प्रशासन की यह व्यवस्था काफी प्रभावी साबित हुई और पूरे आयोजन के दौरान कानून-व्यवस्था सामान्य बनी रही।

हालांकि मेले की भीड़ का फायदा उठाकर कुछ जेबकतरों ने भी वारदातों को अंजाम दिया। कई श्रद्धालुओं ने जेब कटने तथा नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी होने की शिकायत की। मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से पूरे समय ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से श्रद्धालुओं को जेबकतरों से सावधान रहने की लगातार अपील की जाती रही, लेकिन भीड़भाड़ का लाभ उठाकर कुछ शातिर चोर घटनाओं को अंजाम देने में सफल रहे। इसके बावजूद समग्र रूप से मेला शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

परंपरागत खेलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

आगरा, एजेंसी। विश्वविद्यालय के छलेसर परिसर स्थित शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग में 92वें दीक्षांत समारोह से पूर्व आयोजित दीक्षोत्सव की दो दिवसीय परंपरागत खेल प्रतियोगिताओं का शनिवार को समापन हुआ। विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को प्रतिभाग प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। बालिका वर्ग की खो–खो और रुमाल झपट्टा प्रतियोगिता में बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय विजेता रहा। कबड्डी, रस्साकशी, सतोलिया और स्टॉपू में शारीरिक शिक्षा विभाग, छलेसर परिसर ने बाजी मारी। गिल्ली–डंडा और लंगड़ी टांग में माता भगवती देवी महाविद्यालय, आंवलखेड़ा की टीम विजेता रही। पुरुष वर्ग में खो–खो का खिताब भगत सिंह दल ने जीता, जबकि रस्साकशी, रुमाल झपट्टा और कबड्डी में शारीरिक शिक्षा विभाग, छलेसर परिसर विजेता बना। गिल्ली–डंडा में आईएसएस. पालीवाल परिसर और सतोलिया में वीर सावरकर दल ने पहला स्थान हासिल किया। स्टॉपू प्रतियोगिता में छलेसर परिसर की टीम विजेता रही। इस दौरान डॉ. अखिलेश चंद्र सक्सेना, रवि शंकर वर्मा, प्रो. अनुपम सक्सेना, डॉ. विजय चौधरी, डॉ. उरदेव सिंह तोमर, डॉ. नरेंद्र पाल सिंह, डॉ. श्याम सुंदर और डॉ. सुनीता आदि मौजूद रहीं।

गोलू-कालू गिरोह में विवाद के बाद दूसरी जेल भेजे थे बंदी

मेरठ। इससे पहले गोलू और कालू गिरोह के बंदियों में भी विवाद का मामला सामने आया था। इस संबंध में जेलर का का कहना है कि दोनों गिरोह के बंदियों में कहासुनी हुई थी लेकिन विवाद नहीं हुआ। इनके साथियों ने सोशल मीडिया पर एक दूसरे के खिलाफ कमेंट और पोस्ट की थीं। इसके बाद दोनों गिरोह के चार बंदियों सिद्धार्थ, विनित गुर्जर, हर्ष और जुनैद को दूसरे जिलों की जेलों में स्थानांतरण कर दिया था।

चिकित्सक ने सप्लाई कंपनी पर पांच लाख रुपये का सामान हड़पने का आरोप

मेरठ, एजेंसी। मेडिकल अस्पताल निवासी डॉ. मनीष सिंह ने एक निजी सप्लाई कंपनी पर करीब 5 लाख रुपये का घरेलू सामान हड़पने का आरोप लगाया है। उन्होंने प्राथमिकी दर्ज कराई है। डॉ. सिंह ने 1 जुलाई को अपने गांव बलिया के लिए फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कपड़े कंपनी के माध्यम से भेजे थे। 17 दिन बाद भी सामान का कोई पता नहीं चला। कंपनी ने संपर्क करने पर बहाने बनाए और अभद्र व्यवहार किया। डॉ. मनीष सिंह ने कंपनी मालिक विनय कुमार से कई बार संपर्क किया, पर हर बार अलग बहाने मिले। उन्हें फोन पर धमकी भी दी गई। पुलिस को बुकिंग बिल, भुगतान रसीद और व्हाट्सएप चैट जैसे दस्तावेज उपलब्ध कराए गए हैं। पुलिस अधीक्षक विनायक गोपाल भोसल ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू हो गई है।

गोपनीयता भंग करने वाले युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मेरठ, एजेंसी। गोपनीयता भंग करने के मामले में एमडीए के लिपिक ने सिविल लाइन थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मेडा लिपिक प्रेम सिंह ने बताया कि वह राम मनोहर लोहिया योजना का कार्य देखते हैं। 15 जुलाई को उन्होंने इस योजना की तीन पत्रावलियां फोटोकॉपी कराने संपत्ति अनुभाग भेजी थीं। वहां लोहियानगर निवासी दयानंद इन पत्रावलियों को खोलकर पढ़ रहा था। इसी दौरान मेडा के उपाध्यक्ष ने औचक निरीक्षण किया। फाइल देखने पर उन्होंने इस पर आपत्ति जताई। प्रेम सिंह की तहरीर पर सिविल लाइन थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

बंदी पर हमले के दौरान लापरवाही बरतने पर जेल का सिपाही निलंबित

मेरठ, एजेंसी। जिला कारागार में विचाराधीन बंदी पर फावड़े से हमला कर घायल करने के मामले में जेल के सिपाही संतोष कुमार सिंह को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले में हमला करने वाले बंदी उमर पर की परिजनों से मुलाकात पर भी 15 दिन की पाबंदी लगाई गई है। हमले में गंभीर रूप से घायल हुए बंदी मोजा का अभी भी इलाज चल रहा है। तीन जुलाई को जिला कारागार में बंदी बागवानी का काम कर रहे थे। इसी दौरान दो बंदियों में आपस में पहले कहासुनी और फिर मारपीट हुई। इसी विवाद में मोजा पर फावड़े से हमला किया गया। मोजा को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। हालांकि इस संबंध में पुलिस को लिखित शिकायत नहीं दी थी। एसएसपी अविनाश पांडेय ने सीओ सिविल लाइन को मामले की जांच सौंपी थी। जेलर हरबंश पांडेय ने बताया कि इस मामले की जांच में पता चला कि मोजा ने किसी बात पर दूसरे बंदी को गाली दी थी। इस दौरान वहां ड्यूटी पर तैनात सिपाही संतोष कुमार सिंह ने उन्हें रोका नहीं है। इसके चलते लापरवाही मानते हुए वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने उसे निलंबित किया है। जेल में बंदियों को अनुशासन में रहने निर्देश दिए गए हैं। वहीं, जेल के सिपाहियों को भी सतर्कता से ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए हैं।

भक्तों ने खींचा जगत के नाथ का रथ

वाराणसी, एजेंसी। तीन दिवसीय रथयात्रा मेले के अंतिम दिन शनिवार को भी जबरदस्त भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ का अष्टकोणीय रथ खींचा और करीब 19 घंटे तक प्रभु के दर्शन किए। भगवान का रथ करीब 50 मीटर आगे बढ़कर रथयात्रा चौराहे तक पहुंचा। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और रुक-रुककर होती रिमझिम बारिश के बीच भक्तिभाव का माहौल बना रहा। मेले के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रभु के दर्शन के लिए पहुंचे और सफेद वस्त्रों से सजे भगवान जगन्नाथ के दिव्य स्वरूप के दर्शन किए।

शाम ढलते ही रथयात्रा क्षेत्र श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया। दर्शन का सिलसिला भोर तक चलता रहा। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने भी भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए। आषाढ़ शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर आयोजित रथयात्रा के लक्खा मेले की शुरुआत भगवान जगन्नाथ की मंगला आरती से हुई। सुबह स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ बाहर से आए भक्तों, हरे कृष्ण-हरे राम संकीर्तन सोसाइटी के अनुयायियों और संतों की भीड़ उमड़ी। सोसाइटी के अनुयायियों ने झाल-मंजीरे की धुन पर हरे कृष्ण महामंत्र का संकीर्तन और भगवान जगन्नाथ की स्तुति की।

करीब 12 बजे श्रद्धालुओं ने चेतमणि ज्वैलर्स के सामने से भगवान का रथ खींचकर लगभग 50 मीटर आगे रथयात्रा चौराहे तक पहुंचाया। इस दौरान अजय राय ने भी रथ खींचा। जगन्नाथ मंदिर के प्रधान पुजारी पं. राधेश्याम पांडेय ने भगवान को विविध पकवान और नैवेद्य अर्पित कर आरती की। दोपहर एक बजे मंदिरनुमा रथ का पट बंद कर दिया गया। दोपहर तीन से चार बजे के बीच भगवान का अंतिम बार सफेद फूलों से श्रृंगार कर आरती की गई। इसके बाद पट खुलते ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

शाम होते-होते रथयात्रा क्षेत्र से लगभग दो किलोमीटर तक मेले में भारी भीड़ रही। आसपास की सड़कें जाम की चपेट में रहीं। आठ स्थानों पर बनाई गई स्टील बैरिकेडिंग में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी थीं। श्रद्धालु हाथों में तुलसी की माला, नानखटाई और अन्य नैवेद्य लेकर भगवान का स्मरण करते हुए आगे बढ़ रहे थे। बीच-बीच में हर-हर महादेव, जय जगन्नाथ, जय श्रीकृष्ण और राधे-राधे के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालु भगवान के श्वेत स्वरूप का अपलक दर्शन कर रथ का स्पर्श करने को सौभाग्य मान रहे थे। शाम करीब आठ बजे संध्या आरती हुई। रात करीब तीन बजे शयन आरती होनी है। इसके बाद भोर में करीब चार बजे भगवान अस्सी स्थित जगन्नाथ मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे। मेले की सुरक्षा में पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे। एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर शिवहरि मीणा ने दर्शन करने के साथ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लिया।

प्रभु पुरी पीठ के रसगुल्ले और कटहल का भोग लगने के बाद करेंगे मंदिर में प्रवेश : पुरी शंकराचार्य पीठ की काशी शाखा पूर्वाम्नाय श्रीदक्षिणामूर्ति मठ के प्रभारी दंडी संन्यासी स्वामी वनवैभवारण्य सरस्वती संन्यासियों के साथ अंतिम दिन रात करीब तीन बजे रथयात्रा मेले में पहुंचेंगे। पुरी की परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का पूजन कर उन्हें खाजा, फल और पौष्टिक पेय (पोणा) का भोग लगाया जाएगा। इसके बाद भगवान के अस्सी स्थित मंदिर पहुंचने पर मठ की ओर से रसगुल्ला खिलाकर उनका मंदिर में प्रवेश कराया जाएगा।

मालपुआ, कटहल की सब्जी और दही का लगा भोग : रथयात्रा के पहले दो दिनों में भगवान को कोहड़ा, लौकी की सब्जी, पूड़ी, दही और अचार का भोग लगाया गया था। अंतिम दिन विशेष भोग में कटहल की सब्जी, पूड़ी, दही, मालपुआ, पंचमेल अचार, पांच प्रकार के फल, नानखटाई और पेड़ा अर्पित किया गया। सुबह चना, पेड़ा, गुड़, दही और देसी चीनी का शर्बत भी चढ़ाया गया।

बच्चों ने झूलों और व्यंजनों का उठाया आनंद : रथयात्रा मेले में बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने झूले, चरखी और खिलौनों का आनंद लिया। वहीं, बड़ों ने नानखटाई, चटपटे व्यंजन, श्रृंगार सामग्री और घरेलू सामान की खरीदारी की। भगवान के दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने देर रात तक मेले का आनंद उठाया।

कांवड़ियों की राह में रोड़े, टूटी सड़कों पर हिचकोले खाएंगे जायरीन

बरेली, एजेंसी। 30 जुलाई से शुरू हो रहे सावन में कांवड़ यात्रा और छह से आठ अगस्त तक आला हजरत उर्स जैसे दो बड़े धार्मिक आयोजन होने हैं। इस दौरान शहर की सड़कों से लाखों कांवड़ियों और जायरीन की आमद होगी, लेकिन तैयारियां सिफर हैं। शहर की सड़कें बदहाल हैं। जगह-जगह गहरे गड्ढे हैं। ऐसे में तैयारियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह स्थिति तब है जबकि जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को कांवड़ यात्रा और उर्स से जुड़ी सड़कों को दुरुस्त कराने, बिजली व्यवस्था सुधारने, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक इंतजाम समय रहते पूरे करने के निर्देश दिए हैं।

चौपुला चौराहा कांवड़ियों के जंक्शन की तरह है। यहां से अलखननाथ सहित विभिन्न नाथ मंदिरों की ओर जाने वाली सड़कें बदहाल हैं। जिन प्रमुख चौराहों और मार्गों से कांवड़ियों के जत्थे गुजरेंगे, वहां सड़कें टूटी हुई हैं। कई स्थानों पर बिजली के खंभे गलकर झुक गए हैं। कुछ इलाकों में बिजली के तार काफी नीचे तक लटक रहे हैं। यह स्थिति कांवड़ियों की सुरक्षा के मद्देनजर काफी गंभीर है।

बदायूं रोड भी खस्ताहाल है। कछला से जल लेकर बड़ी संख्या में कांवड़िये इसी मार्ग से शहर आते हैं, लेकिन सड़क उखड़ी होने के कारण उनको दिक्कत झेलनी होगी। सावन के दौरान प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु इस मार्ग से गुजरते हैं। बदायूं रोड से चौपुला होकर उर्स के दौरान तीन दिनों में लाखों जायरीन इस्लामियां मैदान तक पहुंचते हैं। ऐसे में यातायात का दबाव भी कई गुना बढ़ जाता है।

दोस्त के 70 फोन कॉल से परेशान मनोज ने मौत को गले लगाया

कानपुर, एजेंसी। उरई के गोपालगंज बंबी रोड पर एक 39 वर्षीय युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने युवक के दोस्त पर रुपये के लेनदेन को लेकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गोपालगंज बंबी रोड निवासी मनोज रायकवार बजरिया स्थित संजीत की कपड़े की दुकान पर काम करता था। परिजनों के अनुसार, मनोज का अपने दोस्त अंजनी गुप्ता से कुछ रुपये का लेनदेन था। इसी वजह से वह पिछले कुछ समय से तनाव में था। आरोप है कि शुक्रवार को अंजनी गुप्ता ने मनोज को करीब 70 बार फोन किया। अंजनी गुप्ता उस पर रुपये लौटाने का लगातार दबाव बना रहा था। इस मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर मनोज ने यह कदम उठाया। उसकी पत्नी सुनीता देवी ने उसे बेसुध देखा।

उन्होंने पुत्रों शिवा, कृष्णा, कनक और चाचा भरत कुमार की मदद से उसे तत्काल राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल की।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि अंजनी गुप्ता की प्रताड़ना के कारण ही मनोज ने आत्महत्या की है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार सिंह ने इस मामले पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी तक कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यातायात पुलिस का सघन अभियान, शराब पीकर वाहन चलाने वाले 26 चालकों पर कार्रवाई, चार वाहन सीज

बिजनौर (शिखर समाचार)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से यातायात पुलिस ने सोमवार को विशेष अभियान चलाया। अभियान के तहत शहर के प्रमुख चौराहों, व्यस्त मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर अवरोधक लगाकर वाहनों की सघन जांच की गई। अचानक हुई इस कार्रवाई से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने, संशोधित ध्वनि विस्तारक साइलेंसर लगाने, गलत पंजीकरण संख्या प्रदर्शित करने तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की। यातायात पुलिस के विशेष अभियान में शराब पीकर वाहन चलाने वाले 26 चालकों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की गई। इसके अलावा तेज आवाज और पटाखे जैसी ध्वनि उत्पन्न करने वाले संशोधित साइलेंसर लगे 25 वाहनों के चालान किए गए। पुलिस ने बताया कि ऐसे साइलेंसर ध्वनि प्रदूषण बढ़ाने के साथ ही आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनते हैं, इसलिए इनके विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जाएगा। जांच के दौरान पुलिस से पहचान छिपाने के उद्देश्य से गलत पंजीकरण संख्या प्रदर्शित करने वाले 19 वाहन भी पकड़े गए, जिन पर नियमानुसार जुमार्ना लगाया गया। वहीं सार्वजनिक शांति भंग करने और अनावश्यक तेज ध्वनि करने वाले 10 अन्य वाहनों के विरुद्ध भी चालानी कार्रवाई की गई। आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध न होने तथा गंभीर यातायात उल्लंघन पाए जाने पर चार वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया गया। आगामी श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को देखते हुए यातायात पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्थाओं को और मजबूत करना शुरू कर दिया है। सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम करने के लिए पुलिस टीम ने मार्गों पर लगे खंभों, पेड़ों के अलावा ट्रैक्टर-ट्रॉली, पिकअप और अन्य भारी वाहनों पर परावर्तक पट्टियां लगाईं, ताकि रात्रि के समय वाहन दूर से ही दिखाई दें और दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य से यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

नगर निगम बोर्ड के सामान्य अधिवेशन में हरिगढ़ व गोमाता पर हंगामा.. लगे टोंटी चोर, चंदा चोर के नारे

अलीगढ़, एजेंसी। एक वर्ष के अंतराल पर रविवार को हुए नगर निगम बोर्ड के सामान्य अधिवेशन में हरिगढ़ व गोमाता का मुद्दा हंगामे और नारेबाजी का कारण बन गया। एक तरफ सपा पार्षद ने गोमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने संबंधी प्रस्ताव शासन को भेजने की मांग रख दी। वहीं भाजपा पार्षद ने अलीगढ़ को हरिगढ़ करने की मांग दोहरा दी।

प्रश्नकाल में आए दोनों ही प्रस्तावों पर दोनों दलों के पार्षद आमने सामने आ गए। जबरदस्त हंगामा व नोकझोंक के बीच टोंटी चोर, चंदा चोर तक के नारे गूंज उठे। साथ में पोस्टर लहराए गए। इससे पूरा माहौल गर्मा गया।

अधिवेशन की शुरुआत पर प्रश्नकाल में लंच से पहले वार्ड 68 के सपा पार्षद अब्दुल मुत्तलिब ने अपने प्रश्न रखते हुए यह प्रस्ताव रखा कि नगर निगम बोर्ड सामूहिक रूप से यह प्रस्ताव पास करे कि गोमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाए। बोर्ड से पारित प्रस्ताव को शासन की मंजूरी के लिए भेजा जाए।

यह सुनते ही उनके पीछे की कतार में बैठे भाजपा के पार्षद सामूहिक रूप से भड़क गए और यह कहते हुए विरोध शुरू कर दिया कि जो लोग गोमाता की तस्करी करते हैं या जो मांस का सेवन करते हैं, उनके मुंह से ऐसी बातें मुनासिब नहीं लग रहीं। इसी बात पर वहां हंगामा और नारेबाजी शुरू हो गई। इस हंगामे से पांच मिनट तक सदन की कार्यवाही बाधित हुई।

लंच के बाद वार्ड 67 के भाजपा पार्षद संजय पंडित ने पहले से तय अपने प्रश्न रखने के बजाय सदन से सवाल पूछा कि उन्होंने पिछले सदन में अलीगढ़ को हरिगढ़ करने संबंधी प्रस्ताव रखा था, उस पर क्या हुआ। इस पर खुद मेयर प्रशांत सिंघल ने बताया कि प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। अब उसमें अपडेट लिया जाएगा कि क्या हुआ।

इसी बीच उनके आगे की कतार में बैठे सपा-बसपा के पार्षदों ने सेम-सेम कहते हुए विरोध शुरू किया तो पहले से तैयारी में आए भाजपा के पार्षदों ने पोस्टर लहराना शुरू कर दिया और वंदेमातरम, जय श्रीराम, योगी मोदी जिंदाबाद के नारे लगाते हुए आगे गैलरी में आ गए। इस पर विरोध कर रहे पार्षदों ने चंदा चोर व अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। जवाब में भाजपाई टोंटी चोर के नारे लगाने लगे। इस दौरान करीब दस मिनट तक सदन की कार्यवाही बाधित रही। सदन में प्रश्नकाल के अंतिम दौर में भाजपा के नामित पार्षद अजीत चौधरी ने अपनी बात कहते हुए तंज कसा कि गोमाता हमारी राष्ट्र माता है। यह मांग उठाने वाले पहले उसके मांस का सेवन करना बंद कर दें। इस पर कुछ देर के लिए माहौल गर्म हो गया।

सदन की पूरी कार्यवाही सकारात्मक रूप से हुई है। कुछ पार्षदों ने अपनी बात रखी है।

मूसाबाग में मेट्रो के सेकेंड फेज का निर्माण शुरू

लखनऊ, एजेंसी। चारबाग से बसंतकुंज तक प्रस्तावित लखनऊ मेट्रो के सेकेंड फेज का काम शनिवार से शुरू हो गया। मूसाबाग में एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने का टेंडर लेने वाली कंपनी ने मेट्रो निर्माण की पाइलिंग के लिए खुदाई आरंभ कर दी है। खुदाई के बाद कंपनी मिट्टी का परीक्षण कराएगी। रिपोर्ट के आधार पर महीनेभर के अंदर एलिवेटेड सेक्शन बनाने के लिए पाइलिंग शुरू कर दी जाएगी। यह काम दो साल में पूरा हो जाएगा।

मेट्रो के सेकेंड फेज के तहत चारबाग से बसंतकुंज तक बनानने वाले ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर की लंबाई 11.165 किमी है। इसके तहत सात भूमिगत और पांच एलिवेटेड स्टेशन बनाए जाएंगे। प्रोजेक्ट पर करीब 5801 करोड़ रुपये खर्च होंगे। ईस्ट-वेस्ट कारिडोर के लिए सभी महत्वपूर्ण टेंडर हो चुके हैं। पिछले दिनों ही पांच एलिवेटेड स्टेशनों के निर्माण का टेंडर फाइनल कर कंपनी का चयन हो गया है। भूमिगत मेट्रो स्टेशन के लिए भी अगस्त तक कंपनी का चयन होने की उम्मीद है।

बेटे ने दोस्त के साथ मिलकर की पिता की हत्या, दोनों गिरफ्तार

अलीगढ़, एजेंसी। थाना क्वार्सी क्षेत्र में पंजीपुर नाले के पास मिले एक शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा लिया है। दूसरे निकाह और संपत्ति विवाद में बेटे रिहान ने अपने दोस्त समीर के साथ मिलकर पिता बादशाह अली (40) की हत्या की थी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक 17 जुलाई की रात को थाना क्वार्सी क्षेत्र के गांव पंजीपुर में नाले के पास एक व्यक्ति का लहूलुहान शव मिला था। शव पर धारदार हथियार से वार के निशान थे। शनिवार को मृतक की पहचान बादशाह अली निवासी नगला सरूआ, थाना चंडौस, अलीगढ़ के रूप में हुई। मृतक के पिता यासीन खां ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा 17 जुलाई को दीवानी कचहरी में तारीख पर गया था, उसके बाद घर नहीं लौटा। पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की।

थाना क्वार्सी पुलिस ने जब घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो शक की सुई मृतक के परिवार पर ही घूमी। पुलिस ने घेराबंदी कर मृतक के बेटे रिहान और उसके दोस्त समीर निवासी जलालपुर, थाना रोरावर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में रिहान ने हत्या की बात स्वीकार ली। क्षेत्राधिकारी तृतीय सर्वम सिंह ने बताया कि बादशाह अली की हत्या उसके बेटे रिहान ने ही अपने दोस्त समीर के साथ मिलकर की थी। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मां को करता था प्रताड़ित, मुझे करना चाहता था बेघर : आरोपी रिहान ने बताया कि 20 वर्ष पूर्व उसके पिता बादशाह अली का निकाह उसकी मां नगीना के साथ हुआ था। कुछ समय बाद पिता ने उसकी मां के रहते हुए ही एक दूसरी महिला से निकाह कर लिया। इसके बाद से ही ली रिहान की मां को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा। मुझे भी बेघर करना चाह रहा था।

पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि प्रताड़ना और विवाद इस हद तक बढ़ गया था कि मां और पिता के बीच एक प्लॉट को लेकर दीवानी अदालत में मुकदमा चल रहा था। करीब छह महीने पहले तनाव के चलते मां नगीना की मौत हो गई। इससे रिहान के मन में पिता के प्रति नफरत और गहरी हो गई। मां की मौत के बाद बादशाह अली अपनी दूसरी पत्नी को महफूज नगर स्थित उस मकान में लाने की जिद करने लगा। इसमें रिहान और उसकी मां रहते थे। बादशाह अली वह मकान अपनी दूसरी पत्नी के नाम करने की धमकी दे रहा था। रिहान को लगा कि उसका पिता उसे बेघर कर देगा।

मेलरोज चौराहे पर रची साजिश, नगला किला के पास की हत्या : बादशाह अली गांव में ही बकरी पालन का काम करता था। मकान खोने के डर और मां की मौत के बदले की आग में जल रहे रिहान ने अपने दोस्त समीर के साथ मिलकर पिता को रास्ते से हटाने की साजिश रची। 17 जुलाई को जब बादशाह अली दीवानी से लौट रहा था, तब रिहान ने फोन कर उसे मेलरोज चौराहे पर बुलाया।

वहां रिहान और उसका दोस्त समीर एक बाइक पर बादशाह अली को साथ बैठाकर नगला किला के पास सुनसान इलाके में ले गए। वहां दोनों ने मिलकर धारदार हथियार से बादशाह अली पर ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। पहचान छिपाने और पुलिस को गुमराह करने के मकसद से उन्होंने शव को पंजीपुर नाले के पास फेंक दिया। बादशाह अली की गर्दन के साथ साथ पेट, चेहरे और हाथ-पैर पर भी चाकुओं के निशान पाए गए हैं।

पंजीपुर नाले पर मिले शव की शिनाख्त बादशाह अली के रूप में हुई। शनिवार को 24 घंटे के अंदर ही घटना का खुलासा कर दिया है। बादशाह अली की हत्या उसके बेटे रिहान ने ही अपने दोस्त समीर के साथ मिलकर की थी। उनके पास से घटना में प्रयुक्त सामग्री और अन्य साक्ष्य बरामद किए जा रहे हैं। आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

– **सर्वम सिंह,** क्षेत्राधिकारी तृतीय

संसद मार्च का असर: नोएडा-दिल्ली बॉर्डर सील जैसा माहौल, डीएनडी चिल्ला पर घंटों जाम में फंसे हजारों वाहन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। दिल्ली में जंतर-मंतर से संसद भवन तक प्रस्तावित मार्च के मद्देनजर सोमवार को नोएडा-दिल्ली सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई। सुरक्षा जांच के चलते डीएनडी फ्लाईवे, चिल्ला बॉर्डर और अन्य प्रमुख सीमाओं पर सील जैसे हालात बन गए। सुबह से ही वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं और हजारों लोग भीषण जाम में फंस गए। सबसे अधिक परेशानी ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों, छात्रों और रोजाना सफर करने वाले यात्रियों को उठानी पड़ी। दिल्ली पुलिस और नोएडा पुलिस ने किसी भी तरह की सुरक्षा चूक से बचने के लिए सीमा पर आने-जाने वाले हर संदिग्ध वाहन की गहन जांच शुरू कर दी। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों को रोक-रोककर तलाशी ली गई, जिसके कारण ट्रैफिक की रफ्तार पूरी तरह प्रभावित हो गई। डीएनडी फ्लाईवे और चिल्ला बॉर्डर पर वाहन काफी देर तक रेंगते हुए आगे बढ़ते रहे। सुबह के व्यस्त समय में जाम का सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ा जो समय पर अपने कार्यालय, संस्थानों और अन्य कार्यस्थलों पर पहुंचने के लिए निकले थे। कई यात्रियों को तय दूरी पूरी करने में सामान्य दिनों की तुलना में काफी

अधिक समय लगा। वाहन चालकों को लंबे इंतजार और धीमी गति के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि संसद मार्च को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। इसी कारण सीमा पर हर संदिग्ध वाहन की बारीकी से जांच की जा रही है। सुरक्षा के साथ-साथ ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि दिल्ली की ओर यात्रा करना जरूरी हो तो अतिरिक्त समय लेकर घर से निकलें। दक्षिण दिल्ली और फरीदाबाद जाने वाले वाहन चालक कालिंदी कुंज मार्ग का उपयोग कर सकते हैं, जबकि अन्य यात्रियों को भी वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा जांच फिलहाल लगातार जारी रहेगी और हालात के अनुसार ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है। ऐसे में नोएडा-दिल्ली सीमा से गुजरने वाले लोगों को अगले कुछ समय तक अतिरिक्त सतर्कता और धैर्य बरतने की आवश्यकता होगी।

विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों में जुटी बसपा, बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर जोर

शामली (शिखर समाचार)। बहुजन समाज पार्टी की जिला इकाई की समीक्षा बैठक सोमवार को शहर के दिल्ली रोड स्थित एक बारातघर में आयोजित की गई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों, संगठन विस्तार तथा बूथ स्तर पर पार्टी को अधिक प्रभावी बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यकताओं से मिशनरी भावना के साथ संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को गांव-गांव तथा घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य मंडल प्रभारी एवं उत्तराखंड के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नरेश गौतम तथा मुख्य मंडल प्रभारी सरफराज राईन उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मंडल प्रभारी प्रेमचंद गौतम और बाबू सत्यप्रकाश ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुनील कुमार जाटव ने की। नरेश गौतम ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति उसका अनुशासित और मजबूत संगठन है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को

देखते हुए प्रत्येक बूथ को सक्रिय और सशक्त बनाना समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ कार्य करते हुए पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्य मंडल प्रभारी सरफराज राईन ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी की सरकार ने अपने कार्यकाल में कानून-व्यवस्था, सामाजिक न्याय, विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए थे, जिन्हें प्रदेश की जनता आज भी याद करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि कार्यकर्ता पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करने में जुटे रहेंगे तो वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी। जिलाध्यक्ष सुनील कुमार जाटव ने कहा कि शामली जनपद में संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और समाज के विभिन्न वर्गों का विश्वास पार्टी के प्रति बढ़ रहा है। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, सदस्यता अभियान तथा बूथ समितियों को सक्रिय करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर हरपाल कश्यप, ताहिर राणा, अजय कुमार, राकेश पाल, राजेंद्र उपाध्याय, अनिल खेड़ी, मुकीम प्रधान, संजय प्रधान, दीपक, ऋषिपाल, संजय अंबेहटा, महिपाल जाटव, मनोज जाटव, देवकुमार, रवि यूनुसपुर, सोनू बूंटा, सतबीर, नीटू सहाय, श्रीपाल कश्यप, देवी सिंह, अनुज, राजकुमार डाबरा, हरिओम गौतम, प्रदीप कोरी, जनेश्वर प्रसाद सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोनम वांगचुक के समर्थन में राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन, पेपर लीक पर सख्त कानून बनाने की उठाई मांग

शामली (शिखर समाचार)। शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों ने सोमवार को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपकर शिक्षाविद सोनम वांगचुक के समर्थन में अपनी मांगें रखीं। समाजसेवी सोराम सिंह के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में जंतर-मंतर पर हुए घटनाक्रम की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने, पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कठोर कानून बनाने तथा युवाओं के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार को ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने चाहिए। ज्ञापन में कहा गया कि शिक्षाविद सोनम वांगचुक छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही पेपर लीक की घटनाओं के विरोध में नई दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण अनशन कर रहे थे। आरोप लगाया गया कि इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शन स्थल पर कार्रवाई करते हुए

प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया तथा सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया। ज्ञापन देने वालों ने इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों के विपरीत बताते हुए इसकी उच्चस्तरीय जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की। ज्ञापन में राष्ट्रपति से अनुरोध किया गया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा लिया जाए, जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं पर स्थायी रोक लगाने के लिए सख्त कानून बनाया जाए। इसके साथ ही युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने तथा शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से अपनी बात रखने के अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई गई। ज्ञापन में कहा गया कि देश का युवा वर्तमान समय में बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में युवाओं का विश्वास बनाए रखने और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सरकार को प्रभावी नीतियां लागू करनी चाहिए। इस अवसर पर परमवीर शास्त्री, पुनीत कुमार, सुभाष कुमार, सतबीर मूछ, सुरेन्द्र, जितेन्द्र, सुंदर सहित अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 20 क्षय रोगियों को वितरित किया गया पोषण आहार

हापुड़ (शिखर समाचार)। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सोमवार को पिलखुवा नगर पालिका परिषद सभागार में क्षय रोगियों के लिए पोषण आहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विभु बंसल ने 20 क्षय रोगियों को पोषण आहार किट वितरित कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। कार्यक्रम का उद्देश्य रोगियों को उपचार के साथ पौष्टिक आहार के महत्व से अवगत कराना तथा समाज में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विभु बंसल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार टीबी उन्मूलन के लिए लगातार प्रभावी प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि टीबी जैसी बीमारी से घबराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि समय पर जांच, नियमित दवा और पौष्टिक एवं प्रोटीन युक्त भोजन से इस बीमारी को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने समाज

के सक्षम लोगों से निक्षय मित्र बनकर टीबी रोगियों को पोषण सामग्री और सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराने की अपील करते हुए कहा कि जनभागीदारी से ही टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य शीघ्र प्राप्त किया जा सकेगा। जनपद स्तरीय जिला पीपीएम समन्वयक सुशील चौधरी ने उपस्थित लोगों को टीबी रोग के लक्षणों, बचाव और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी रहना, वजन कम होना, लगातार बुखार आना, रात में अत्यधिक पसीना आना तथा भूख कम लगना टीबी के प्रमुख लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करानी चाहिए। उन्होंने बताया कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में टीबी की जांच और उपचार पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. राजेश सिंह ने बताया कि भारत सरकार टीबी रोगियों को निशुल्क जांच और उपचार के साथ प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से उनके बैंक खातों में उपलब्ध कराती है, ताकि उपचार के दौरान उन्हें पौष्टिक आहार प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में सभासद पति सचिन पुंडीर, विजय कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, 153 किलो पनीर नष्ट, बिरयानी, पनीर और रिफाइंड तेल के नमूने लिए

हापुड़ (शिखर समाचार)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने सोमवार को गढ़मुक्तेश्वर तहसील क्षेत्र में खाद्य प्रतिष्ठानों पर औचक छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए। कार्रवाई के दौरान ग्राम राजपुर स्थित एक दुग्ध एवं पनीर भंडार से अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में रखा गया 153 किलोग्राम पनीर नष्ट कराया गया। साथ ही बिरयानी, पनीर और रिफाइंड तेल के कुल पांच नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश के निर्देश तथा जिलाधिकारी के आदेश पर सहायक आयुक्त (खाद्य) चन्द्र शेखर मिश्र के नेतृत्व में गठित सचल दल ने यह कार्रवाई की। दल में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सोवेन्द्र सिंह पंघाल, विपिन कुमार सिंह, आर.पी. गुप्ता,

सहरिश सादात तथा मोहित कुमार शामिल रहे।

कार्रवाई के दौरान ग्राम राजपुर स्थित शकील दुग्ध एवं पनीर भंडार पर छापा मारकर पनीर के दो तथा रिफाइंड तेल का एक नमूना संग्रहित किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में रखा गया 153 किलोग्राम पनीर, जिसकी अनुमानित कीमत 38,250 रुपये बताई गई, मौके पर ही नष्ट कराया गया। प्रतिष्ठान में पाई गई कमियों के संबंध में सुधार सूचना नोटिस भी जारी किया गया।

इसके बाद टीम ने ग्राम अठसैनी स्थित चुन्नु बिरयानी प्रतिष्ठान पर छापेमारी कर बिरयानी के दो नमूने लिए। निरीक्षण के दौरान मिली कमियों को लेकर संचालक को सुधार सूचना नोटिस जारी किया गया। विभाग ने बताया कि सभी नमूने परीक्षण के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि जनपद में मिलावटी एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सती की भूमि पर अवैध कब्जे और फर्जी बिक्री का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

शामली (शिखर समाचार)। कांधला क्षेत्र में स्थित सती की भूमि पर कथित अवैध कब्जा, जालसाजी के माध्यम से बिक्री और प्रशासनिक स्तर पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कांग्रेस महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष गीता काकरान ने केंद्रीय सतर्कता आयोग तथा जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा सरकारी अभिलेखों की भी जांच कराई जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि कांधला उत्तरी अंदर हदूद क्षेत्र में स्थित सती की भूमि कैराना-कांधला बाईपास बनने के बाद दो भागों में विभाजित हो गई थी। इनमें से लगभग 0.328 हेक्टेयर भूमि आबादी के बीच स्थित है। आरोप है कि कुछ लोगों ने कथित रूप से जालसाजी और धोखाधड़ी कर इस भूमि का अवैध रूप से अन्य व्यक्तियों के नाम विक्रय कर दिया, जबकि उन्हें ऐसा करने का कोई वैधानिक अधिकार प्राप्त नहीं था। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि संबंधित लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों से कथित मिलीभगत कर विकास प्राधिकरण से प्लॉटिंग की अनुमति भी प्राप्त कर ली, जिससे सरकारी भूमि और उससे जुड़े अधिकारों पर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। गीता काकरान ने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया कि इस मामले की शिकायत पूर्व में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से भी

की जा चुकी है। उनके अनुसार आयोग ने 27 फरवरी 2026 को तत्कालीन जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर तथा 20 अप्रैल 2026 को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक शामली को प्रकरण की जांच कर निर्धारित समयावधि में आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया कि मामले को उठाने और कार्रवाई की मांग करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। ज्ञापन के माध्यम से केंद्रीय सतर्कता आयोग और जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर भूमि को कब्जामुक्त कराने, दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करने तथा शिकायतकताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। इस अवसर पर जाहिद, अनस, जावेद, मीर हसन, रमीज, समद, दामिनी, कमलवीर, डॉ. दीपाली सिंह, सिकंदर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मूसलाधार बारिश से दो कच्चे मकान ढहे, परिवार बेघर, प्रशासन से राहत की गुहार

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। कस्बे में सोमवार को हुई तेज मूसलाधार बारिश ने एक गरीब परिवार पर भारी संकट खड़ा कर दिया। मोहल्ला इदरीश बैग स्थित बिहार कॉलोनी में लगातार वर्षा के कारण खलील के पुत्र छोटू और सद्दाम के कच्चे मकान अचानक भरभराकर गिर गए। मकान ढहने से घर में रखा घरेलू सामान मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और स्थानीय लोग तत्काल सहायता के लिए मौके पर पहुंच गए।

हादसे के समय घर में मौजूद 55 वर्षीय साईना, पत्नी स्वर्गीय खलील, मलबे की चपेट में आने से मामूली रूप से घायल हो गईं। आसपास के लोगों ने शोर सुनते ही मौके पर पहुंचकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों ने भी पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई और प्रशासन से शीघ्र राहत पहुंचाने की मांग की।

पीड़िता साईना ने बताया कि उनके पति का पहले ही निधन हो चुका है और वह अपने बच्चों के साथ ईंट-भट्ठे पर मजदूरी कर किसी तरह परिवार का भरण-पोषण करती हैं। लगातार हो रही बारिश से कच्चे मकानों की दीवारें कमजोर हो गई थीं, जिसके चलते दोनों मकान अचानक ढह गए। मकान गिरने से परिवार के सामने सिर

छिपाने का ठिकाना भी नहीं बचा है और खाने-पीने सहित दैनिक आवश्यकताओं का संकट उत्पन्न हो गया है। घर में रखा आवश्यक सामान, कपड़े, बिस्तर और अन्य घरेलू वस्तुएं भी मलबे में दबकर नष्ट हो गईं।

पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन से आर्थिक सहायता, राहत सामग्री और आवास की तत्काल व्यवस्था कराने की मांग की है। साईना ने सरकार से मुआवजा दिलाने की गुहार लगाते हुए कहा कि अब उनके पास रहने के लिए सुरक्षित आशियाना नहीं बचा है। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से मांग की है कि राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन करे और पात्रता के अनुसार पीड़ित परिवार को शीघ्र राहत उपलब्ध कराई जाए, ताकि विपरीत परिस्थितियों में उन्हें आवश्यक सहायता मिल सके।

गंगापुत्र प्रो. जी.डी. अग्रवाल की जयंती पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश, विचार गोष्ठी आयोजित

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। आर्य बाल विद्यालय जूनियर हाई स्कूल, कांधला में सोमवार को प्रसिद्ध पर्यावरणविद्, गंगापुत्र प्रो. जी.डी. अग्रवाल की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रो. जी.डी. अग्रवाल के जीवन, संघर्ष और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके अतुलनीय योगदान से अवगत कराया गया। गोष्ठी का संचालन प्रधानाचार्या रूपा रानी तथा शिक्षक डॉ. दीपक कुमार के नेतृत्व में हुआ। वक्ताओं ने कहा कि प्रो. जी.डी. अग्रवाल का संपूर्ण जीवन प्रकृति संरक्षण, जल संसाधनों की रक्षा और गंगा की अविरलता एवं निर्मलता के लिए समर्पित रहा, जिससे नई पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रधानाचार्या रूपा रानी ने अपने संबोधन में कहा कि कांधला की पावन भूमि पर जन्मे प्रो. जी.डी. अग्रवाल ने अपनी प्रतिभा, कर्मनिष्ठा और दृढ़ संकल्प के बल पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाई। उनका जन्म 20 जुलाई 1932 को कांधला में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय स्तर पर प्राप्त करने के बाद उन्होंने अभियंत्रिकी की उच्च शिक्षा हासिल की और देश के अनेक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में अपनी सेवाएं देकर शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि प्रो. अग्रवाल का जीवन समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। डॉ. दीपक कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रो. जी.डी. अग्रवाल पर्यावरण संरक्षण और गंगा स्वच्छता अभियान के प्रमुख प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने मां गंगा की रक्षा के लिए जीवनभर संघर्ष किया और नदी की अविरल धारा को बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न परियोजनाओं के विरोध में कई बार अनशन भी किया। 11 अक्टूबर 2018 को उनका निधन हो गया, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उनके योगदान के कारण वे आज भी जनमानस में "गंगापुत्र" के रूप में अमर हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से जल संरक्षण, वृक्षारोपण और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय का उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार डॉ. रोहित राणा को, दीक्षांत समारोह में होंगे सम्मानित

शामली (शिखर समाचार)। शहर के आरके स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. रोहित राणा का चयन मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर द्वारा वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार के लिए किया गया है। उन्हें यह सम्मान 21 जुलाई को विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रदान किया जाएगा। डॉ. रोहित राणा के चयन से महाविद्यालय परिवार, विद्यार्थियों तथा जनपद के शिक्षाविदों में हर्ष का वातावरण है। इसे महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षांत समारोह सहारनपुर स्थित सेठ गंगाप्रसाद सभागार,

गांधी पार्क में आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार के चयन के लिए गठित समिति ने विभिन्न आवेदनों का निर्धारित मानकों के आधार पर विस्तृत मूल्यांकन किया। चयन प्रक्रिया में प्रकाशित शोधपत्र, पुस्तक लेखन, शोध कार्य, पेटेंट, नवाचार, शिक्षण उत्कृष्टता, शैक्षणिक उपलब्धियां, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन, समाजोपयोगी गतिविधियों तथा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को प्रमुख आधार बनाया गया। समिति की संस्तुति पर विश्वविद्यालय कार्य परिषद की स्वीकृति के बाद डॉ. रोहित राणा का चयन इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए किया गया। डॉ. रोहित राणा ने अपने अध्यापन काल में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ-साथ अनुसंधान, नवाचार और विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई है। उनके अनेक शोधपत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके नवाचारी प्रयासों की व्यापक सराहना होती रही है। उनके चयन को उत्कृष्ट शिक्षण, अनुसंधान और समाज के प्रति समर्पित शैक्षणिक दृष्टिकोण का सम्मान माना जा रहा है। डॉ. रोहित राणा के चयन की सूचना मिलते ही आरके स्नातकोत्तर महाविद्यालय में खुशी का माहौल बन गया। महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए इस उपलब्धि को संस्थान के लिए गौरवपूर्ण बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लापता युवती की बरामदगी की मांग को लेकर आजाद समाज पार्टी का कोतवाली में हंगामा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर की एक कॉलोनी से लापता हुई 20 वर्षीय युवती की शीघ्र बरामदगी की मांग को लेकर सोमवार शाम आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने परिजनों के साथ मोदीनगर कोतवाली पहुंचकर प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने पुलिस पर मामले में अपेक्षित गंभीरता नहीं बरतने का आरोप लगाते हुए जोरदार हंगामा किया और युवती की जल्द से जल्द सकुशल बरामदगी की मांग उठाई। कुछ देर तक कोतवाली परिसर में तनावपूर्ण माहौल बना रहा, हालांकि पुलिस अधिकारियों ने समझाइश देकर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया। जानकारी के अनुसार नगर की एक कॉलोनी निवासी परिवार की 20 वर्षीय पुत्री 14 जुलाई को संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर 16 जुलाई को मोदीनगर कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोप है कि रिपोर्ट दर्ज होने के कई दिन बाद भी युवती का कोई पता नहीं चल सका, जिससे परिजनों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। सोमवार शाम परिजन आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं के साथ कोतवाली पहुंचे और पुलिस के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यदि पुलिस सक्रियता के साथ कार्रवाई करती तो अब तक युवती का सुराग मिल सकता था। उन्होंने मामले के शीघ्र खुलासे और युवती की सकुशल बरामदगी की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर उन्हें भरोसा दिलाया कि युवती की तलाश के लिए विभिन्न टीमों को लगाया गया है। संभावित स्थानों पर जांच की जा रही है तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर भी कार्रवाई जारी है। पुलिस ने आश्वासन दिया कि मामले में हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही युवती को सकुशल बरामद करने का प्रयास किया जाएगा। आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी शांत होकर वापस लौट गए।

होटल संचालक को बंधक बनाकर मारपीट का आरोप, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित एक होटल में होटल संचालक को कथित रूप से बंधक बनाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि मारपीट के दौरान आरोपित उससे नकदी और जेवरात भी छीनकर ले गए। घटना की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने फिलहाल नकदी और जेवरात लूटे जाने के आरोप की पुष्टि नहीं की है और कहा है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार निवाड़ी थाना क्षेत्र के सौदा गांव निवासी हर्ष त्यागी दिल्ली-मेरठ मार्ग पर एसआरएम शिक्षण संस्थान के समीप एक होटल का संचालन करते हैं। हर्ष का आरोप है कि रविवार देर रात गांव निवासी पुऊ त्यागी ने उन्हें फोन कर होटल पर बुलाया। वहां पहुंचने पर पुऊ त्यागी के साथ उसके अन्य साथी भी मौजूद थे। आरोप है कि सभी ने मिलकर उन्हें जबरन रोक लिया और बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट की। पीड़ित का कहना है कि मारपीट के दौरान आरोपितों ने उनसे नकदी और जेवरात भी छीन लिए तथा जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर आरोपितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पुऊ त्यागी, रोहित निवासी गांव सौदा तथा दो अन्य आरोपितों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित द्वारा लगाए गए सभी आरोपों की गंभीरता से जांच की जा रही है।

थाना पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मारपीट की घटना सामने आई है, जबकि नकदी और जेवरात छीनने के आरोप की अभी पुष्टि नहीं हुई है। अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल से जुड़े साक्ष्य, दोनों पक्षों के बयान तथा अन्य तथ्यों के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

संपादकीय

खार्ग आइलैंड पर बढ़ता टकराव: क्या दुनिया एक और बड़े युद्ध की दहलीज पर है

पश्चिम एशिया एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां एक छोटी सी सैन्य चूक पूरी दुनिया को बड़े संकट में धकेल सकती है। ईरान और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ता तनाव अब केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि सामरिक, आर्थिक और वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। ताजा घटनाक्रम में ईरान ने अमेरिका को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उसने फारस की खाड़ी में स्थित खार्ग आइलैंड पर कब्जे की कोशिश की, तो अमेरिकी सैनिक जीवित वापस नहीं लौट पाएंगे। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई का यह बयान केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि उस सैन्य तैयारी का संकेत भी है, जिसकी चर्चा पिछले कई दिनों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही है। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लगातार यह संकेत दे रहे हैं कि यदि ईरान अपने रवैये में बदलाव नहीं लाता, तो उसके सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा केंद्रों पर कार्रवाई की जा सकती है। यही कारण है कि पूरी दुनिया की निगाहें अब खार्ग आइलैंड पर टिक गई हैं। खार्ग आइलैंड कोई साधारण द्वीप नहीं है। फारस की खाड़ी में बुशहर प्रांत के तट से लगभग 55 किलोमीटर दूर स्थित यह द्वीप ईरान की अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माना जाता है। देश के अधिकांश कच्चे तेल का निर्यात यहीं से होता है। यदि यह द्वीप किसी सैन्य संघर्ष का केंद्र बनता है, तो उसका प्रभाव केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया के ऊर्जा बाजार पर पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, समुद्री व्यापार में बाधा और वैश्विक महंगाई का नया दौर शुरू हो सकता है। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए भी यह स्थिति बेहद चिंताजनक होगी।

पिछले कुछ सप्ताहों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ा है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमलों और जवाबी कार्रवाई के आरोप लगाए हैं। फारस की खाड़ी, होरमुज जलडमरूमध्य और आसपास के समुद्री क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां तेज हो गई हैं। अमेरिका ने क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी मजबूत की है, जबकि ईरान ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने सामरिक ठिकानों और ऊर्जा परिसंपत्तियों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा। इस माहौल में किसी भी प्रकार की गलतफहमी या सीमित सैन्य कार्रवाई भी व्यापक युद्ध का रूप ले सकती है।

दुनिया को यह समझना होगा कि आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते। आज किसी एक क्षेत्र में संघर्ष शुरू होने का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार, खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ता है। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसने दुनिया भर में महंगाई बढ़ाई और ऊर्जा संकट पैदा किया। यदि पश्चिम एशिया भी लंबे युद्ध में फंसता है, तो उसके परिणाम कहीं अधिक गंभीर हो सकते हैं, क्योंकि वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि दोनों पक्षों की भाषा लगातार अधिक आक्रामक होती जा रही है। जब राजनयिक संवाद की जगह सैन्य चेतावनियां लेने लगें, तब संघर्ष की आशंका स्वतः बढ़ जाती है। इतिहास बताता है कि कई बड़े युद्ध ऐसी ही परिस्थितियों से शुरू हुए, जहां नेताओं के बयान और सीमित सैन्य गतिविधियां धीरे-धीरे पूर्ण युद्ध में बदल गईं। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि संवाद के सभी रास्ते खुले रहें और अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस संकट को बढ़ने से पहले रोकने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाए। संयुक्त राष्ट्र, खाड़ी देशों, यूरोपीय संघ तथा अन्य प्रभावशाली देशों की जिम्मेदारी केवल चिंता व्यक्त करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्हें मध्यस्थता की ठोस पहल करनी होगी। यदि समय रहते दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली का प्रयास नहीं किया गया, तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ सकता है।

~ मौलिक चिंतन ~

जिसके पास खोने को कम होता है, उसके पास सच बोलने का साहस बड़ा होता है।

~~~~~~~~

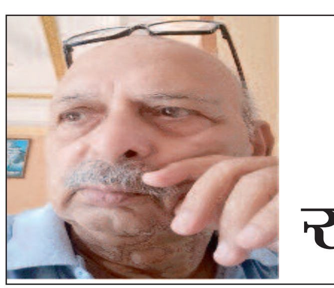

©
विनय संकोची

साइबर ठगी से बचाव की समझ ही सबसे बड़ी सुरक्षा

कांतिलाल मांडोत

मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के जाल से युवाओं को बचाने का समय

देश में तेजी से बढ़ रही साइबर ठगी और फर्जी निवेश योजनाएं आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। बेरोजगारी और जल्दी अमीर बनने की चाह का फायदा उठाकर ठग नए नए तरीके अपनाते हैं। हाल ही में वाराणसी में साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया जिसने मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के नाम पर एक हजार से अधिक युवाओं से करोड़ों रुपये की ठगी की। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत उन्नीस आरोपियों को गिरफ्तार किया और रोहनिया स्थित एक भवन से लगभग तीन सौ प्रशिक्षु युवक युवतियों को मुक्त कराया। जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड के बैंक खातों में केवल सात महीनों के भीतर चार करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। यह मामला बताता है कि साइबर ठगी अब केवल मोबाइल या इंटरनेट तक सीमित नहीं रही बल्कि संगठित नेटवर्क के रूप में युवाओं को अपना शिकार बना रही है।

ऐसी ठगी का सबसे बड़ा हथियार लोगों के सपने होते हैं। ठग पहले बेरोजगार युवाओं को नौकरी या व्यापार का आकर्षक प्रस्ताव देते हैं। उन्हें बताया जाता है कि बिना किसी अनुभव के लाखों रुपये कमाए जा सकते हैं। शुरूआत में छोटी राशि जमा कराई जाती है और फिर नए लोगों को जोड़ने का दबाव बनाया जाता है। इस पूरी व्यवस्था को मल्टी लेवल मार्केटिंग या पिरामिड स्कीम का नाम दिया जाता है जबकि वास्तव में इसका उद्देश्य केवल लोगों से पैसा इकट्ठा करना होता है। जब नए सदस्य मिलना बंद हो जाते हैं तब पूरी योजना ढह जाती है और सबसे अधिक नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ता है।

साइबर ठग हमेशा भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं। वे महंगे होटल में सेमिनार आयोजित करते हैं। बड़े कार्यालय दिखाते हैं। महंगी गाड़ियां और शानदार जीवनशैली का प्रदर्शन करते हैं ताकि लोगों को विश्वास हो जाए कि यह कारोबार पूरी तरह सफल और सुरक्षित है। कई बार सोशल मीडिया पर नकली सफलता की कहानियां भी दिखाई जाती हैं। युवाओं को यह विश्वास दिलाया जाता है कि यदि वे जल्दी निर्णय नहीं लेंगे तो जीवन का सबसे बड़ा अवसर खो देंगे। इसी जल्दबाजी में लोग अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं। ऐसी ठगी से बचने के लिए सबसे पहले किसी भी योजना की सच्चाई को परखना जरूरी है। यदि कोई संस्था कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का वादा कर रही है तो सतर्क हो जाना चाहिए। कोई भी वैध व्यापार बिना जोखिम के निश्चित और असाधारण लाभ की गारंटी नहीं देता। यदि किसी योजना में कमाई का मुख्य आधार नए सदस्य जोड़ना है और उत्पाद या सेवा केवल दिखावे के लिए है तो वह पिरामिड स्कीम हो सकती है।

किसी भी संस्था में पैसा लगाने से पहले उसका पंजीकरण और कानूनी स्थिति अवश्य जांचनी चाहिए। कंपनी का पूरा पता उसका लाइसेंस और सरकारी पंजीकरण देखना चाहिए। यदि संस्था इन जानकारियों को छिपाती है या स्पष्ट उत्तर नहीं देती तो उससे दूरी बनाना ही समझदारी है। केवल सोशल मीडिया वीडियो या किसी परिचित की बात पर भरोसा करके निवेश नहीं करना चाहिए।

बेरोजगार युवाओं को विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि ठग सबसे अधिक उन्हें ही निशाना बनाते हैं। नौकरी दिलाने के नाम पर पहले प्रशिक्षण शुल्क फिर सदस्यता शुल्क और बाद में निवेश के नाम पर लगातार पैसे मांगे जाते हैं। किसी भी नौकरी के लिए अत्यधिक पंजीकरण शुल्क या निवेश की मांग की जाए तो उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। वास्तविक कंपनियां प्रतिभा के आधार पर भर्ती करती हैं न कि भारी रकम जमा कराने के बाद।

डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी एटीएम कार्ड का विवरण ओटीपी पासवर्ड या पहचान संबंधी दस्तावेज साझा नहीं करने चाहिए। ठग कई बार फोन कॉल संदेश या फर्जी वेबसाइट के माध्यम से लोगों की निजी जानकारी हासिल कर लेते हैं और फिर बैंक खातों से पैसे निकाल लेते हैं। इसलिए किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचना चाहिए और केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करना चाहिए। यदि किसी योजना को लेकर मन में जरा भी संदेह हो तो परिवार के सदस्यों या किसी विश्वसनीय विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अक्सर भारी नुकसान का कारण बनता है। किसी भी निवेश से पहले उसके नियम शर्तें और जोखिम को अच्छी तरह समझना आवश्यक है। यदि सामने वाला व्यक्ति बार बार दबाव बनाकर तुरंत पैसा जमा कराने की बात कर रहा है तो यह खतरे का संकेत हो सकता है।

सरकार और पुलिस भी लगातार लोगों को जागरूक कर रही हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन और साइबर पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी हो जाए तो तुरंत बैंक को सूचना देनी चाहिए और बिना देर किए साइबर पुलिस से संपर्क करना चाहिए। शुरूआती समय में शिकायत दर्ज होने पर कई मामलों में धनराशि वापस मिलने की संभावना भी रहती है।

शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा की जानकारी दें। स्कूल कॉलेज और विश्वविद्यालयों में समय समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए ताकि विद्यार्थी वास्तविक और फर्जी योजनाओं के बीच अंतर समझ सकें। परिवारों को भी अपने बच्चों के साथ आर्थिक निर्णयों पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए ताकि वे किसी लालच या दबाव में गलत कदम न उठाएं। वाराणसी का मामला केवल एक गिरोह की गिरफ्तारी भर नहीं है बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह दिखाता है कि अपराधी आधुनिक तकनीक और मनोवैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके लोगों को आसानी से अपने जाल में फंसा सकते हैं। इसलिए केवल कानून के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक को स्वयं भी जागरूक और सतर्क रहना होगा।

ट्रंप की नीतियों ने विश्व में गिराई अमेरिका की साख

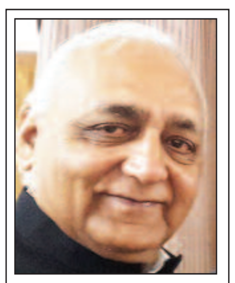

तनवीर जाफ़री

दरअसल 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ही अमेरिका को विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में वैश्विक मान्यता मिल चुकी थी। तब तक अमेरिका परमाणु बम सम्पन्न देश होने के अलावा संयुक्त राष्ट्र के गठन में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने लगा था। साथ ही अमेरिकी डॉलर ने भी अपनी वैश्विक भूमिका अदा करनी शुरू कर दी थी। हालांकि 1945 के बाद ही सोवियत संघ को भी विश्व की दूसरी महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा था परन्तु 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद तो अमेरिका अकेली वैश्विक महाशक्ति रह गया। उसी समय से ह्लविश्व की सबसे बड़ी महाशक्तिह्व के रूप में अमेरिका की स्वीकार्यता लगभग निर्विवाद हो गई थी। उसके बाद अमेरिका स्वयं को वैश्विक महाशक्ति के साथ साथ वैश्विक थानेदार के रूप में भी स्वयं को देखने लगा। और लगभग विश्व के सभी देशों के आंतरिक मामलों पर नजर रखने लगा। धीरे धीरे प्रत्येक दो पड़ोसी देशों के आपसी मतभेदों,तनाव अथवा सीमा विवाद का लाभ उठाकर अमेरिका ने दुनिया भर के तमाम देशों में अपने सैन्य अड्डे बनाने व अमेरिकी सैनिकों की तैनाती करनी शुरू कर दी। एक अनुमान के अनुसार इस समय विश्व भर में अमेरिका के लगभग 750 से अधिक सैन्य अड्डे मौजूद हैं। ये अड्डे लगभग 80 अलग अलग देशों में फैले हुए हैं। इनमें स्थायी बेस, एयरबेस, नौसैनिक अड्डे, लॉजिस्टिक सेंटर और छोटे ह्ललिली पैडह्व फारवर्ड ऑपरेटिंग लोकेशन आदि शामिल हैं। पेंटागन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2026 के आसपास करीब 1,08,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक लगभग 160 देशों में तैनात या अग्रिम रूप से मौजूद हैं। अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सैन्य अड्डों से कहीं अधिक देशों में फैली हुई है। जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया की गिनती उन देशों में हैं जहाँ अमेरिकी सैन्य अड्डों और अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सबसे अधिक है।

दूसरी तरफ 1970झ80 के दशक में चीन की ह्लभविष्य की महाशक्तिह्व के रूप में कल्पना की जाने लगी। और 1990झ2000 के दशकआते आते उसे एक ह्लउदयमान महाशक्तिह्व के रूप में देखा जाने लगा। और 2010 के बाद से तो चीन को व्यावहारिक रूप से अमेरिका के बराबर या उसके बाद आने वाली वास्तविक वैश्विक महाशक्ति के रूप में गिना जाने लगा। गोया चार दशकों पहले तक जो चीन, दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता था वही देश 1978 के बाद के सुधारों से तेजी से बढ़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और आज वैश्विक उत्पादन व सप्लाई चेन में उसकी केंद्रीय भूमिका है। बड़े पैमाने पर निर्माण, निर्यात-आधारित विकास, विदेशी निवेश के लिए खुले विशेष आर्थिक क्षेत्र, और कम लागत वाली श्रमशक्ति ने चीन को विश्व अर्थव्यवस्था की धुरी बना दिया। इसी अवधि में चीन ने अपनी सेना को आधुनिक बनाया, नौसेना, मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारी निवेश किया, जिससे उसे केवल विश्व की आर्थिक नहीं बल्कि सामरिक महाशक्ति के रूप में भी देखा जाने लगा। 5ऋ्र एआई, अंतरिक्ष प्रक्षेपण और हाई-टेक विनिर्माण में उसकी तेज प्रगति ने ह्लमेड इन चाइना 2025ह्व जैसी रणनीतियों के तहत तकनीकी महाशक्ति की छवि को भी विश्व स्तर पर मजबूत किया। बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से एशिया, अफ्रीका और यूरोप में आधारभूत संरचना पर निवेश व ऋण देकर चीन ने अपनी भू-राजनीतिक पकड़ और कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाया, जो महाशक्ति का एक प्रमुख गुण माना जाता है। साथ ही ताइवान, दक्षिण चीन सागर और सीमा विवादों पर उसकी मुखर नीति ने भी यह संदेश दिया कि वह क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति के स्तर पर खेलना चाहता है। परन्तु अमेरिका व चीन की वैश्विक नीतियों में यह बड़ा अंतर भी रहा कि चीन ने अमेरिका की तरह दूसरे देशों से थानेदार जैसा बर्ताव करने के बजाये क्षेत्रीय मामलों में गैर जरूरी दखलअंदाजी से परहेज किया। दूसरे देशों की प्राकृतिक सम्पदाओं पर गिद्ध दृष्टि नहीं रखी। दो देशों को,आपस में लड़ाकर अपने हथियार बेचना,किसी देश पर कब्जा कर लेना, धमकाना या किसी राष्ट्राध्यक्ष का अपहरण कर लेना जैसी छिछोरी नीति नहीं अपनाई।

चीन और शी जिननपिंग तथा अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की इन्हीं नीतियों का परिणाम पिछले दिनों अमेरिकी रिसर्च संस्था ढी६ शोध केंद्र के ताजातरीन वैश्विक सर्वे में परिलक्षित होकर सामने आया है। इस सर्वे में यह पाया गया कि अमेरिका के मुकाबले चीन की और ट्रंप के मुकाबले शी जिनपिंग की विश्व में लोकप्रियता व उनके प्रति विश्व में भरोसा बढ़ा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था द्वारा यह सर्वे पिछले दिनों 36 देशों में किया गया। सर्वे के निष्कर्षों के अनुसार 36 में से लगभग 25 देशों में लोगों ने चीन के प्रति अमेरिका की तुलना में अधिक सकारात्मक राय व्यक्त की। इसी सर्वे में विश्व मामलों को संभालने की क्षमता व विश्वसनीयता के मामले में शी जिनपिंग को डोनाल्ड ट्रंप से अधिक विश्वास मिला। इस सर्वे में पहली बार यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से नजर आई कि कई देशों में चीन की छवि अमेरिका से अधिक सकारात्मक हो गई है, जबकि पिछले दो दशकों में आमतौर पर अमेरिका की छवि चीन से बेहतर रहती थी। 27 देशों में लोगों ने चीन को अमेरिका से अधिक अनुकूल रूप में देखा। यानी चीन को बेहतर सहभागी, निवेशक और स्थिर शक्ति माना। कई देशों में लोगों ने अंतरराष्ट्रीय मामलों को संभालने की क्षमता के मामले में भी शी जिनपिंग पर डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में अधिक भरोसा जताया। आश्चर्य तो यह है कि जिन 36 में से लगभग 22 देशों में लोगों ने शी जिनपिंग को ट्रंप से बेहतर या अधिक पसंदीदा नेता माना इनमें कनाडा, मैक्सिको, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण पश्चिमी देश भी शामिल हैं। ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा कई देशों में बहुत कम रहा। एक पुराने वैश्विक सर्वे में भी 70% उत्तरदाताओं ने ट्रंप पर अंतरराष्ट्रीय मामलों में भरोसा नहीं जताया था जो कि उनके प्रति लंबे समय से चली आ रही शंकाओं को दिखाता है। कई विकासशील देशों को यह भी लगता है कि चीन उन्हें सड़कों, बंदरगाहों, उद्योग और डिजिटल आधारभूत संरचना में तत्काल मदद दे रहा है, जबकि अमेरिका की मदद प्रायः राजनीतिक शर्तों पर आधारित तथा सुरक्षा गठबंधनों से बंधी हुई होती है। चीन ने एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई हिस्सों में आधारभूत संरचना में निवेश, लोन, बेल्ट ऐंड रोड जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए ह्लविकास साझेदारह्व की छवि बनाई है, जिससे वहाँ के आम लोगों में चीन को अवसर देने वाली शक्ति के रूप में देखा गया। इसी सर्वेक्षण और इसके विश्लेषणों में खुलकर कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान कई फैसलों ने अमेरिकी छवि को काफी नुकसान पहुँचाया है। जैसे सहयोगी देशों के साथ तनावपूर्ण संबंध, विदेशी सहायता में कटौती, कठोर व्यापार विवाद और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दूरी,ट्रंप की बोल भाषा, मुस्लिम देशों, आप्रवासियों और सहयोगियों के प्रति उनके विवादित बयान, नाटो, यूरोपीय यूनियन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर बार बार हमले जैसे कारकों ने उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर भी व उनके साथ ही अमेरिका के प्रति भी दुनिया का भरोसा कम किया है। रही सही कसर ईरान-इस्राईल,मध्य पूर्व,वेनेजुएला व यूक्रेन आदि के प्रति ट्रंप की नीतियों ने पूरी कर दी। कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप की नीतियां ही विश्व में अमेरिका की साख गिरने की जिम्मेदार हैं।

विक्रम-1 की सफलता के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ा भारत का दबदबा

विनोद कुमार विक्की

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूवार्नुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है।

निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 की सफलता के पश्चात भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी क्षेत्र में आर्बिटल स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन चुका है।18 जुलाई को श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण के पांचवें चरण में 450 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी के निचली कक्षा में उपग्रह उपकरण को स्थापित कर विक्रम-1 ने विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सफलता के साथ भारत दुनिया में लघु उपग्रह के प्रक्षेपण को पूर्ण करने में नये विकल्प के रूप में उभरा है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूवार्नुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारत ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, स्वदेशी तकनीक और दूरदर्शी नीतियों के बल पर जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निरंतर सफलता अर्जित की है, वह न केवल प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 प्रक्षेपण यान की सफलता इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और आधुनिक तकनीक से निर्मित इस प्रक्षेपण यान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की निजी कंपनियाँ भी अब वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकसित करने में सक्षम हैं। विक्रम-1 ने पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक उपग्रह उपकरण स्थापित कर न केवल अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब लघु उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाजार में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर रहा है।

यह उपलब्धि केवल एक रॉकेट की सफलता भर नहीं है, बल्कि भारत की बदलती अंतरिक्ष नीति और वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। वर्षों तक अंतरिक्ष गतिविधियाँ मुख्यतः सरकारी संस्थानों तक सीमित थीं, किंतु अब निजी क्षेत्र के लिए दरवाजे खुलने के बाद भारतीय स्टार्टअप नई ऊर्जा और नवाचार के साथ इस क्षेत्र में उतर रहे हैं। इससे अनुसंधान, रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती निजी भागीदारी भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक सक्षम बना रही है।

वर्ष 2014 के आसपास जहाँ भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी निजी कंपनियाँ उँगलियों पर गिनी जा सकती थीं, वहीं आज उनकी संख्या सैकड़ों तक पहुँच चुकी है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि सोच का भी है। आज भारतीय युवा अंतरिक्ष विज्ञान को केवल सरकारी नौकरी के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के विशाल अवसर के रूप में देख रहे हैं। यही कारण है कि भारत वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है। आने वाले वर्षों में लघु उपग्रह प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष संचार, पृथ्वी अवलोकन सेवाओं तथा अंतरिक्ष-आधारित डिजिटल तकनीकों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने की संभावना है।

हालाँकि भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल निजी क्षेत्र की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्रफ्ड) ने पिछले छह दशकों में जो विश्वास अर्जित किया है, वही आज इस सफलता की सबसे मजबूत नींव है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने विश्व को बार-बार यह दिखाया है कि इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर तकनीक के बल पर असंभव लगने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

वर्ष 2013 में प्रक्षेपित मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) ने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह की कक्षा में पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। यह उपलब्धि वैज्ञानिक दृष्टि से जितनी महत्वपूर्ण थी, उतनी ही आर्थिक दृष्टि से भी, क्योंकि अत्यंत कम लागत में इस मिशन की सफलता ने भारत की दक्षता का विश्वभर में लोहा मनवाया। इसी प्रकार ढरछश्-उ37 द्वारा एक ही मिशन में 104 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण विश्व रिकॉर्ड बना। इस उपलब्धि ने भारतीय प्रक्षेपण प्रणाली की विश्वसनीयता और क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। इसके बाद चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत ऐसा करने वाला विश्व का पहला देश बना। इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा को विश्व के सामने स्थापित किया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि भारत जटिलतम अंतरिक्ष अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम है।

इसी क्रम में आदित्य-एल1 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान को नई दिशा प्रदान कर रहा है। सूर्य के अध्ययन के लिए समर्पित यह भारत का पहला मिशन है, जो सौर गतिविधियों, अंतरिक्ष मौसम और पृथ्वी पर उनके प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करा रहा है। भविष्य में गगनयान, शुक्रयान तथा अन्य महत्त्वाकांक्षी मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता को और अधिक विस्तार देंगे।

अंतरिक्ष विज्ञान की ये उपलब्धियाँ केवल वैज्ञानिक गौरव तक सीमित नहीं हैं। आज भारत के उपग्रह करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहे हैं। मौसम की सटीक जानकारी किसानों को खेती में सहायता देती है। चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी लाखों लोगों की जान बचाने में सहायक होती है। दूरदराज क्षेत्रों तक संचार और इंटरनेट सेवाएँ पहुँचाने, शिक्षा और टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में भी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

आर्थिक दृष्टि से भी अंतरिक्ष उद्योग भविष्य का सबसे तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर के इस बाजार में भारत की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। निजी कंपनियों, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और इसरो के बीच बढ़ता सहयोग भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बना सकता है। इससे निवेश, रोजगार, तकनीकी नवाचार और निर्यात के नए अवसर पैदा होंगे तथा भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

आज भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को वास्तविक स्वरूप प्रदान कर रहा है। स्वदेशी तकनीक, युवा वैज्ञानिकों की प्रतिभा, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी और इसरो का दशकों का अनुभव–ये सभी मिलकर भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के एक नए स्वर्णिम युग की ओर ले जा रहे हैं। विक्रम-1 की सफलता इस परिवर्तन की सशक्त घोषणा है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष अभियानों में भाग लेने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग की दिशा निर्धारित करने वाले देशों की पंक्ति में खड़ा है।

निस्संदेह, अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की निरंतर सफलताएँ यह संदेश देती हैं कि विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता के पंखों पर सवार यह राष्ट्र आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में विश्व मंच पर और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाएगा। विक्रम-1 की सफलता केवल एक प्रक्षेपण की विजय नहीं, बल्कि नए भारत की वैज्ञानिक चेतना, तकनीकी आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व की उड़ान का प्रतीक है। यही उड़ान आने वाले समय में भारत को अंतरिक्ष के अनंत आकाश में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगी। (लेखक स्वतंत्र व्यंग्यकार-सह-टिप्पणीकार हैं)

~~~~~~~~

बदलते मौसम में बच्चे होने लगे हैं बीमार तो ट्राई करें ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

भारत के कई राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है। मानसूम शुरू होने के साथ ही सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी और ठंड लगने जैसी मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं इस मौसम से बच्चे और बुजुर्ग थोड़ा जल्दी प्रभावित होते हैं। इसलिए इस मौसम में बच्चों और बुजुर्ग को स्वस्थ रखना कई बार एक बड़ी चुनौती बन जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

हल्दी वाला दूध

एक्सपर्ट के मुताबिक सर्दी-जुकाम या बुखार से राहत पाने के लिए बच्चों को हल्दी वाला दूध का सेवन बड़ा असरदार माना जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जोकि इंफेक्शन से लड़ने और गले की खराश में राहत देने का काम करते हैं। इसलिए सोने से पहले गुनगुने दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर बच्चे को पिला दें।

गुनगुना पानी

सर्दी-जुकाम या बुखार होने पर बच्चों को ठंडी चीजें नहीं देनी चाहिए। बल्कि बच्चे को पीने के लिए गुनगुना या हल्का गर्म पानी देना चाहिए। इससे गले की खराश और सूजन की समस्या कम हो सकती है।

अदरक, तुलसी और शहद का काढ़ा

गले की खराश, खांसी या बुखार आदि में आप बच्चे को तुलसी के पत्ते, अदरक, काली मिर्च और शहद का काढ़ा बनाकर दे सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। हालांकि एक साल से छोटे बच्चे को यह काढ़ा नहीं देना चाहिए।

तुलसी और अदरक का रस

तुलसी के पत्तों और अदरक का रस और थोड़े से शहद में मिलाकर देने से सर्दी-जुकाम और बुखार से राहत मिल सकती है।

तरल पदार्थ

अगर बच्चे को बुखार हो गया है, तो उसको पानी पिलाएं, नारियल पानी, सूप या ताजे फलों का रस भी दे सकते हैं। इससे शरीर में पानी की कमी भी पूरी होगी और एनर्जी भी बनी रहेगी।

बारिश के पानी से भी करें बच्चे का बचाव

बच्चे को बारिश में भीगने या गंदे पानी में खेलने से रोकें।

अगर बच्चा गीला हो गया है तो तुरंत उसके कपड़े बदल दें।

बच्चों की साफ-सफाई का खास ख्याल रखें।

पौष्टिक आहार दें, जिससे बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत हो।

नींद पूरी करने और आराम करने के लिए पर्याप्त समय दें।

समय-समय पर टीकाकरण जरूर कराएं।

एल्युमीनियम के बर्तन में भूलकर भी नहीं गर्म करनी चाहिए ये चीजें, स्वास्थ्य को हो सकता है नुकसान

हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है।

हम सभी के घरों में स्टील, लोहे और एल्युमीनियम के बर्तन मिल जाते हैं। हर बर्तन की अपनी अलग खासियत होती है। वहीं हर मेटल में बने खाने का स्वाद अलग-अलग होता है। जहां पर कुछ बर्तन बल्कि होते हैं, तो कुछ बर्तन भारी होते हैं। हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है। कई महिलाएं एल्युमीनियम के बर्तन में चटनी बनाने से लेकर दूध तक गर्म करती हैं। जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि एल्युमीनियम के बर्तनों में कौन-सी चीजें गर्म नहीं करनी चाहिए और क्यों।

दूध न गर्म करें

दरअसल, एल्युमीनियम के बर्तन हल्के और जल्दी गर्म हो जाते हैं। हालांकि कई लोग दूध उबालने के लिए इन बर्तनों का उपयोग करते हैं। लेकिन इन बर्तनों में दूध नहीं गर्म करना चाहिए। क्योंकि दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जोकि एल्युमीनियम के साथ रिएक्ट कर सकता है। जिससे दूध का स्वाद बिगड़ सकता है और दूध से मेटल की गंध भी आ सकती है। वहीं इस बर्तन में दूध उबालने से बर्तन की सतह पर दाग पड़ सकते हैं या फिर यह धीरे-धीरे घिस सकता है।

क्या करें

आप स्टेनलेस स्टील या बोरोसिलिकेट ग्लास के बर्तन में दूध गर्म कर सकते हैं।

इसके अलावा आप इंडक्शन या इलेक्ट्रिकल केटल का इस्तेमाल करते हैं, तो इसमें भी सेफ कोटिंग या स्टील वाले बर्तन का इस्तेमाल करना चाहिए।

नमक या नमक वाला पानी

नमक सोडियम क्लोराइड मौजूद होता है। जोकि एल्युमीनियम के साथ मिलकर एक रासायनिक प्रक्रिया शुरू करता है। इससे धीरे-धीरे बर्तन की सतह खराब हो सकती है।

अगर आप नमकीन खाना एल्युमीनियम बर्तन में पकाते हैं, तो इसको धोने में देर नहीं करनी चाहिए। क्योंकि धोने में देर करने से बर्तन की सतह पर काले या सफेद धब्बे आ सकते हैं। इससे एल्युमीनियम के पार्टिकल्स भी आपके खाने में मिल सकते हैं, जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

क्या करें

खाने या नमक वाले पानी के लिए स्टेनलेस स्टील, नॉन स्टिक या कास्ट आयरन बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए।

अगर आपने एल्युमीनियम बर्तन में नमक वाला कुछ पकाया है, तो उसको फौरन धोकर सुखा लेना चाहिए।

एल्युमीनियम बर्तनों को सूखा और साफ रखना चाहिए। जिससे कि जंग लगने की संभावना न हो।

रेडीमेड सॉस या पैकेज्ड फूड

कई बार हम जल्दी खाना बनाने के लिए फ्रोजन फूड को पका लेते हैं या फिर किसी तरह के सॉस को एल्युमीनियम में गर्म करते हैं। इन खाद्य पदार्थों में एसिडिटी रेगुलेटर, प्रिजरवेटिव्स और अन्य केमिकल्स होते हैं। जोकि गर्म एल्युमीनियम से प्रतिक्रिया कर सकते हैं। इससे खाने का स्वाद बिगड़ सकता है। इस तरह का खाना बार-बार एल्युमीनियम में गर्म करने से बॉडी में एल्युमिनियम पार्टिकल्स प्रवेश करते हैं। जोकि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्या करें

बता दें कि पैकेज्ड फूड या सॉस को गर्म करने के लिए सेरामिक, ग्लास या स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल करें।

वहीं माइक्रोवेव में गर्म कर रहे हैं, तो बीपीए मुक्त माइक्रोवेव सेफ कंटेनर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

एल्युमीनियम फॉयल में लपेटे हुए खाने को ओवन या माइक्रोवेव में गर्म करने से पहले हटा लें।

सजावट भी और शुभता भी-इन तरीकों से सजाएं तुलसी, घर का पूरा वातावरण हो जाएगा शुद्ध

तुलसी का पौधा घर में शुद्ध वातावरण, सकारात्मक ऊर्जा और सौंदर्य तीनों लाता है। इसे सजाने का मतलब सिर्फ सुंदरता नहीं, बल्कि श्रद्धा और शुभता से घर को भरना है। वास्तु शास्त्र और आयुर्वेद दोनों में तुलसी को विशेष स्थान दिया गया है। आइए जानें तुलसी के पौधे को सजाने के सुंदर और शुभ तरीके।

तुलसी वृंदावन बनाएं - मिट्टी, पत्थर या संगमरमर से बना पारंपरिक वृंदावन घर के आंगन या बालकनी में रखें। इसके चारों कोनों पर छोटे दीपक या कांच की लाइट लगाकर इसे और सुंदर बना सकते हैं। वृंदावन के आस-पास रंगोली, सफेद रंग से अल्पना या कोलम बनाना शुभ माना जाता है।

तुलसी के पास छोटे पौधे और फूल सजाएं - तुलसी के चारों ओर अपराजिता, मनी प्लांट, एलोवेरा या चमेली जैसे छोटे पौधे लगाएं। इससे तुलसी का स्थान और भी हराभरा और शांतिपूर्ण लगेगा।

दीपक और घंटी लगाएं - तुलसी के पास रोज सुबह और शाम दीपक जलाएं। एक छोटी पीतल या कांसे की घंटी भी टांग सकते हैं जिसे पूजा करते समय बजाया जाए।

गमले को सजाएं - अगर तुलसी को गमले में लगा रहे हैं, तो उस गमले को रंगीन पेंटिंग, वॉरली आर्ट या मंत्रों से सजाएं। इसमें ॐ? नमो भगवते वासुदेवायॐ या ॐहरि ?ॐ जैसे मंत्र लिखे जा सकते हैं।

तुलसी की माला -तुलसी के पौधे के चारों ओर लकड़ी की माला, रिबन या फूलों की माला लगाकर सजाएं। त्योहारों पर बंदनवार या तोरण से तुलसी का स्थान सजाएं।

हैंगिंग तुलसी प्लांटर - यदि घर में जगह कम है, तो तुलसी को हैंगिंग पॉट्स में बालकनी या रसोई की खिड़की में रखें।

इन बातों का रखें ख्याल -

तुलसी को सूखने न दें, रोज़ पानी दें।

-उसके पास कभी जूते-चप्पल न रखें।

-तुलसी के पत्ते बिना हाथ धोए और बिना मंत्र बोले न तोड़ें।

कम बजट में किचन को दोबारा डेकोरेट करने के लिए फॉलो करें ये शानदार टिप्स, हर कोई करेगा तारीफ

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

किसी भी चीज को लंबे समय तक एक जैसा देखने या फिर इस्तेमाल करने से मन भर जाता है। इसलिए समय के साथ चीजों को अपडेट करना जरूरी होता है। फिर चाहे वह आउटफिट हो, कमरा हो या फिर किचन हो। अगर आप एक हाउसवाइफ हैं, तो आप रसोईघर का काम भी करती होंगी। लेकिन जिस किचन को आप सालों से यूज कर रही हैं, उसको देखकर अब आप भी बोर हो गई होंगी। अगर आपको भी लगता है कि आपके किचन को एक न्यू लुक की जरूरत है, तो आप आसानी से और कम पैसे में इसको न्यू लुक दे सकती हैं।

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

प्लांट्स लगाएं

अगर आपने किचन को बेहद खूबसूरत और शुद्ध बनाना चाहती हैं, तो किचन में प्लांट्स जरूर लगवाना चाहिए। प्लांट्स लगाने से किचन न सिर्फ अच्छा लगेगा और फ्रेश फील भी देने का काम करेगा। आप प्लाट्ंस को इनडोर में लगाने के साथ किचन की खिड़की पर रखने साथ हैंग भी कर सकती हैं। प्लांट्स लगाने से किचन में पॉजिटिव बदलाव नजर आएगा। वहीं हरियाली के बीच खाना बनाते हुए भी अच्छा लगेगा।

वॉलपेपर लगवाएं

किचन में खाना बनाने के दौरान निकलने वाला धुआं और मसाले आदि की छींटे के निशान टाइल्स पर लग जाते हैं और चिकनाई भी जम जाती है। आप इनकी कितनी ही सफाई कर लें, लेकिन कई बार यह निशान हटने का नाम नहीं लेते हैं। आजकम मार्केट आयल फ्री वॉलपेपर खूब मिलते हैं। ऐसे में आप इन वॉलपेपर को मगंवाकर खुद किचन में चिपका सकती हैं। इन वॉलपेपर पर दाग और चिकनाई के निशान भी नहीं लगते और यह जल्दी साफ भी हो जाते हैं। वहीं अगर यह ज्यादा गंदे हो जाते हैं, तो आप इनको बदलकर नए लगवा सकती हैं।

हैंगिंग लाइट्स

वहीं मार्केट और ऑनलाइन दोनों ही जगह पर यूनिक हैंगिंग लाइट्स भी मिल जाएंगी। ऐसे में आप भी इनसे अपने किचन को डेकोरेट कर सकती हैं। आप किचन के सेंटर में एक लाइन में छोटी-बड़ी के हिसाब से हैंगिंग लाइट्स लगा सकती हैं। डिम लाइट्स जलते ही आपके किचन की रौनक बढ़ जाएगी।

किचन ऑर्गनाइजर

ऑनलाइन में बहुत कम पैसे में सामान रखने के लिए ऑर्गेनाइजर मिल जाएगा। आप इनको किचन में लगवाकर बिखरे रखने वाले डिब्बे-डिब्बियों को एक जगह लाइन से ऑर्गेनाइज कर सकती हैं। इससे आपकी रसोई में स्पेस भी ज्यादा लगेगा और सामान भी बिखरा हुआ नहीं रहेगा। आपको किचन ऑर्गेनाइजर में कई डिजाइन और साइज मिल जाएंगे। जिनको आप किचन के साइज के हिसाब से ले सकती हैं।

कलरफुल एक्सेसरीज

आप मार्केट में मिलने वाली कलरफुल एक्सेसरीज लेकर किचन की वॉल और कैबिनेट पर हैंग कर सकती हैं। इससे किचन साफ-सुथरा और सुंदर दिखने लगेगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 442.93, निफ्टी 95.80 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों में मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के कारण पश्चिम एशिया में संकट गहराने से भी बाजार नीचे आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 442.93 अंक फिसलकर 77,708.52 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 95.80 अंक टूटकर 24,238.50 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 11 शेयर गिरे। इस दौरान बैंकिंग शेयर सबसे अधिक टूटे। एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा नीचे आये। वहीं दिग्गज कंपनी मारुति, कोटक बैंक, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयर भी गिरे। वहीं दूसरी ओर ट्रेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.02 फीसदी तेजी आई। इसके अलावा पावरग्रिड, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में बढ़त रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 532 अंक से अधिक टूटकर 77,619 के स्तर पर आ गया, वहीं निफ्टी 142 अंकों की गिरावट के साथ 24,191 पर कारोबार कर रहा था। बाजार में यह गिरावट वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आई है, जहां निवेशकों ने सुरक्षित निवेश की ओर रुख किया। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स भी मामूली गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे, जो बाजार में समग्र दबाव को दर्शाता है। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो, निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई, जिससे वित्तीय सेवाओं और बैंकिंग क्षेत्र पर व्यापक दबाव बना।

पश्चिम एशिया तनाव से ब्रेंट क्रुड 90 डॉलर के पार

अमेरिका-ईरान संघर्ष ने बढ़ाई तेल आपूर्ति चिंताएं

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें उछल गईं। ब्रेंट क्रूड 90.15 डॉलर प्रति बैरल, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 83.52 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कारोबार करता दिखा। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष ने तेल आपूर्ति में बाधा की आशंका पैदा की है, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति और आर्थिक नीतियों पर गंभीर असर पड़ने की चिंताएं गहरा गई हैं। कच्चे तेल में यह करीब 2.3 फीसदी (ब्रेंट) और 2.1 फीसदी (डब्लयूटीआई) की तेजी पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान तेज करने के कारण आई है। बाजार को डर है कि अगर तनाव और बढ़ा तो वैश्विक तेल सप्लाई प्रभावित होगी, जिससे कीमतें और ऊपर जा सकती हैं। तेल की कीमतें बढ़ने से परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ती है, जिसका सीधा असर रोजमर्रा की वस्तुओं पर पड़ता है, जिससे दुनिया भर में महंगाई बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप, अमेरिकी फेडरल रिजर्व जैसे केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती टाल सकते हैं। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए, ऊंची कीमतें आयात बिल बढ़ाएंगी, रुपये पर दबाव डालेंगी और घरेलू पेट्रोल-डीजल समेत अन्य वस्तुओं की महंगाई बढ़ाएंगी।

भारत-स्पेन में डिजिटल भुगतान एकीकरण पर तेजी

निवेश व पेशेवरों की आवाजाही बढ़ाने पर भी जोर

नई दिल्ली ।

भारत और स्पेन ने अपनी डिजिटल भुगतान प्रणालियों, भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और स्पेन के डिजिटल भुगतान मंच 'बिजुम' को एकीकृत करने की दिशा में बातचीत तेज करने पर सहमति व्यक्त की है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह महत्वपूर्ण निर्णय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हालिया स्पेन यात्रा के दौरान हुई उच्च-स्तरीय बैठकों में लिया गया। मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने भारत के यूपीआई और स्पेन के बिजुम डिजिटल भुगतान मंचों को जोड़ने के लिए तकनीकी स्तर पर आगे बातचीत बढ़ाने पर सहमति जताई है। इसके अतिरिक्त दोनों देशों ने आपसी निवेश को आसान बनाने, पेशेवरों की आवाजाही में सुधार लाने और लैटिन अमेरिका में संयुक्त निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी व्यापक चर्चा की। इस दौरान यूरोप और लैटिन अमेरिका के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में स्पेन की रणनीतिक स्थिति का अधिकतम लाभ उठाने पर विशेष जोर दिया गया। अपनी ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान मंत्री गोयल ने भारतीय जहाज पुनर्चक्रण केंद्रों को सूचीबद्ध करने का मुद्दा भी उठाया। साथ ही, उन्होंने कौशल, शिक्षा और प्रतिभाशाली पेशेवरों की आवाजाही को लेकर भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच एक विशेष संवाद शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट आईपीओ लिस्टिंग को तैयार

निवेशकों को 18 फीसदी तक बंपर मुनाफे की उम्मीद, 21 जुलाई को होगी शेयरों की लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के बहुप्रतीक्षित आईपीओ का अलॉटमेंट पूरा हो चुका है, और अब सभी की नजरें 21 जुलाई को होने वाली इसकी लिस्टिंग पर टिकी हैं। लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर जोरदार तेजी दिखा रहे हैं, जिससे निवेशकों को मजबूत लिस्टिंग गेन मिलने की उम्मीद है। 0 जुलाई को आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) 103 रुपये रहा, जिसके आधार पर शेयर 574 रुपये के इश्यू प्राइस से करीब 18 फीसदी ऊपर 677 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। इससे एक लॉट पाने वाले निवेशकों को लगभग 2,678 रुपये का लिस्टिंग गेन मिलने का अनुमान है। इस आईपीओ को निवेशकों का शानदार समर्थन मिला था और यह कुल 41.73 गुना सब्सक्राइब हुआ। मजबूत सब्सक्रिप्शन ने लिस्टिंग को लेकर बाजार में सकारात्मक उम्मीदें बढ़ा दी हैं। करीब 11,693 करोड़ रुपये का यह इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल था, जिसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने 6.3 फीसदी और एमंडी इं डिया हो ल्डिंग ने 3.7 फीसदी हिस्सेदारी बेची। भारत की सबसे बड़ी म्यूचुअल फंड कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, जिसका एसेट अंडर मैनेजमेंट लगभग 16.32 लाख करोड़ रुपये है, को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। जिन निवेशकों ने आवेदन किया था, वे एनएसई की वेबसाइट पर पेन नंबर या आवेदन संख्या दर्ज करके अपना अलॉटमेंट स्टेटस चेक कर सकते हैं।

डेंगू से मिलेगी राहत, भारत को मिला पहला टीका क्यूडेंगा

नई दिल्ली।

देश में डेंगू की रोकथाम को बड़ी मजबूती मिली है। टाकेडा बायोफार्मास्यूटिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) से डेंगू के टीके 'क्यूडेंगा' के विपणन की मंजूरी मिल गई है। यह भारत में स्वीकृत होने वाला पहला डेंगू-रोधी टीका है। जापान की प्रमुख जैव-औषधि कंपनी टाकेडा की भारतीय इकाई को यह ऐतिहासिक मंजूरी मिली है।

यह टीका 4 से 60 वर्ष आयु वर्ग के लोगों में डेंगू के संक्रमण को रोकने के लिए उपयोग किया जाएगा। इसकी एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसे उन लोगों को भी लगाया जा सकता है जिन्हें पहले कभी डेंगू हुआ हो या न हुआ हो, और टीकाकरण से पहले किसी जांच की आवश्यकता नहीं होगी। टाकेडा के अंतरमहाद्वीपीय बाजार के एक अे धिकारी ने इस मंजूरी को भारत में डेंगू की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने जानकारी दी कि 2022 में बाजार में आने के बाद से क्यूडेंगा को विश्व भर में 43 देशों में स्वीकृति मिल चुकी है और दुनिया भर में इसकी 3.2 करोड़ से अधिक खुराकें वितरित की जा चुकी हैं।

यह भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक सकारात्मक विकास है।

वीआई को कर्ज पर बैंकों की शर्त, प्रमोटर दें गारंटी

मुंबई । वोडाफोन आइडिया (वीआई) को 35,000 करोड़ रुपये के नए कर्ज की अंतिम मंजूरी मिलने में बाधा आ रही है। सूत्रों के मुताबिक ऋणदाता कंपनी के वित्तीय अनुमानों पर मोटे तौर पर सहमत हैं, लेकिन 5जी नेटवर्क विस्तार और पूंजीगत व्यय के लिए इस बड़ी वित्तीय मदद को हरी झंडी देने से पहले प्रवर्तकों से अतिरिक्त आश्वासन या स्पष्ट प्रतिबद्धता की मांग कर रहे हैं। बैंक चाहते हैं कि प्रवर्तक (या समूह की कंपनियां) गारंटी दें, अतिरिक्त पूंजी डालें या भुगतान में चूक होने पर सहायता करने की स्पष्ट प्रतिबद्धता दें। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ बैंकर ने पुष्टि की, कंपनी की आय और कर्ज भुगतान के अनुमानों पर हम सहमत हैं, लेकिन जोखिम के प्रति अतिरिक्त आश्वासन जरूरी है। उन्होंने दूरसंचार उद्योग में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण राजस्व की अनिश्चितता को भी रेखांकित किया, जिससे अतिरिक्त सहूलियत की मांग बढ़ जाती है। वोडाफोन आइडिया को यह 35,000 करोड़ रुपए का कर्ज अपने 5जी नेटवर्क के विस्तार सहित अन्य पूंजीगत योजनाओं के लिए चाहिए। कंपनी में प्रवर्तकों की कुल 25.64 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसमें वोडाफोन समूह (19 फीसदी) और आदित्य बिड़ला समूह (6.63 फीसदी) शामिल हैं। भारत सरकार की लगभग 49 फीसदी हिस्सेदारी है, पर उसे सार्वजनिक शेयरधारक के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

संरचनात्मक सुधारों से भारत 9 फीसदी वृद्धि दर हासिल कर सकता हैः सुब्रमण्यम

पूर्व सीईए ने कारोबार व वित्तपोषण लागत घटाने भूमि, पूंजी, न्यायिक व नौकरशाही सुधारों पर दिया जोर

नई दिल्ली ।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यम ने कहा है कि भारत कारोबार करने और वित्तपोषण की लागत कम करने के लिए संरचनात्मक सुधारों में तेजी लाकर आठ से नौ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उनके अनुसार, वृहद आर्थिक स्थिरता ने 7 फीसदी वृद्धि तक पहुंचाया है, जबकि संस्थागत सुधार 9 फीसदी तक ले जा सकते हैं। सुब्रमण्यम ने भूमि, श्रम और पूंजी जैसे कारक बाजारों के साथ-साथ न्यायिक और नौकरशाही सुधारों को लागू करने की वकालत की। उनका मानना हैकि 8 फीसदी से अधिक वृद्धि के लिए निजी निवेश का जीडीपी में हिस्सा 30 फीसदी से अधिक होना चाहिए, जो वर्तमान में लगभग 22-23 फीसदी है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों के सार्वजनिक पूंजीगत व्यय ने आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार किया है और बैंकिंग प्रणाली भी एनपीए के निचले स्तर पर होने के कारण मजबूत स्थिति में है। उन्होंने भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से अर्थव्यवस्था को सहारा मिलने की बात कही। कृत्रिम मेधा (एआई) पर, सुब्रमण्यम ने सुझाव दिया कि भारत को अगला चैटजीपीटी बनाने के बजाय स्वास्थ्य, शिक्षा, विनिर्माण और सार्वजनिक प्रशासन में एआई का दुनिया का सबसे प्रभावी उपयोगकर्ता बनना चाहिए, ताकि उत्पादकता वृद्धि सुनिश्चित हो सके। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में गिरावट के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक सख्ती को एक कारण बताते हुए, उन्होंने जोर दिया कि घरेलू कारक अधिक महत्वपूर्ण हैं। गौरतलब है कि एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने हाल ही में चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है।

बॉन्ड बाजार की नरमी का लाभ उठाने से चूके बैंक, पहली आय पर दबाव

मजबूत ऋण मांग और उच्च आधार प्रभाव ने ट्रेजरी मुनाफे को किया प्रभावित

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में बॉन्ड यील्ड में नरमी के बावजूद, भारतीय बैंकों की ट्रेजरी आय में उम्मीद के मुताबिक बढ़ोतरी नहीं हुई, बल्कि कई बैंकों ने सालाना आधार पर गिरावट दर्ज की। बैंकरों के मुताबिक, उच्च आधार प्रभाव और ऋण वृद्धि हेतु सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री ने मुनाफे को सीमित किया। वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में दर्ज अप्रत्याशित ट्रेजरी लाभ के कारण इस बार आय कम दिखी। इसके अलावा ऋणदाताओं ने तिमाही के दौरान ऋण वृद्धि को गति देने के लिए अपनी अतिरिक्त सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) होल्डिंग्स को कम कर दिया।

इससे नरम यील्ड से लाभ उठाने की उनकी क्षमता सीमित हो गई, क्योंकि यील्ड में बड़ी गिरावट आने से पहले ही उन्होंने अपनी प्रतिभूतियां बेच दी थीं। एक ट्रेजरी प्रमुख ने बताया, मजबूत ऋण वृद्धि के लिए सरकारी प्रतिभूतियों की भारी बिक्री के कारण अधिकांश बैंक इसका लाभ उठाने में असमर्थ रहे। अप्रैल-जून तिमाही में 10-वर्षीय बेंचमार्क सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में लगभग 32 आधार अंकों की गिरावट आई। हालांकि, बैंकों की ऋण वृद्धि जून के अंत तक दो साल के उच्चतम स्तर 19.6 प्रतिशत पर पहुंच गई । बकि जमा वृद्धि 13.3 प्रतिशत रही। परिणामस्वरूप, आईसीआईसीआई बैंक और ऐक्सिस बैंक जैसे प्रमुख निजी बैंकों की ट्रेजरी आय में क्रमशः 87.8 और 62 फीसदी की सालाना गिरावट दर्ज हुई।

प्री-आईपीओ बाजार में रिटेल निवेशकों की बढ़ती रुचि

लिस्टिंग से पहले निवेश कर कमाई का नया जरिया

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की तलाश में रिटेल निवेशकों का रुझान अब तेजी से उन कंपनियों की ओर बढ़ रहा है जो अभी सूचीबद्ध नहीं हुई हैं। अच्छे आईपीओ में सीमित आवंटन मिलने के कारण निवेशक अब प्री-आईपीओ निवेश को एक आकर्षक विकल्प मान रहे हैं, जो पहले केवल संस्थागत निवेशकों तक सीमित था। प्री-आईपीओ निवेश का अर्थ है किसी कंपनी के शेयर उसके शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले खरीदना। अधिकृत प्लेटफॉर्म, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) और वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) जैसे नियामकीय माध्यमों से अब रिटेल निवेशकों के लिए भी यह विकल्प खुल गया है। यह निवेशकों को कंपनी की शुरुआती विकास यात्रा का हिस्सा बनने और लिस्टिंग के बाद वैल्यूएशन में बढ़ोतरी के जरिए बेहतर रिटर्न पाने का मौका देता है, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण की संभावना बनती है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय प्रदर्शन, प्रबंधन की गुणवत्ता, उद्योग की संभावनाओं और वैल्यूएशन की गहन जांच-पड़ताल बेहद जरूरी है। यह निवेश कम तरल होता है और इसमें आईपीओ में देरी या रद्द होने, वैल्यूएशन में अस्थिरता जैसे जोखिम भी शामिल हैं। जोखिमों को देखते हुए विशेषज्ञों की सलाह है कि निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखनी चाहिए, केवल विश्वसनीय और नियामक मानकों का पालन करने वाले प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि का दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

एआई और डेटा सेंटर से भारतीय रियल एस्टेट को संरचनात्मक अवसर

डेवलपर्स के लिए नए मापदंड, अगले 5-7 सालों में 2 लाख करोड़ तक निवेश का अनुमान

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और हाइपरस्केल डेटा सेंटरों के तीव्र विस्तार से भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक मजबूत संरचनात्मक अवसर उभर रहा है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इससे लंबी अवधि में आय में क्रमिक वृद्धि ही देखने को मिलेगी, क्योंकि फिलहाल अधिकांश परियोजनाएं नियोजन या शुरुआती चरण में हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पारंपरिक वाणिज्यिक रियल एस्टेट के विपरीत, अब डेवलपरों की सफलता केवल भूमि स्वामित्व पर निर्भर नहीं करेगी। बिजली की अबाध आपूर्ति, फाइबर कनेक्टिविटी, त्वरित सरकारी मंजूरी, वैश्विक हाइपरस्केलरों के साथ साझेदारी और पूंजी-बहुल परियोजनाओं के लिए वित्त जुटाने की क्षमता जैसे कारक निर्णायक होंगे। इक्रिरस कैपिटल के एक अे धिकारी ने कहा कि यह क्षेत्र एक वैकल्पिक अवसर से रणनीतिक दीर्घकालिक परिसंपत्ति वर्ग की ओर बढ़ रहा है। उद्योग के अनुमान बताते हैं कि अगले पांच से सात वर्षों में इस क्षेत्र में 1.6 से 2 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश हो सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार देश का डेटा सेंटर आईटी लोड वित्त वर्ष 26 के 1.6 गीगावॉट से बढ़कर वित्त वर्ष 35 तक 14-15 गीगावॉट होने की उम्मीद है। इसके लिए लगभग 16 लाख वर्ग फुट निर्मित स्थान की आवश्यकता होगी। लोढ़ा, डीएलएफ, माइंडस्पेस रीट और अनंत राज जैसे डेवलपर अपनी रणनीतिक भूमि उपलब्धता और वैश्विक साझेदारियों के कारण बेहतर स्थिति में हैं। लोढ़ा मुंबई के पास पालावा में 1 गीगावॉट क्षमता विकसित कर रही है और महाराष्ट्र में 2.5 गीगावॉट डेटा सेंटर पार्क में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

भारतीय कंपनियों के लिए उत्साहजनक रही वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही

मुनाफा और आय में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनी जगत के लिए वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के नतीजों का मौसम बेहद उत्साहजनक रहा है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, कंपनियों ने शुद्ध मुनाफे और आय दोनों में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि मुख्य रूप से बैंक, तेल एवं गैस, खनन तथा धातु क्षेत्रों के दमदार प्रदर्शन के कारण हुई, जबकि रुपये की नरमी से आईटी कंपनियों के मुनाफे को भी बल मिला है। अभी तक नतीजे जारी करने वाली 156 कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 19.4 प्रतिशत बढ़ा है, जो पिछले 11 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 11 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के 6.8 प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक है। इन कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा 1.09 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि में इन कंपनियों की कुल शुद्ध बिक्री या आय 17.6 प्रतिशत बढ़ी, जो पिछली 14 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 4.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही के 9.1 प्रतिशत की वृद्धि से काफी बेहतर है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.40 पर बंद हुआ। रुपया शुरुआत कारोबार में 12 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर आ गया। पश्चिम एशिया संकट गहराने के मद्देनजर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी का भी भारतीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 96.53 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 96.42 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट है। वहीं रुपया शुक्रवार को 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.30 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 100.54 पर रहा।

एआई और डेटा सेंटर से भारतीय रियल एस्टेट को संरचनात्मक अवसर

डेवलपर्स के लिए नए मापदंड, अगले 5-7 सालों में 2 लाख करोड़ तक निवेश का अनुमान

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और हाइपरस्केल डेटा सेंटरों के तीव्र विस्तार से भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक मजबूत संरचनात्मक अवसर उभर रहा है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इससे लंबी अवधि में आय में क्रमिक वृद्धि ही देखने को मिलेगी, क्योंकि फिलहाल अधिकांश परियोजनाएं नियोजन या शुरुआती चरण में हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पारंपरिक वाणिज्यिक रियल एस्टेट के विपरीत, अब डेवलपरों की सफलता केवल भूमि स्वामित्व पर निर्भर नहीं करेगी। बिजली की अबाध आपूर्ति, फाइबर कनेक्टिविटी, त्वरित सरकारी मंजूरी, वैश्विक हाइपरस्केलरों के साथ साझेदारी और पूंजी-बहुल परियोजनाओं के लिए वित्त जुटाने की क्षमता जैसे कारक निर्णायक होंगे। इक्रिरस कैपिटल के एक अे धिकारी ने कहा कि यह क्षेत्र एक वैकल्पिक अवसर से रणनीतिक दीर्घकालिक परिसंपत्ति वर्ग की ओर बढ़ रहा है। उद्योग के अनुमान बताते हैं कि अगले पांच से सात वर्षों में इस क्षेत्र में 1.6 से 2 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश हो सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार देश का डेटा सेंटर आईटी लोड वित्त वर्ष 26 के 1.6 गीगावॉट से बढ़कर वित्त वर्ष 35 तक 14-15 गीगावॉट होने की उम्मीद है। इसके लिए लगभग 16 लाख वर्ग फुट निर्मित स्थान की आवश्यकता होगी। लोढ़ा, डीएलएफ, माइंडस्पेस रीट और अनंत राज जैसे डेवलपर अपनी रणनीतिक भूमि उपलब्धता और वैश्विक साझेदारियों के कारण बेहतर स्थिति में हैं। लोढ़ा मुंबई के पास पालावा में 1 गीगावॉट क्षमता विकसित कर रही है और महाराष्ट्र में 2.5 गीगावॉट डेटा सेंटर पार्क में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। अनंत राज ने हरियाणा में 20,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है, जबकि माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट नवी मुंबई में प्रिंसटन डिजिटल ग्रुप के साथ 10 लाख वर्ग फुट से अधिक का डेटा सेंटर विकसित कर रही है।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

धीमी अर्थव्यवस्था का दबाव बरकरार

नई दिल्ली ।

चीन के केंद्रीय बैंक पीपल्स बैंक ऑफ चाइना (पीबीओसी) ने जुलाई 2026 में अपनी प्रमुख लोन ब्याज दरों (एलपीआर) को लगातार 14वीं बार अपरिवर्तित रखा है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब देश की अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसमें धीमी वृद्धि और रियल एस्टेट सेक्टर पर गहरा दबाव शामिल है। बैंक ने एक साल की लोन प्राइम रेट (एलपीआर) को 3.0 फीसदी और पांच साल की एलपीआर को 3.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। चीन की अर्थव्यवस्था दूसरी तिमाही (अप्रैल से जून) में 2022 की चौथी तिमाही के बाद सबसे कमजोर वृद्धि दर दर्ज कर चुकी है, वहीं पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर भी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर दिखाई दे रहा है। कमजोर घरेलू मांग के बावजूद, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े उत्पादों की मजबूत निर्यात मांग ने अर्थव्यवस्था को कुछ हद तक सहारा दिया है। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं उपभोक्ता और थोक महंगाई पर दबाव बनाए हुए हैं, जिससे केंद्रीय बैंक के लिए ब्याज दरों में कटौती करना मुश्किल हो गया है।

प्री-आईपीओ बाजार में रिटेल निवेशकों की बढ़ती रुचि

लिस्टिंग से पहले निवेश कर कमाई का नया जरिया

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की तलाश में रिटेल निवेशकों का रुझान अब तेजी से उन कंपनियों की ओर बढ़ रहा है जो अभी सूचीबद्ध नहीं हुई हैं। अच्छे आईपीओ में सीमित आवंटन मिलने के कारण निवेशक अब प्री-आईपीओ निवेश को एक आकर्षक विकल्प मान रहे हैं, जो पहले केवल संस्थागत निवेशकों तक सीमित था। प्री-आईपीओ निवेश का अर्थ है किसी कंपनी के शेयर उसके शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले खरीदना। अधिकृत प्लेटफॉर्म, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) और वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) जैसे नियामकीय माध्यमों से अब रिटेल निवेशकों के लिए भी यह विकल्प खुल गया है। यह निवेशकों को कंपनी की शुरुआती विकास यात्रा का हिस्सा बनने और लिस्टिंग के बाद वैल्यूएशन में बढ़ोतरी के जरिए बेहतर रिटर्न पाने का मौका देता है, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण की संभावना बनती है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय प्रदर्शन, प्रबंधन की गुणवत्ता, उद्योग की संभावनाओं और वैल्यूएशन की गहन जांच-पड़ताल बेहद जरूरी है। यह निवेश कम तरल होता है और इसमें आईपीओ में देरी या रद्द होने, वैल्यूएशन में अस्थिरता जैसे जोखिम भी शामिल हैं। जोखिमों को देखते हुए विशेषज्ञों की सलाह है कि निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखनी चाहिए, केवल विश्वसनीय और नियामक मानकों का पालन करने वाले प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि का दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

संग्राम सिंह ने जीता लगातार चौथा मुकाबला

- पाकिस्तानी फाइटर का घमंड तोड़ा; एक मिनट 20 सेकंड में कर दिया चित

नई दिल्ली। भारत के स्टार एमएमए फाइटर संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी फाइटर मोहम्मद आबिद अली का घमंड तोड़ दिया और उन्हें सिर्फ एक मिनट 20 सेकंड में ही चित कर दिया। एमएमए में ये संग्राम सिंह की लगातार चौथी जीत भी रही साथ ही पाकिस्तानी फाइटर पर उनकी ये दूसरी जीत रही। संग्राम सिंह का एमएमए के मंच पर अपराजित रहने का सिलसिला जारी है और वो एशियाई चैम्पियन टाइटिल जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं।

संग्राम सिंह ने देश को समर्पित की जीत

इस फाइट का आयोजन मलयेशिया में किया गया था और इसे लेकर मलयेशियाई दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। संग्राम सिंह के जीतने के बाद भारतीय फैंस रिंग के बेहद करीब आकर भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वहीं संग्राम सिंह ने जहां इस जीत को 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया तो वहीं मोहम्मद बूटा के नाम से मशहूर मोहम्मद आबिद अली ने फेस ऑफ वाले दिन की तरह ही विवादास्पद बयान दिए। उसकी हार की खीझ लगातार बाहर आती रही। आबिद ने कहा कि मलयेशिया में जितने भी मुसलमान हैं, वह उन सबसे बहुत प्यार करते हैं। उनके इस बयान पर भी वहां काफी हूटिंग हुई। वहीं संग्राम सिंह ने कहा कि उनका किसी भी फाइट में एक ही उद्देश्य रहता है कि देश का तिरंगा ऊंचा हो और उन्हें खुशी है कि उन्हें एक बार फिर इसे ऊंचा करने का सौभाग्य मिला। इससे पहले संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर, ट्यूनीशिया के हाकिम तराबेसी और फ्रांस के फ्लोरियन काउडियर को हरा चुके हैं।

संग्राम सिंह ने डटकर किया मुकाबला- फाइनल से पहले वजन और मोहम्मद आबिद अली के बड़ेबोले बयान के बाद यह मुकाबला प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका था, लेकिन दोहरे हैवीवेट कॉमनवेल्थ चैम्पियन ने अपने देशवासियों को निराश नहीं होने दिया। संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने बताया कि मोहम्मद आबिद अली की पंचिंग काफी अच्छी थी। उसने पंचिंग से अटैक किया जिस पर संग्राम लगातार बचते रहे। उसकी ऊंची कदकाठी होने से उसके पंच की पहुंच भी अच्छी थी जिससे उसका एक पंच संग्राम की आंख पर लगा। उसकी इस खूबी को देखकर संग्राम ने कोई जल्दबाजी या हड़बड़ाहट नहीं दिखाई। हालांकि आबिद भी कुश्ती से एमएमए में आए हैं लेकिन कुश्ती के दांव-पेंचों में संग्राम ने उन्हें बुरी तरह असहाय कर दिया।

30वें सेकंड में संग्राम ने शानदार तरीके से लेग अटैक किया और पलक झपकते ही उन्होंने आबिद पर एंकल होल्ड करके अपनी जीत की आधारशिला रख दी। इसके लिए वह पहले तो आबिद को रिंग के किनारे पर एंकल होल्ड करके उसे खींचकर अंदर लाए और फिर उसी पोजीशन पर उन्होंने आबिद को चोक कर दिया और इसका कोई जवाब आबिद के पास नहीं था।

आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा थी

टूट गए लियोनल मेसी

स्पेन के खिलाड़ियों ने बंधाया ढांढस

नई दिल्ली (एजेंसी) मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेसी, लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। ब्राजील (1958 और 1962) के बाद अर्जेंटीना लगातार दो खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने का सपना लेकर फाइनल में उतरी थी। मेसी लगातार दूसरी बार चैम्पियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा।

स्पेन का गोल होने के बाद स्तब्ध थे मेसी- एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेसी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी। अर्जेंटीना को फ्रांस के खिलाफ 2022 विश्व कप में खिताबी जीत और दो बार कोपा अमेरिका खिताब दिलाने में सूत्रधार रहे मेसी स्पेन का गोल होने के बाद सिर झुकाये और कमर पर हाथ रखकर स्तब्ध खड़े रहे।

अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए मेसी- बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन के साथ 12 लीग और चार चैम्पियंस लीग खिताब जीतने के बाद मेसी ने जब यूरोपीय फुटबॉल से विदा लेकर तीन साल पहले एमएलएस का रूख किया तो लोगों को लगा कि वह रिटायर होकर अमेरिका में बस जायेंगे, लेकिन वह एक बार फिर अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए जिनमें उनके खाते में आठ गोल आये और चार में वह सहायक रहे।

ढांढस बंधाने आये स्पेन के खिलाड़ी

स्पेन के खिलाड़ी आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी को ढांढस बंधाने आये। मेसी मैदान पर बैठ गए और हाथ पीछे रखकर एकटक देखते रहे। उपविजेता का पदक लेने आये तो मुस्कुराने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। फिर अपने विचारों में खोये हुए, दुख को छिपाने की कोशिश करते मैदान के एक कोने के निकास से चुपचाप बाहर चले गए। विश्व कप से शायद आखिरी बार।

मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं

विश्व कप में उनके 21 गोल हो गए हैं और शनिवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे (22 गोल) के आगे निकलने तक वह शीर्ष पर थे। तीन विश्व कप फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं और वह सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146) से पीछे हैं।

मेसी ने संन्यास से की वापसी

पेले और माराडोना की लीग में शामिल मेसी ने 2016 कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ शूटआउट में मिली हार के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली थी, लेकिन 47 दिन बाद वापसी की और 2022 में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप दिलाया।

एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्डन बूट

- स्पेन के गोलकीपर के नाम गोल्डन ग्लव्स, ये है FIF वर्ल्ड कप की अवार्ड लिस्ट

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 10 गोल और 8 असिस्ट करके फ्रांस किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार गोल्डन बूट जीता। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे नंबर के लिए प्लेऑफ मुकाबले में 2 गोल करके अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी को पछाड़ा था। स्पेन के खिलाफ फाइनल में मेसी गोल या असिस्ट नहीं कर पाए। ऐसे में एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार उन्हें पछाड़कर गोल्डन बूट अपने नाम किया।

एम्बाप्पे ने कतर में भी 7 गोल करके यह इनाम जीता था, जो मेसी से एक ज्यादा था। अर्जेंटीना के हराकर वर्ल्ड कप अपने नाम करने वाली स्पेन टीम के खिलाड़ियों ने कई पुरस्कार जीते। गोलकीपर उनाई साइमन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक बार गोल होने दिया। उन्होंने गोल्डन ग्लव्स जीता, जबकि मिडफील्डर रोड्री को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया और उन्हें गोल्डन बॉल दी गई। डिफेंडर पाउ ??क्यूबार्सी को बेस्ट यंग प्लेयर चुना गया।

स्पेन बना विश्व विजेता

फेरान टोरेस के गोल ने अर्जेंटीना से छीनी ट्रॉफी

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी का लगातार दूसरा फीफा विश्व कप जीतने और विजेता के तौर पर विदाई लेने का सपना आखिरकार अधूरा रह गया। अमेरिका के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस के 106वें मिनट के गोल की बदौलत अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर 16 साल बाद विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस विश्व कप का फेरान टोरेस का पहला गोल उनके जीवन का सबसे अनमोल गोल बन गया जिसने स्पेन को ट्रॉफी दी और इस खूबसूरत खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनल मेसी को आंसुओं के साथ विदाई। लियोनल मेसी का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना आखिरी तिलिस्म पर आकर टूट गया। पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेनिश टीम ने अपने अभेद्य रक्षण से लियोनल मेसी को भी बेअसर कर दिया और इतिहास रचते हुए विश्व कप जीतने वाली सबसे मजबूत रक्षात्मक टीमों में अपनी जगह दर्ज करा ली। फेरान टोरेस ने बॉक्स के भीतर हवा में आई गेंद पर अपने बाएं पैर से कब्जा करके शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे बचा नहीं सके। यह 2010 के बाद स्पेन का दूसरा विश्व खिताब है।

स्पेन का सबसे कम गोल गंवाने का रिकॉर्ड

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 8 मैच में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेन ने टूर्नामेंट में चैंपियन द्वारा सबसे कम गोल गंवाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। पूरे टूर्नामेंट में आखिरी मिनटों में चमत्कारिक वापसी करती आई अर्जेंटीना उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। निर्धारित समय तक गोलरहित बराबरी के बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंचा था। स्पेन की महिला फुटबॉल टीम ने भी 2023 में विश्व कप जीता था और स्पेन एक ही साथ महिला और पुरुष फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके साथ ही स्पेन के कोच लुईस डे ला फुऐंटे 65 वर्ष की उम्र में किसी टीम को खिताब दिलाने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए।

अर्जेंटीना-स्पेन के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई

लिएंड्रो पारेडेस की एरिक गार्सिया और गेवी से भिड़ंत

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल के बाद अर्जेंटीना और स्पेन के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई हो गई। अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पारेडेस को मुकाबला खत्म होने के बाद रेड कार्ड दिखाया गया। अर्जेंटीना को रविवार (19 जुलाई) को स्पेन से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। मैच खत्म होने के बाद पारेडेस को स्पेन के डिफेंडर एरिक गार्सिया और गेवी के साथ हाथापाई करते देखा गया। पारेडेस ने दोनों का गला पकड़ लिया था। लड़ाई की वजह साफ नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो में रेफरी के फाइनल व्हिसल बजाने के कुछ सेकंड बाद गार्सिया को जमीन पर गिरते हुए देखा जा सकता है। फिर वह उठे और पारेडेस से उनकी तीखी बहस हुई है। पारेडेस ने गार्सिया की गर्दन पर हाथ रखा और धक्का दे दिया है। इसके अलावा अर्जेंटीना के डिफेंडर नाहुएल मोलिना ने भी फाइनल व्हिसल बजने के ठीक बाद एक स्पैनिश सब्स्टीट्यूट के पेट में घूंसा मारा।

स्पेन ने अर्जेंटीना का सपना तोड़ा

स्पेन ने अर्जेंटीना को 1962 के बाद अपना वर्ल्ड कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनने से रोक दिया। स्पेन पूरे मैच में हावी था। आखिरकार वह अपने 20वें शॉट पर विनिंग गोल करने में कामयाब रहा। अर्जेंटीना गोल के लिए एक भी शॉट नहीं ले पाई। इसके बावजूद मैच फुल टाइम तक 0-0 रहा। बार्सिलोना के फेरान टोरेस ने आखिरकार 106वें मिनट में गोल किया जो स्पेन के लिए विनिंग गोल साबित हुआ।

रोहित का शतक, मगर भारत ने 27 रन से गंवाया मैच

इंग्लैंड ने 2-1 से जीती वनडे सीरीज

लंदन। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए 'हाई स्कोरिंग' मुकाबले को 27 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 3 विकेट गंवाकर 387 रन जड़े।

बेन डकेट ने जैकब बेथेल के साथ पहले विकेट के लिए 181 गेंदों में 192 रन की साझेदारी करते हुए मेजबान टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। बेथेल 93 गेंदों में 2 छक्कों और 11 चौकों के साथ 91 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद डकेट ने जो रूट के साथ दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 101 रन जुटाकर टीम को 293 के स्कोर तक पहुंचा दिया। डकेट 135 गेंदों में 19 बाउंड्री के साथ 141 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

यहां से जो रूट ने मोर्चा संभाला, उन्होंने कप्तान हैरी ब्रूक (14) के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 रन, जबकि जोस बटलर के साथ चौथे विकेट के लिए 19 गेंदों में 63 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रूट 48 गेंदों में 9 चौकों के साथ 74 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बटलर ने 13 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 41 रन की ताबड़तोड़ नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट हासिल किए और प्रिंस यादव ने 1 विकेट निकाला। इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 24.2 ओवरों में 147 रन की साझेदारी की। गिल 84 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 77 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 86 गेंदों में 113 रन जोड़कर टीम को 260 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रोहित शर्मा के भविष्य पर शुभमन गिल ने तोड़ी चुप्पी

कुलदीप यादव को न खिलाने पर पिच का बनाया बहाना

नई दिल्ली। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे 27 रनों से गंवाकर 1-2 से सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल से प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा के भविष्य और कुलदीप यादव को न खिलाने को लेकर सवाल पर जवाब दिया। गिल ने कहा कि रोहित शर्मा से इस बारे में कोई बात नहीं हुई है कि लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। कुलदीप न खिलाने के लिए पिच का बहाना बनाया। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए चयनकर्ताओं ने 39 साल के रोहित को बताया है कि इंग्लैंड सीरीज उनकी आखिरी सीरीज होगी। हालांकि, रोहित या चयनकर्ताओं की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पहले दो वनडे में दो खराब पारियां खेलने के बाद रविवार को रोहित ने 138 रन बनाए, लेकिन टीम हार गई।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 3954

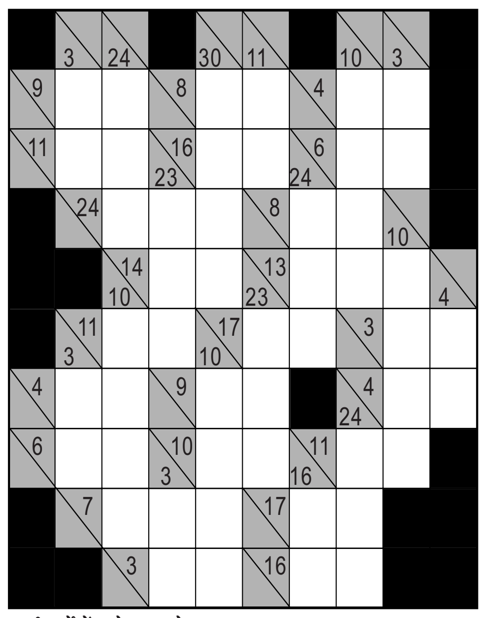

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

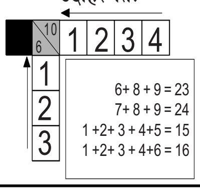

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3953 का हल

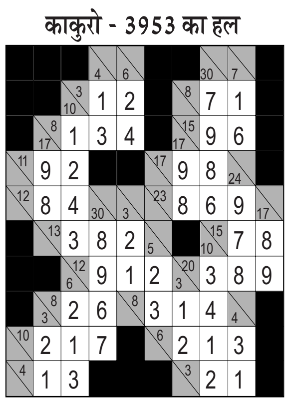

लॉफिंग ज़ोन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

□ □ □

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

□ □ □

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3954

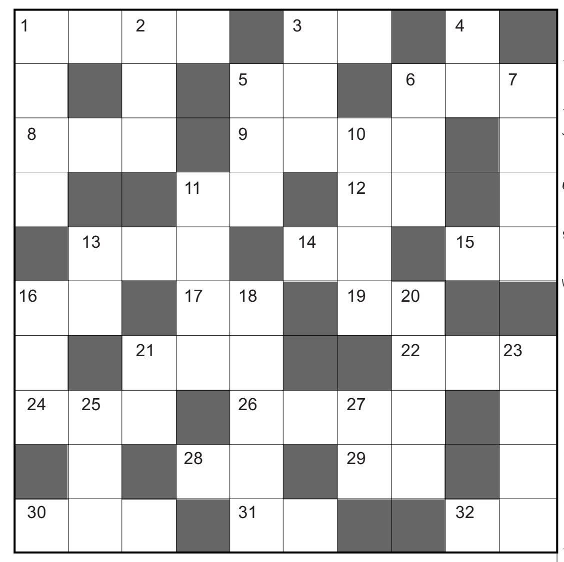

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3953

सूडोकु -3954

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3953 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 3954

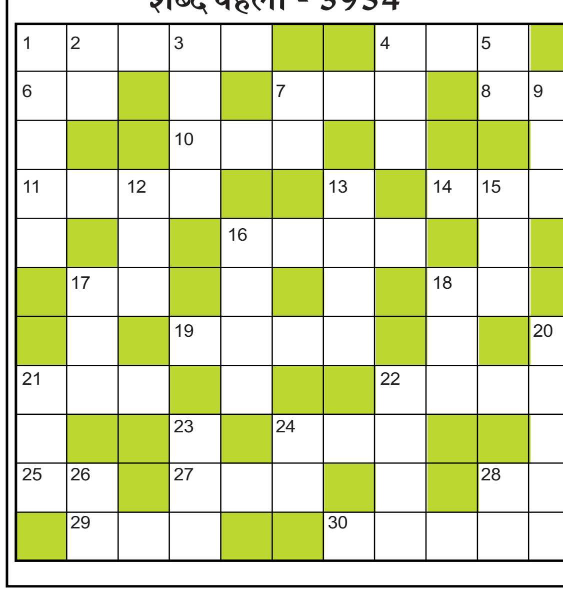

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -3953 का हल

डेंगू और जीका वायरस को रोकने के लिए खोजा गया नया तरीका

मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां जैसे डेंगू और जीका वायरस को रोकने का अब एक प्राकृतिक उपाय निकाल लिया गया है। सबसे अच्छी बात ये है कि इस बीमारी की रोकथाम में अब एक ऐसी पद्धति का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे पर्यावरण को कोई हानि नहीं पहुंचेगी। यानी कि अब हम बीमारियों को रोकने में भी एक सस्टेनेबल मेथड का इस्तेमाल करने की ओर बढ़ रहे हैं। बता दें कि आज पूरी दुनिया को सस्टेनेबल डेवलपमेंट सिद्धांत के तहत विकास के कार्यों की जरूरत है और बीमारियों के लिए ऐसे उपचार पद्धति को ढूंढना एक बड़ी बात है। दरअसल डेंगू और जीका वायरस जैसे मच्छर जनित बीमारियों के रोकथाम में बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक बैक्टीरिया स्ट्रेन का इस्तेमाल किया जाएगा। आइए हम आलेख में आपको विस्तार से बताते हैं इसके बारे में।

36 डिग्री सेल्सियस तापमान वाली जगहों पर सफल

अब, मेलबोर्न, ग्लासगो और मलेशिया के शोधकर्ताओं की इस अंतरराष्ट्रीय टीम ने दिखाया है कि वल्बाचिया का डब्ल्यूएएलबी स्ट्रेन 36 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक के दैनिक चरम तापमान में भी स्थिर और प्रभावी है, जैसा मलेशिया के डेंगू क्षेत्रों में। मेलबर्न यूनिवर्सिटी के बायो 21 इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर हॉफमैन ने कहा कि निष्कर्ष उन कई देशों में फर्ककर सकते हैं, जहां डेंगू बड़ी मात्रा में लोगों को बीमार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अध्ययन हमें क्षेत्र में सफल शुरुआत के लिए के लिए सही है पर एक घनी शहरी आबादी पर इसके इस्तेमाल को लेकर हम अभी कुछ भी कह पाने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हस्तक्षेप कीटनाशक अनुप्रयोगों और अन्य चुनौतियों के बावजूद सफल हुआ, जो कि वल्बाचिया के प्रयोग के लिए अच्छा है।

क्या है बैक्टीरिया वल्बाचिया?

बैक्टीरिया वल्बाचिया नामक ये बैक्टीरिया स्ट्रेन मच्छरों को मनुष्यों में अपने वायरस को स्थानांतरित करने से रोक सकता है। मेलबोर्न और ग्लासगो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं और मलेशिया में इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल रिसर्च ने कुआलालंपुर में साइटों पर डेंगू के मामलों को इस तरीके का इस्तेमाल करके कम करने में सफलता प्राप्त की है। उनके द्वारा प्रकाशित तथ्यों की मानें, तो करंट बायोलॉजी दिखाता है कि वल्बाचिया के डब्लूए1बीबी स्ट्रेन को ले जाने वाले मच्छरों पर जब इसका इस्तेमाल किया गया, तो डेंगू के मामलों में 40 फीसदी तक की कमी आई। इससे पहले मेलबर्न विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर्य हॉफमैन सहित वैज्ञानिकों ने इस बैक्टीरिया के एक अलग स्ट्रेन का उपयोग करके मच्छर पर सफल प्रयोग किया है, लेकिन कुछ स्थितियों में ये असफल भी रहा। वहीं मलेशिया जैसे भूमध्यरेखीय देशों में मचछरों की जंगली आबादी पर ये बैक्टीरिया इन्हें रोकने में सक्षम नहीं दिखे।

फॉगिंग भी हुआ कम

शोधकर्ताओं ने डेंगू वाले कुआलालंपुर में छह अलग-अलग साइटों में वल्बाचिया के डब्ल्यूएएलबीबी स्ट्रेन को एडीज एजिप्टी मच्छरों पर इस्तेमाल किया। वोल्बाचिया नर और मादा दोनों जंगली मच्छरों की आबादी में संभोग करते वक्त अंदर चली गई, जिसके परिणामस्वरूप वायरस-फैलाने वाले बैक्टीरिया का प्रसार हुआ और इसने अपना काम करना शुरू कर दिया। इन साइटों पर डेंगू के मामलों को कम करने की सफलता ने इन क्षेत्रों में कीटनाशक फॉगिंग को समाप्त कर दिया है, जिससे इस पद्धति के पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ दोनों उजागर होते हैं। मआरसी-यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो सेंटर फॉर वायरस रिसर्च के प्रोफेसर स्टीवन सिंकिन्स ने कहा कि यह सफलता उन देशों के लिए खुशखबरी है, जो मच्छर जनित बीमारियों को सहन कर रहे हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

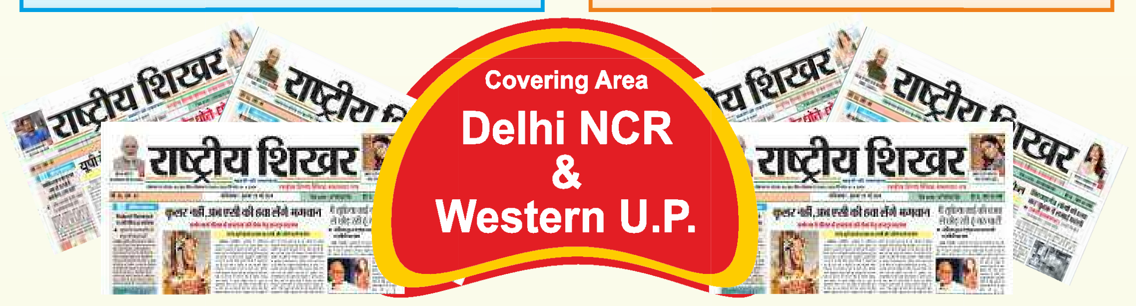

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

कुब्रा सैत ने अपने करियर में जोड़ा एक रोमांचक अध्याय, स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में रखा कदम

अभिनेत्री, लेखिका और परफॉर्मर कुब्रा सैत ने स्टैंड-अप कॉमेडी के साथ अपने करियर में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ लिया है। जी हाँ, लाइव कॉमेडी के साथ उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में न सिर्फ कदम रखा है, बल्कि अपनी पहली परफॉर्मेंस भी दी है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। गौरतलब है कि सेक्रेड गेम्स, जवानी जानेमन, फाउंडेशन और कई अन्य फिल्मों व सीरीज में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा सैत हमेशा से ही कहानी कहने के नए और अलग तरीकों को अपनाती रही हैं। अपनी बेस्टसेलिंग किताब ओपन बुक: नॉट क्वाइट अ मेमोयर की सफलता के बाद अब उन्होंने लाइव स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा है, जिसने उनकी क्रिएटिव जर्नी को एक नया आयाम दिया है।

कुब्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस की कुछ झलकियां साझा करते हुए कॉमेडी स्टेज पर उतरने की खुशी जाहिर करते हुए इस नई कोशिश के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया है और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जो नए प्रयोग करने वाले कलाकारों को अपना समर्थन देने वहां पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, लाइव कॉमेडी की खास बात यह है कि अगर आप मजा नहीं ले रहे हैं, तो हम भी नहीं ले रहे हैं। इसलिए धन्यवाद कि आपने इस जगह को इतना शानदार और ऊर्जा से भरपूर बना दिया। इसी के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी की अनोखी दुनिया में हर परफॉर्मेंस सीखने और खुद को बेहतर बनाने का एक नया मौका होती है, को लेकर कुब्रा ने आगे लिखा है, धन्यवाद बैकस्पेस बांद्रा, जो कॉमेडियन्स को गिरने, उड़ने, असफल होने, शानदार प्रदर्शन करने और अगले दिन फिर से उसी जुनून के साथ लौटने के लिए एक मंच देता है। स्टैंड-अप कॉमेडी एक्टिंग से बिल्कुल अलग तरह की क्रिएटिव चुनौती पेश करती है, जहां कलाकार को तुरंत सोचने, अपनी बात ईमानदारी से रखने और दर्शकों से सीधा जुड़ने की जरूरत होती है।

कुब्रा का इस क्षेत्र में कदम रखना उनके नए प्रयोगों और अलग-अलग माध्यमों से कहानी कहने के जुनून को दर्शाता है। फिलहाल अपनी पहली परफॉर्मेंस को मिले प्यार और प्रोत्साहन के बाद कुब्रा ने अपनी अगली स्टैंड-अप परफॉर्मेंस का ऐलान भी कर दिया है, जिससे साफ है कि यह उनके नए सफर की सिर्फ शुरुआत है। एक अभिनेत्री, लेखिका और वक्ता के तौर पर अपनी पहचान बना चुकीं कुब्रा सैत एक बार फिर साबित कर रही हैं कि उनका सफर हमेशा जिज्ञासा, साहस और नई चुनौतियों को अपनाने की सोच से आगे बढ़ता रहा है।

कपिल शर्मा शो में स्क्रिप्टिंग को लेकर कीकू शारदा का बड़ा खुलासा

कॉमेडियन कीकू शारदा पिछले 10 साल से कपिल शर्मा के साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शो के क्रिएटिव प्रोसेस के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने खुलासा किया कि शो में कितना हिस्सा स्क्रिप्टेड होता है और कितना हिस्सा मौके पर बनाया जाता है। हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं बातचीत में कीकू ने कहा कि वे जानबूझकर गेस्ट्स से जोक्स और पंचलाइन छुपाते हैं, ताकि उनका रिएक्शन नैचुरल रहे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं। हम नहीं चाहते कि गेस्ट्स को पहले से जोक्स, पंचलाइन या कैरेक्टर्स के बारे में पता हो। हम चाहते हैं कि वे पहली बार स्टेज पर इन्हें देखें, क्योंकि तभी सबसे असली रिएक्शन मिलता है। इसलिए अब सब लोग बस फ्लो के साथ चलते हैं।' कीकू ने बताया कि शो में स्क्रिप्ट तो होती है, लेकिन उसे कितना फॉलो करना है और कितना इम्प्रोवाइज करना है, ये शूटिंग के दौरान तय होता है। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर स्क्रिप्ट होती है और हम उसे एक लिमिट तक फॉलो भी करते हैं। कई बार इसे पूरी तरह फॉलो करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि कभी-कभी कोई सेलिब्रिटी बातचीत को एकदम अलग दिशा में ले जाता है। कभी-कभी उसी वक्त नया आइडिया आ जाता है और हम इम्प्रोवाइज कर लेते हैं। सच कहूं तो करीब 70% स्क्रिप्ट होती है और 30% पूरी तरह मौके पर होता है।' बता दें कि हाल ही में कीकू शारदा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचे थे, जहां उनके साथ चंदन प्रभाकर भी मौजूद रहे। इस एपिसोड को फैंस ने काफी पसंद किया।

प्रेग्नेंसी को लेकर सामंथा ने कही दिल की बात

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरु जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने दिसंबर 2025 में शादी की थी और जून में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। अब हाल ही में सामंथा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर दिल की बात कही है।

मां बनने को लेकर बोलीं सामंथा?

इंटरव्यू में सामंथा ने कहा कि उनके लिए ये समय बिल्कुल नया और बहुत खास है। उन्होंने कहा, 'ये सब मेरे लिए नया और एक्साइटिंग है। लेकिन मैं इस पल का काफी समय से इंतजार कर रही थी। मैं हमेशा से मां बनना चाहती थी, और अब मैं इसमें अपना पूरा दिल लगा दूंगी।' सामंथा ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें अपने अंदर एक अलग तरह की ताकत और उद्देश्य महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से अपनी जिंदगी को लेकर पैशनेट रही हूं, लेकिन अब मुझे एक नई ताकत और मकसद महसूस होता है। मैं इस सफर को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं और हर दिन कुछ नया सीख रही हूं।'

अक्षय की फिल्म में मोटी होने के कारण मिला रोल

अभिनेत्री अंजलि आनंद इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धमाल 4' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे फिल्मों में प्लस-साइज एक्टर्स को अक्सर सिर्फ कॉमेडी करने या स्टीरियोटाइप को दिखाने के लिए कास्ट किया जाता है। बातचीत में अंजलि आनंद ने अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर कहा कि मैं 'बेल बॉटम' में सिर्फ इसलिए थी ताकि एक टेररिस्ट मुझ पर गिर सके और फिल्म में पकड़ा जा सके। मुझे ऐसे रोल इसलिए मिलते हैं क्योंकि मैं मोटी हूं। जब लोग सिर्फ इसका मजाक उड़ाने की कोशिश करते हैं तो बुरा लगता है। वे यह भी नहीं देखते कि मैं अच्छी एक्टर हूं या नहीं। वे बस मेरे शरीर को देखकर मुझे जज करते हैं। उनके हिसाब से मैं तय मानकों पर खरी नहीं उतरती, लेकिन उनके लिए तो दीपिका पादुकोण और ऐश्वर्या राय भी काफी नहीं हैं। शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन को भी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

23 जुलाई को रिलीज होगी 'जन नायकन' थलापति विजय ने शेयर किया पोस्टर

साउथ अभिनेता थलापति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया पर विजय की फिल्म 'जन नायकन' का एक खास पोस्टर साझा किया और साथ ही रिलीज डेट से पर्दा भी उठाया।

आज 'जन नायकन' के निर्माताओं ने विजय की फिल्म की रिलीज की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खुशखबरी से विजय के फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। पहले यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज होनी थी, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनावों और सीबीएफसी से सर्टिफिकेट ना मिलने के चलते इसकी रिलीज डेट टलती गई। बहरहाल, अब विजय तमिलनाडू के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। अब उनकी यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।फिल्म 'जन नायकन' के निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक खास पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में विजय पुलिस वर्दी में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर में विजय के हाथ में एक पुलिसकर्मी की तरह बंदूक नहीं बल्कि तलवार नजर आ रही है, जो हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। 'जन नायकन' में थलापति विजय, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल और ममिता बैजू मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। यह अभिनेता के रूप में थलपाति विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है।

हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर बोली अंजना सुखानी

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में अंजना ने फिल्म, इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव, फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर कई बातें साझा कीं। अंजना सुखानी ने कहा, ' 'मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है। ' फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, ' 'मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं। मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, ' 'सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर अंजना ने कहा कि दोनों जगहों की कहानी कहने का तरीका अलग है। हिंदी फिल्में अक्सर पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय सिनेमा अपनी भाषा और संस्कृति से ज्यादा जुड़ा होता है। भारत की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है और कलाकारों को अलग-अलग भाषाओं में काम करने का मौका मिलना एक अच्छी बात है।

वीर को एक्टर बनने से मना किया था

राजकुमार हिरानी हिंदी सिनेमा जगत में सबसे मंझे हुए, सबसे दिलचस्प और दमदार फिल्ममेकर्स में से हैं। बॉलीवुड को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'लगे रहो मुन्ना भाई', '3 इडियट्स' और 'संजू' जैसी यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले राजू हिरानी भी अब वक्त के साथ कदमताल कर रहे हैं। उन्होंने पहली बार बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी का रुख किया है और वेब सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' लेकर आए हैं। अरशद वारसी के साथ इस सीरीज में राजू के उनके बेटे वीर हिरानी ने भी एक्टिंग में कदम रखा है। हालांकि, राजू हिरानी दो टूक शब्दों में कहते हैं कि उन्होंने बेटे वीर को एक्टर बनने से मना किया था।

वीर के एक्टिंग की ओर रुझान का वाकया याद करते हुए राजू हिरानी बताते हैं, 'मुझे जब पता चला कि वीर एक्टिंग करना चाहते हैं तो मैंने कहा कि मत करो। मुझे लगता था कि उसे फिल्म बनाना अच्छे से आता है। वो बचपन से शॉर्ट फिल्म बनाता था, तो मैंने कहा कि तुम अच्छी फिल्म बनाते हो, ये क्यों करना चाहते हो? इस पर उसने कहा कि आपने '3 इडियट्स' बनाई थी। उसमें कहा था कि 'जो दिल को अच्छा लगे वो करो', तब मैं फंस गया और मैंने कहा कि ठीक है तुम्हें करना है तो पहले एक्टिंग सीखो।'

हिरानी आगे बताते हैं कि बेटे वीर हिरानी ने उनकी बात पर अमल किया। तीन साल ड्रामा स्कूल में पढ़ाई की। फिर फिरोज खान के साथ नाटक किया, उसके बाद ही यह सीरीज की। अपने शो का 'प्रीतम' घर में ही मिलने की बात पर डायरेक्टर ने कहा, 'प्रीतम घर में ही थे, मगर हमें नजर नहीं आ रहे थे। हम ये सीरीज बना रहे थे, मगर वीर दिमाग में नहीं थे। कास्टिंग चल रही थी तो वीर ने मेरे ऑफिस में जो साहिल हैं, उनको बोला कि मैं यहां बैठा हूं, मेरी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। मेरे दिमाग में था कि वो फिल्म करना चाहता है। फिल्मों के लिए उसकी बातचीत भी चल रही थी। मैं भी कोई स्क्रिप्ट ढूंढ़ रहा था। मुझे नहीं लगा था कि वो वेब सीरीज करेगा पर उसने कहा कि मुझे कोई हिचक नहीं है।

कॉमेडी में हद पता होनी चाहिए

राजू हिरानी की फिल्मों में ह्यूमर की एक खास जगह रही है। साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करती 'प्रीतम एंड पेड्रो' भी इसी कड़ी में शामिल है। लेकिन आज कॉमेडी को लेकर काफी आपत्तियां सामने आ रही हैं। बकौल राजू हिरानी, 'कॉमेडी कई तरह की होती है। दूसरे के दुर्भाग्य पर हंसना भी एक तरह की कॉमेडी है, लेकिन आपको एक हद पता होनी चाहिए। अगर आपको लगता है कि ऐसा करके आप किसी को बहुत ज्यादा ठेस पहुंचा रहे हैं तो आप क्यों कर रहे हैं? मत करो न, क्योंकि आप स्वार्थी होकर किसी का फायदा उठा रहे हैं। अगर आप अपने फायदे के लिए किसी का बहुत ज्यादा मजाक उड़ाओगे तो उसे ठेस पहुंचेगी ही। मेरा मानना है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए भी कॉमेडी कर सकते हैं।'

बच्चे को एक्टिंग का जुनून है तो उसे क्यों रोकें?

बीते कुछ साल में इंडस्ट्री के बच्चों को उनके घर से ही लॉन्च किए जाने पर काफी सवाल खड़े हुए हैं। क्या वीर को लॉन्च करते वक्त राजू हिरानी के दिमाग में यह ख्याल आया था? वह जवाब देते हैं, 'ख्याल तो आता है, लेकिन अगर बच्चा एक्टिंग करना चाहे, वह उसका जुनून है तो उसको क्यों रोके? इसलिए, मैंने इसे ज्यादा अहमियत नहीं दी। अब जैसे मैं था। मेरे पिता जी कुछ और करते थे। मैं नागपुर में एक सामान्य मिडिल क्लास परिवार में जन्मा। मेरे पिता जी ऑफिस इक्विपमेंट बेचते थे, पर मेरा फिल्मों में आने का मन था तो मैंने यह किया। जैसे, मेरे फादर ने मुझे कहा कि तुम्हारा यह करने का मन है तो जाओ भाई करो। वैसे ही मैंने भी वीर को कहा।'

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में भारतीय मूल के ड्राइवर की संदिग्ध मौत, हत्या समेत किन पहलुओं पर हो रही जांच?

ओटावा, एजेंसी। कनाडा से एक बेहद हैरान और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। ओंटारियो प्रांत के हैमिल्टन शहर में एक भारतीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक का शव एक सीवेज कलवर्ट (नाले की पुलिया) से बरामद हुआ है। इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। कनाडाई पुलिस ने इसे सीधे तौर पर होमिसाइड यानी हत्या का मामला मानकर तफ्तीश शुरू कर दी है। यह सनसनीखेज मामला बुधवार, 15 जुलाई का है। सुबह करीब 8:15 बजे पुलिस को सूचना मिली। हैमिल्टन के फ्रूटलैंड रोड के उत्तरी छोर पर एक नाले में किसी का शव पड़ा था। पुलिस और इमरजेंसी क्रू तुरंत मौके पर पहुंचे। नाले से जब युवक को बाहर निकाला गया, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त 29 वर्षीय तरनप्रीत सिंह सिद्धू के रूप में हुई है। तरनप्रीत साल 2022 में भारत से कनाडा आए थे। वह ब्रैम्पटन शहर में ट्रक ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। इससे पहले वह हैलिफ़ैक्स में भी रह चुके थे। हैमिल्टन पुलिस अब पील रीजनल पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से इस मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने में जुट गई है। सीसीटीवी खंगालना: पुलिस की टीमें इलाके के डिजिटल एविडेंस, सर्विलांस फुटेज और सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही हैं। संदेहास्पद गाड़ी: पुलिस को उस गाड़ी की तलाश है, जिससे शव को नाले तक लाया गया। हालांकि, अभी तक इस गाड़ी की कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

खामेनेई के किस बयान पर ईरान ने दी यूएस को चेतावनी? कहा- बात समझ आ गई हो तो तुरंत भाग जाएं अमेरिकी सैनिक

तेहरान, एजेंसी। ईरान की संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को एक नई चेतावनी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट लिखी। पोस्ट में अजीजी ने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के हालिया बयान का असली मतलब समझ लें, तो वे भागने में एक सेकंड भी बर्बाद नहीं करेंगे। खामेनेई ने हाल ही में अमेरिका को कभी न भूलने वाले सबक (अविस्मरणीय सबक) सिखाने की बात कही थी। अजीजी का यह बयान तेहरान और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है। इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने देश के नाम अपने संदेश में अमेरिका पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने अमेरिका को 'महान शैतान' (ग्रेट सैटन) कहा। खामेनेई ने घोषणा की कि 14 सूत्रीय सहमति पत्र पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर पूरी तरह से बेकार और खोखले हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वाशिंगटन ने ईरान पर सैन्य हमले जारी रखे, तो ईरान और उसका 'प्रतिरोध मोर्चा' (रेसिस्टेंस फ्रंट) उसे ऐसे सबक सिखाएंगे जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएगा। खामेनेई ने अमेरिका पर ईरान के साथ समझौतों का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन उल्लंघनों ने एक बार फिर वाशिंगटन की बेईमानी, अतार्किकता, अविश्वसनीयता और दुर्भावनापूर्ण व्यवहार को उजागर कर दिया है। खामेनेई के अनुसार, दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच हुए समझौते को अमेरिका ने बार-बार तोड़ा है। इससे यह बुनियादी सच सामने आ गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं है। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती, तानाशाही और क्रूरता अमेरिकी नीतियों के मुख्य हिस्से हैं। अमेरिकी हरकतों ने उसका असली और बेनकाब चेहरा सबके सामने ला दिया है।

पश्चिम एशिया संघर्ष: अमेरिका ने दुनियाभर में अपने नागरिकों को किया सतर्क; क्या और बिगड़ेंगे हालात?

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को दुनियाभर में यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए सतर्क रहने की चेतावनी जारी की। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण सुरक्षा की स्थिति जटिल बनी हुई है। अमेरिका और ईरान की ओर से क्षेत्र में बढ़ी सैन्य गतिविधियों के बीच अचानक हालात बिगड़ सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में दुनियाभर में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में मौजूद लोगों से अधिक सतर्क रहने और तेजी से बदल रहे सुरक्षा हालात की जानकारी लेते रहने की सलाह दी है। बयान में कहा गया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण जटिल सुरक्षा माहौल बना हुआ है और अचानक हालात बिगड़ने की आशंका है। मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से कहा कि वे लगातार समाचार देखते रहें, ताकि नई जानकारी मिलती रहे। साथ ही, अपने सबसे नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास की ओर से जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें। बयान में आगे कहा गया, हम क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को लगातार सावधानी बरतने की याद दिलाते हैं और उन्हें सलाह देते हैं कि वे ताजा घटनाक्रम की जानकारी के लिए समाचार देखते रहें। विदेश मंत्रालय दुनियाभर के अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में रहने वालों को अधिक सतर्क रहने की सलाह देता है।

पाकिस्तान में ईसाई दंपति को ईंट भट्टे में जिंदा जलाने वाले सभी आरोपी बरी

–भट्टा मालिक से था विवाद, दंपति पर लगा था कुरान का अपमान करने का आरोप

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान में करीब 12 साल पहले एक ईसाई दंपति को जिंदा जलाने वाले सभी आरोपियों को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया है। बता दें यह दर्दनाक घटना 4 नवंबर 2014 को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कसूर जिले में हुई थी। 26 साल का शहजाद मसीह और उसकी 24 साल की गर्भवती पत्नी शमा बीबी ईंट भट्टे पर मजदूरी करते थे। भट्टे के मालिक के साथ उनका पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। इस कारण मालिक ने उन्हें वहां से भागने नहीं दिया। साजिश के तहत, इस दंपति पर कुरान का अपमान करने का झूठा आरोप मढ़ दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद एक मौलवी ने भीड़ को उकसाया। देखते ही देखते 1000 से ज्यादा लोगों की हिंसक भीड़ वहां जमा हो गई। भीड़ ने इस बेकसूर दंपति को पहले बेरहमी से पीटा। उन्हें तड़पाया और फिर जलते हुए ईंट भट्टे की आग में फेंक दिया। इस बर्बरता के बाद शुरू में पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधी अदालत ने कड़ा रुख अपनाया था। कोर्ट ने पांच मुख्य आरोपियों को मौत की सजा सुनाई थी और 8 अन्य को जेल भेजा था, लेकिन जैसे-जैसे समय बीता ऊंची अदालतों ने सबूतों की कमी के चलते धीरे-धीरे सबको छोड़ना शुरू कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक 10 जुलाई को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने बचे हुए आखिरी तीन मुख्य आरोपियों की मौत की सजा को रद्द कर दिया। कोर्ट ने दलील दी कि पुलिस ने सबूत जुटाने में बड़ी लापरवाही की और सरकारी पक्ष का केस कमजोर था। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार की उस अपील को भी खारिज कर दिया, जिसमें हिंसा में शामिल 102 अन्य आरोपियों को छोड़े जाने का विरोध किया गया था। पाकिस्तान के कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस के प्रेसिडेंट ने इस पर खेद जताया है। इस पर फैसलाबाद के बिशप इंद्रियास रहमत ने कहा कि मसीह और बीबी की हत्या के आरोप से बरी हुए लोगों को रिहा करना उसी पैटर्न का हिस्सा है।

पाकिस्तान-इस्राइल में होने वाली 'डील': इमरान खान की बहन का दावा, क्या मुनीर को फील्ड मार्शल बनाने की साजिश?

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नोरीन नियाजी ने एक बहुत बड़ा और चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई जंग को भारत ने केवल इसलिए आगे नहीं बढ़ाया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने की तैयारी कर रहा था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने ये गंभीर आरोप लगाए हैं। नोरीन के इस बयान के बाद पाकिस्तानी सेना और सरकार पर चौतरफा हमले शुरू हो गए हैं।

नोरीन नियाजी ने मई 2025 के सैन्य संघर्ष को लेकर सीधे तौर पर पाकिस्तान की सेना और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि भारत बड़ी आसानी से जवाबी कार्रवाई कर सकता था। लेकिन भारत ने इस्राइल के कहने पर अपनी सेना को आगे बढ़ने से रोक दिया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने वाला था। उन्होंने बिना कोई सबूत दिए यह भी दावा किया कि पाकिस्तान और इस्राइल के बीच पहले से ही गुप्त बातचीत चल रही थी। नोरीन नियाजी ने यह भी दावा किया कि इस पूरे सैन्य टकराव की पटकथा केवल इसलिए रची गई थी ताकि पाकिस्तान की सेना की छवि को जनता के बीच सुधारा जा सके। उन्होंने सीधे तौर पर तत्कालीन थल सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर का नाम लिया। इस संघर्ष के बाद ही जनरल आसिम मुनीर को प्रमोट करके 'फील्ड मार्शल' का सर्वोच्च पद दिया गया था। नियाजी ने इसे साल 2020 के 'अब्राहम अकॉर्ड्स' से भी जोड़ा, जिसके तहत कई अरब देशों ने इस्राइल के साथ रिश्ते सामान्य किए थे।

आतंकी हमला: अप्रैल 2025 में पहलगाम में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 आम नागरिक मारे गए थे। भारत का पलटवार: भारत ने सात मई को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया।

नेपाल के सिक्कों से हटेगा विवादित नक्शा: एक-दो रुपये के कॉइन पर दिखेगा 7वीं सदी का मठ, क्या है तैयारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों पर बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। अब इन सिक्कों से नेपाल का नया राजनीतिक नक्शा हटाकर उसकी जगह सातवीं शताब्दी के ऐतिहासिक 'लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री' (मठ) की तस्वीर अंकित की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने इस ऐतिहासिक फैसले की पुष्टि की है। इस सप्ताह की शुरुआत में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नेपाल राष्ट्र बैंक को एक और दो रुपये मूल्यवर्ग के नए डिजाइन के सिक्के जारी करने की मंजूरी दे दी गई। गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में सिक्कों के डिजाइन में बदलाव का यह अंतिम फैसला लिया गया, जिसके बाद गृह मंत्रालय और केंद्रीय बैंक को आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश भेज दिए गए हैं। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता गुरुप्रसाद पौडेल ने बताया कि सरकार की मंजूरी मिलने का साफ मतलब है कि सिक्कों का डिजाइन अब बदल चुका है। सूचना एवं संचार मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नए सिक्कों में सुरक्षा के बेहतर इंतजाम और नए डिजाइन शामिल होंगे, जिससे कम मूल्यवर्ग की मुद्रा का प्रबंधन आसान हो जाएगा। नेपाल राष्ट्र बैंक अब मुस्टंग जिले के मारंग गांव में स्थित 7वीं सदी के लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री की तस्वीर को सिक्कों के अग्रभाग पर उकेरने की तैयारी कर रहा है। यह मठ नेपाल का सबसे पुराना मठ माना जाता है। मान्यता है कि इस ऐतिहासिक मठ का निर्माण गुरु पद्मसंभव ने करवाया था। सिक्कों पर इस मठ की तस्वीर आने के बाद साल 2020 में जारी किया गया नेपाल का विवादित राजनीतिक नक्शा अपने आप सिक्कों से हट जाएगा। आपको बता दें कि नेपाल के संविधान संशोधन के बाद लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी क्षेत्रों को शामिल कर साल 2078 (विक्रम संवत) में 'चुच्चे' (नकीला) नक्शे वाला सिक्का जारी किया गया था। अब करीब पांच साल बाद इस नक्शे को सिक्कों से पूरी तरह हटा दिया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी: नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों के नए डिजाइन को आधिकारिक तौर पर हरी झंडी दे दी है। नक्शा हटाने का फैसला: साल 2020 में जारी किए गए नए राजनीतिक नक्शे को अब सिक्कों से हटा दिया जाएगा।

ईरान की दो-टूक, चाबहार पर यूएस का हमला 'युद्ध अपराध'; जंग-टकराव पर जीसीसी और अरब लीग क्या बोले?

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दो-टूक लहजे में कहा है कि जंग के बीच चाबहार बंदरगाह पर अमेरिकी सेना का हमला स्पष्ट 'युद्ध अपराध' है। इस जंग और टकराव पर और अरब लीग की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। ईरानी सेना की कार्रवाई की निंदा करते हुए अरब और खाड़ी देशों ने बढ़ते तनाव पर चिंता जाहिर की है। भारत में ईरानी दूतावास ने अमेरिकी सेना की कार्रवाई को लेकर कहा, 'शनिवार को चाबहार स्थित ईरान के शाहिद कलांतरी बंदरगाह पर अमेरिकी हमले में निगरानी टावर नष्ट हो गया। नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाए जाने की ये घटना 'युद्ध अपराध' है।

शनिवार को एक्स हैंडल पर जारी एक बयान में भारत में ईरानी दूतावास ने कहा, अमेरिकी सेना ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन करते हुए चाबहार बंदरगाह पर हमले किए।दूतावास ने संपत्तियों की रक्षा और अमेरिका के दायित्वों का जिक्र करते हुए कहा, नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर, अमेरिका ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ा है। सशस्त्र संघर्ष के दौरान अमेरिका ने संपत्तियों की रक्षा के अपने दायित्वों की भी अवहेलना की है।

बकौल अरब लीग प्रमुख फहमी, कुवैत, कतर, बहरीन, जॉर्डन और इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र पर ईरान के हमलों की बढ़ती गति उसके आक्रामक दृष्टिकोण को दिखाती है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, इसे बर्दाश्त या स्वीकार नहीं किया जा सकता है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रालय ने भी ड्रोन और मिसाइल हमलों की कड़ी निंदा की। यूएई ने कहा कि ये शत्रुतापूर्ण कार्रवाई 'भाईचारे वाले देशों की संप्रभुता का घोर उल्लंघन' हैं। बहरीन, कुवैत और जॉर्डन के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए यूएई ने कहा, ये हमले उनकी सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा हैं। यूएई ने आत्मरक्षा के सभी उपायों का समर्थन करने की बात भी कही।

कुवैत में बिजली और पानी से जुड़े नेटवर्क को सीधे निशाना बनाए जाने का जिक्र करते हुए कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा, हमले सभी स्वीकार्य सीमाओं को पार कर चुके हैं। दोहा ने कहा, ईरान के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अच्छे पड़ोसी के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन हैं। कतर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 2817 के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा, मौजूदा सैन्य अभियान उकसावा है जो खतरनाक तरीके से आगे बढ़ रहा है। इससे तनाव को नियंत्रित करने के प्रयासों को झटका लगेगा। ईरान और अमेरिका के बीच सुलह कराने के लिए मध्यस्थता कर चुके कतर ने एक बार फिर दोनों पक्षों से शत्रुता को तत्काल समाप्त करते हुए राजनयिक वार्ता बहाल करने की अपील भी की। मिस्र ने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन को निशाना बनाने वाली ईरानी आक्रामकता की निंदा करते हुए कहा, इससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ रही है। कुवैत ने भी तेल संयंत्रों, बिजली स्टेशनों और जल संयंत्रों पर ईरानी सैन्य हमलों की कड़ी निंदा की। अमेरिका से शांति समझौता खत्म?: ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की धमकी, कहा-सिखाएंगे कभी न भूलने वाला सबक गौरतलब है कि करीब 110 दिनों की जंग के बाद अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। अब तेहरान ने अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित कर दिया है।

ट्रंप के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं': शांति समझौता टूटने पर भड़के मोजतबा खामेनेई, दे डाली ये धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में हुए शांति समझौते का उल्लंघन किया है। इससे एक बार फिर साबित हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर की कोई कीमत नही है। यह पूरी तरह से बेकार और अमान्य हैं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, खामेनेई ने देश की जनता के नाम भेजे एक संदेश में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने समझौते को तोड़कर अपना असली और बेनकाब चेहरा दिखा दिया है। यह अमेरिका के झूठ, अतार्किक, अविश्वसनीय और बुरे स्वभाव का एक और ठोस सबूत है। इसके साथ ही खामेनेई ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने युद्ध भड़काने की कोशिशें जारी रखीं, तो उसे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिकी हमले जारी रहे, तो ईरान और उसका 'प्रतिरोध मोर्चा' (रेसिस्टेंस फ्रंट) अमेरिका को ऐसा सबक सिखाएगा जिसे वह कभी नहीं भूल पाएगा। यह तनाव उस शांति समझौते के बावजूद बढ़ा है, जिसके तहत दोनों देशों को 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते के लिए बातचीत करनी थी। इस समझौते पर 18 जून को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हस्ताक्षर किए थे।

ईरान के कानूनी और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने शनिवार को एक बड़ा एलान किया। उन्होंने सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान ने इस समझौते के तहत अपनी सभी जिम्मेदारियां पूरी करना बंद कर दिया है। उन्होंने अमेरिका पर समझौते के सभी वादों को तोड़ने या निलंबित करने का आरोप लगाया। गरीबाबादी ने साफ किया कि अब बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है और ईरान का पूरा ध्यान अपनी रक्षा करने पर है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों का करारा जवाब दिया जा चुका है और अमेरिका को समझदारी दिखाते हुए दूसरा रास्ता चुनना चाहिए। बता दें कि, पिछले एक हफ्ते में अमेरिका ने ईरान के दक्षिणी प्रांतों में सैन्य ठिकानों और बुनियादी ढांचों पर कई हवाई हमले किए हैं। अमेरिका का दावा है कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए किए गए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी खाड़ी देशों और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए हैं। शनिवार को कुवैत और बहरीन ने बताया कि उनके हवाई रक्षा तंत्र ने ईरान के हवाई हमलों को रोका है। इन हमलों में कुवैत के एक मुख्य तेल केंद्र और बिजली उत्पादन व पानी को खारेपन से मुक्त करने वाले संयंत्र को नुकसान पहुंचा है।

सैनिकों की मौत से बौखलाया अमेरिका, ईरान को सजा देने के लिए नए सिरे से हवाई हमले

तेहरान, एजेंसी। ईरान के हमले में अपने सैनिकों की मौत से बौखलाए अमेरिका ने नए सिरे से एयर स्ट्राइक की शुरुआत की है। अमेरिकी सेना के मुताबिक ईरान को दंडित करने के लिए नए सिरे से हवाई हमले किए जा रहे हैं। अमर उजाला के इस लाइव ब्लॉग में पढ़ें ईरान और अमेरिका के टकराव से पश्चिम एशिया में उपजे तनाव से जुड़े तमाम अपडेट्स ईरान के एक बड़े नेता इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक उनके सुप्रीम लीडर के तेवरों को समझ लें, तो वे एक सेकंड गंवाए बिना वहां से भाग खड़े होंगे। हाल ही में दोनों देशों के बीच हुआ समझौता टूट गया है। इसके बाद से दोनों तरफ से लगातार हमले हो रहे हैं। अमेरिका ने ईरान के ठिकानों पर बमबारी की है, तो ईरान समर्थित गुटों ने भी अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने भी अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अमेरिका को 'महाशैतान' कहते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दस्तखत को पूरी तरह रद्दी बताया है। खामेनेई का कहना है कि अमेरिका कभी अपनी बात पर नहीं टिकता और हमेशा धोखेबाजी करता है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने अपने हमले नहीं रोके, तो ईरान और उसके साथी देश अमेरिका को ऐसा सबक सिखाएंगे जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा। अमेरिका ने लगातार आठवीं रात भी ईरान पर हवाई हमले किए। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई जॉर्डन में हुए उस हमले के जवाब में की जा रही है, जिसमें दो अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सैनिकों की मौत दुखद है, लेकिन ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार नहीं बनाने दिया जाएगा। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने ट्रंप के बयान को खारिज करते हुए कहा कि उनके हस्ताक्षर की कोई अहमियत नहीं है। उन्होंने अमेरिका पर हाल में हुए समझौते को तोड़ने का आरोप भी लगाया। कुवैत का कहना है कि ईरान के हवाई हमले में उसकी सरकारी तेल कंपनी की एक इकाई को नुकसान पहुंचा है। इससे पहले भी बिजली और पानी के एक संयंत्र पर हमले का आरोप लगाया गया था। इराक के एरबिल शहर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश हुई। इसके बाद वहां हवाई सुरक्षा प्रणाली तुरंत सक्रिय कर दी गई।

तलवार हमारी और गला आपका होगा': कट्टरपंथी गुट ने पेजेशकियन को दी चेतावनी; क्या ईरान में बढ़ेगा सत्ता संघर्ष?

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद देश में सत्ता संघर्ष तेज हो गया है। लंबे समय तक देश का नेतृत्व करने वाले खामेनेई को अंतिम विदाई देने का कार्यक्रम शांतिपूर्ण होना था। लेकिन इसके बजाय वहां सत्ता की अंदरूनी लड़ाई खुलकर सामने आ गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, कट्टरपंथी गुट राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और उन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ हो गए हैं, जिन पर अमेरिका के साथ शांति वार्ता करने का आरोप है। खामेनेई के जनाजे में दिखा गुस्सा अब ईरान की राजनीति तक पहुंच गया है। नेताओं पर विश्वासघात, तख्तापलट की साजिश और आत्मसमर्पण जैसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं।

जनाजे में ही शुरू हुआ विरोध : जब राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन तेहरान में खामेनेई के ताबूत के साथ चल रहे थे, तब वहां मौजूद कुछ लोगों ने सिर्फ शोक नहीं मनाया, बल्कि राष्ट्रपति के खिलाफ भी नारे लगाए। भीड़ ने 'समझौता करने वालों की मौत हो' जैसे नारे लगाए। विदेश मंत्री अब्बास अराघची को भी जनाने के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा, , जिन्होंने अमेरिकी प्रशासन के साथ संघर्ष विराम पर बातचीत की थी और सीमित प्रतिबंधों में राहत दिलाने में भूमिका निभाई थी। प्रदर्शनकारियों ने उन पर पत्थर फेंके और उन्हें 'देश बेचने वाला गद्दार' कहा। इसके बाद उन्हें वहां से जाना पड़ा। इन घटनाओं से साफ हुआ कि ईरान के कट्टरपंथी गुटों में नाराजगी बढ़ रही है। उनका मानना है कि देश के नेताओं ने खामेनेई की क्रांतिकारी सोच छोड़कर अमेरिका के साथ समझौता किया, जबकि उन्हें उनकी मौत का बदला लेना चाहिए था।

नए सर्वोच्च नेता कहां हैं: सियासी संकट को और बढ़ाने वाली बात यह है कि नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्होंने अपने पिता के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। लेकिन अब तक बहुत कम सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं। उनकी चुप्पी से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ कट्टरपंथी सवाल उठा रहे हैं कि क्या वह शासन चलाने की स्थिति में नहीं हैं या फिर उनके आसपास के अधिकारी उनकी गैरमौजूदगी में सत्ता संभाल रहे हैं। सख्त रुख रखने वाले गुटों का आरोप है कि राष्ट्रपति पेजेशकियन, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघची नए सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पूरी तरह पालन किए बिना बड़े फैसले ले रहे हैं। अमेरिका में रहने वाले ईरान मामलों के विशेषज्ञ आराश अजीजी ने कहा कि मोजतबा खामेनेई की गैरमौजूदगी के कारण दूसरे नेता देश का प्रमुख चेहरा बन गए हैं। उन्होंने कहा कि मोजतबा की लगातार गैरमौजूदगी का मतलब है कि लोगों की उन तक पहुंच नहीं है। इसी वजह से गालिबाफ और उनके सहयोगी देश की कमान संभालते दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण कट्टरपंथी गुट गालिबाफ और पेजेशकियन पर मोजतबा के खिलाफ तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं।

तख्तापलट के आरोप : ये आरोप अब खुलकर लगाए जा रहे हैं। खामेनेई के जनाजे से कुछ दिन पहले सख्त रुख रखने वाले सांसद महमूद नबावियान ने एक्स पर लिखा, ईरान के लोगों को चेतावनी, क्या तख्तापलट होने वाला है? जनाजे के बाद उन्होंने फिर कहा, शहीद इमाम खामेनेई को विदाई देते समय हम उनके खून का बदला लेने का झंडा उठाते हैं और तख्तापलट के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। कट्टरपंथियों का कहना है कि ईरान के नेता संसद को नजरअंदाज कर रहे हैं, अमेरिका से बातचीत के दौरान सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं और देश की क्रांतिकारी संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। एक अन्य कट्टरपंथी सांसद कामरान गजनफारी ने आरोप लगाया कि सत्ता को पारंपरिक संस्थाओं से हटाकर दूसरे संस्थानों की ओर ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की भूमिका बढ़ाई जा रही है, जबकि सर्वोच्च नेता और संसद की भूमिका कम की जा रही है। उनके अनुसार, यही सियासी तख्तापलट है, जिसे धीरे-धीरे लागू किया जा रहा है। सियासी आरोपों के साथ-साथ धमकियां भी दी जा रही हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, संघर्ष दोबारा शुरू होने से पहले सुरक्षा तंत्र से जुड़े मजहबी गायक मोहम्मद अली बख्शी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में राष्ट्रपति पेजेशकियन को खुली चेतावनी दी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)